

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 68 । पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 04 नवम्बर 2026(बुधवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

राहुल गांधी ने पीएम मोदी को फिर दी बहस की चुनौती

बोले- विदेशी संबंधों और अमेरिकी समझौते पर खुलकर हो चर्चा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर सार्वजनिक मंच पर बहस करने की चुनौती दी है। मंगलवार को सोशल मीडिया पर जारी करीब डेढ़ मिनट के वीडियो में राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री किसी भी स्थान और मंच का चयन कर लें, वे हर मुद्दे पर खुलकर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आरोपों और सवालों का जवाब देने के बजाय बहस से बचने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को डरने की जरूरत नहीं है। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री विपक्ष को देशद्रोही बताते हैं, इसलिए बहस में यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि देशद्रोही कौन है और विदेशी ताकतों से संबंध किसके हैं। उन्होंने अमेरिकी समझौते, देश की वित्तीय व्यवस्था, वित्तीय ढांचे, अडाणी मामले और एपस्टीन प्रकरण जैसे मुद्दों पर चर्चा की मांग की। राहुल ने सवाल उठाया कि अमेरिकी समझौता किस तरह और इतनी जल्दबाजी में क्यों किया गया तथा इस बारे में मंत्रिमंडल को जानकारी क्यों नहीं दी गई। उन्होंने अडाणी मामले में कार्रवाई बंद होने को लेकर भी जवाब मांगा। राहुल ने कहा कि उनके खिलाफ करीब 45 मानहानि के मामले चल रहे हैं, लेकिन विदेशी संबंधों से जुड़े सवालों पर प्रधानमंत्री की ओर से मानहानि का मुकदमा नहीं किया गया। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि इन सभी विषयों पर आमने-सामने बैठकर खुली चर्चा होनी चाहिए। दूसरी ओर, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में राहुल गांधी पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन संसद चलनी चाहिए। शाह ने कहा कि सरकार विशेष सत्र बुलाकर एसआईआर पर चर्चा करने के लिए भी तैयार है। उन्होंने राहुल गांधी पर नकली संसद आयोजित कर असली संसद का मजाक उड़ाने और चर्चा का नाटक करने का आरोप लगाया। शाह ने कहा कि यदि राहुल गांधी में हिम्मत है तो उन्हें संसद में देश की जनता के सामने चर्चा करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि केवल हाथ में संविधान लेकर घूमने से उसका समर्थन नहीं होता, बल्कि व्यक्ति का आचरण भी संवैधानिक होना चाहिए।



नंदुरबार के नवापुर में जुआ, ड्रग्स और अवैध कारनामों का गढ़,

'महानगर मेट्रो' की विशेष जांच रिपोर्ट, व्यवस्था की चुप्पी पर उठे गंभीर सवाल!

नवापुर में कथित जुआ, नशे और तस्करी के नेटवर्क पर पुलिस की नजर क्यों नहीं?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नंदुरबार / मुंबई। महाराष्ट्र की सीमा से सटे नंदुरबार जिले का नवापुर क्षेत्र इन दिनों अवैध गतिविधियों और संदिग्ध कारनामों के चलते सुर्खियों में है। पुलिस और प्रशासनिक निगरानी के तमाम दावों के बावजूद स्थानीय स्तर पर कानून-व्यवस्था को ठेंगा दिखाकर चलाए जा रहे गैर-कानूनी कारोबारों का मामला उजागर हुआ है। जूना आरटीओ (नवी आरटीओ) के पास, श्रीराम पार्क और इंडियन पेट्रोल पंप के ठीक पीछे बिदखिपाड़ा गांव के इलाके में शेड बनाकर चलाए जा रहे इस बड़े नेटवर्क ने आसपास के पूरे माहौल को संदिग्ध और असुरक्षित बना दिया है।



नामजद आरोपियों और संदिग्ध नेटवर्क की कार्यशैली पर खुलासा

सूत्रों से प्राप्त जानकारियों के अनुसार, इस पूरे नेटवर्क का संचालन लकड़कोट के पप्पू गोस्वामी, नवापुर के रईस शेख और सूरज जायसवाल जैसे विवादास्पद लोगों की सहभागिता से किए जाने का दावा किया जा रहा है। स्थानीय चर्चाओं और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस नेटवर्क के तार अंतरराज्यीय अपराधियों और अवैध गतिविधियों के बड़े सिंडिकेट्स से जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। बताया जाता है कि इस स्थान पर हर रात महाराष्ट्र, गुजरात, दमन और मध्य प्रदेश से बड़ी संख्या में लोग और संदिग्ध प्रवृत्ति के व्यक्ति इकट्ठा होते हैं। देर रात तक चलने वाले इस खेल में लाखों-करोड़ों रुपयों का लेन-देन होने और कई अनैतिक गतिविधियों के संचालित होने के आरोप लगाए जा रहे हैं।

जुए के साथ अन्य गैर-कानूनी गतिविधियों की भरमार

स्थानीय नागरिकों और प्रबुद्ध वर्ग द्वारा जताई गई चिंताओं के मुताबिक, यह स्थान केवल जुए के अड्डे तक सीमित नहीं है, बल्कि यहाँ अन्य अनैतिक एवं गैर-कानूनी गतिविधियां भी बेरोकटोक जारी हैं:

नशीले पदार्थों की बिक्री: युवाओं को निशाना बनाकर एमडी ड्रग्स और अन्य प्रतिबंधित नशीले पदार्थों के नेटवर्क को हवा देने के आरोप लग रहे हैं।

अनैतिक देहव्यापार एवं गतिविधियां: अनैतिक गतिविधियों और संदिग्ध लोगों के जमावड़े के कारण आसपास का सामाजिक वातावरण दूषित हो रहा है।

अवैध तस्करी: महाराष्ट्र-गुजरात सीमा का फायदा उठाकर शराब और गुटखा जैसी अवैध वस्तुओं के परिवहन की शिकायतें भी सामने आ रही हैं।

स्थानीय प्रशासन और पुलिस तंत्र की भूमिका पर प्रश्नचिह्न

सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि मुख्य सड़क और सर्वविदित लैंडमार्क (जूना आरटीओ, श्रीराम पार्क, इंडियन पेट्रोल पंप) के पीछे इतने बड़े पैमाने पर गतिविधियां चलने के बावजूद स्थानीय पुलिस को इसकी भनक क्यों नहीं लग रही? स्थानीय निवासियों का आरोप है कि पुलिस और संबंधित विभागों की ढिलाई या कथित मौन सहमति के बिना ऐसा नेटवर्क लंबे समय तक चलना असंभव है। जब भी इस प्रकार की गतिविधियों पर कार्रवाई की बातें सामने आती हैं, तब जानकारी लीक होने या अस्थाई रूप से जगह बदल दिए जाने जैसी बातें सामने आती हैं।

गृह विभाग और वरिष्ठ अधिकारियों से ठोस कार्रवाई की मांग

'महानगर मेट्रो' इस मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की मांग करता है। इस रिपोर्ट के माध्यम से शासन और प्रशासन के ध्यान में निम्नलिखित बिंदु लाए जा रहे हैं:

1. **उच्चस्तरीय जांच:** राज्य के पुलिस महानिदेशक और गृह विभाग द्वारा तुरंत संज्ञान लेकर पूरे मामले की विशेष टीम से जांच कराई जाए।

2. **जवाबदेही तय हो:** स्थानीय पुलिस स्टेशन, एलसीबी और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की समीक्षा की जाए तथा लापरवाही पाए जाने पर दंडात्मक कार्रवाई हो।

3. **अवैध स्थल पर सख्त कार्रवाई:** बिदखिपाड़ा और श्रीराम पार्क के पीछे बने इन अवैध शेडों और ठिकानों को चिन्हित कर पूरी तरह ध्वस्त किया जाए।

यदि समय रहते इस नेटवर्क पर नकेल नहीं कसी गई, तो यह क्षेत्र किसी बड़ी आपराधिक वारदात का केंद्र बन सकता है। स्थानीय जनता की सुरक्षा और कानून के इकबाल को बनाए रखने के लिए अब तुरंत और कठोर कार्रवाई की आवश्यकता है।

सुप्रीम कोर्ट की बीएमसी कमिश्नर को फटकार,

अवमानना की कार्रवाई शुरू; पूछा- अतिक्रमणकारियों से अधिकारियों की मिलीभगत तो नहीं?



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई में बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट) बस स्टेशन के लिए निर्धारित जमीन से अतिक्रमण नहीं हटाने के मामले में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के कमिश्नर के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू कर दी है। मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने कमिश्नर को कारण बताओ नोटिस जारी किया। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने बीएमसी के अधिकारियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि क्या महानगरपालिका के अधिकारी अतिक्रमणकारियों के साथ मिलीभगत कर रहे हैं? अदालत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि अधिकारी सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं करेंगे तो उन्हें जेल भेजा जाएगा। इससे उन्हें अदालत के आदेशों की अहमियत समझ आएगी। मामला मुंबई के बोरीवली स्थित सार्वजनिक बेस्ट बस स्टेशन की जमीन से जुड़ा है। इस भूखंड को लेकर बीएमसी और एक निजी डेवलपर के बीच लंबे समय से कानूनी विवाद चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने 13 अगस्त 2025 को निजी डेवलपर को प्रशासनिक भवन सहित संबंधित जमीन का खाली और शांतिपूर्ण कब्जा बीएमसी को सौंपने का निर्देश दिया था। अदालत ने महानगरपालिका को तीन महीने के भीतर जमीन का कब्जा लेने, शेष अतिक्रमण हटाने और बस स्टेशन को पूरी तरह चालू करने का आदेश दिया था। इसके बावजूद 13 नवंबर 2025 तक अतिक्रमण नहीं हटाए जाने पर अदालत ने नाराजगी जताई और कमिश्नर को व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। मंगलवार की सुनवाई में बीएमसी की ओर से दलील दी गई कि स्थानीय अधिकारियों को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से पहले मराठी दस्तावेजों का अंग्रेजी में अनुवाद कराना जरूरी है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाया। न्यायमूर्ति बागची ने पूछा कि हलफनामा दाखिल करने वाले अधिकारी डॉ. तांबे हैं, क्या अदालत यह माने कि उन्हें मराठी भाषा नहीं आती? अदालत ने बीएमसी के जवाब और कार्रवाई में देरी पर असंतोष जताते हुए अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए। अब कमिश्नर को नोटिस का जवाब देकर यह स्पष्ट करना होगा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन क्यों नहीं किया गया और उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई क्यों न की जाए।

अखिलेश यादव का यूपी चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान, बोले- लोकसभा से आकर सीधे मुख्यमंत्री पद की शपथ लूंगा

काशी में भाजपा पर साधा निशाना

दावा- पहले 100 विधायकों के टिकट काटने की तैयारी थी, अब 200 का टिकट कटेगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाराणसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। वाराणसी में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री बनने के सवाल पर कहा कि वे वही करेंगे, जो उनके लिए शुभ होगा। उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि वे मुख्यमंत्री तब बने थे, जब चुनाव नहीं लड़ा था। पिछली बार लोकसभा से आकर मुख्यमंत्री बने थे, इसलिए इस बार भी लोकसभा से आकर सीधे शपथ लेने की बात कही। अखिलेश यादव ने कहा कि काशी के लोग धार्मिक हैं और शुभ-अशुभ समय का विशेष महत्व समझते हैं। उन्होंने अपने बयान में संकेत दिया कि मुख्यमंत्री पद के लिए विधानसभा चुनाव लड़ना जरूरी नहीं है।



गौरतलब है कि अखिलेश यादव 15 मार्च 2012 को पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। उस समय वे कन्नौज से लोकसभा सांसद थे। मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने लोकसभा की सदस्यता छोड़कर विधान परिषद की सदस्यता ली थी। अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए दावा किया कि पार्टी पहले अपने 100 विधायकों के टिकट काटने की तैयारी कर रही थी, लेकिन एमएलसी चुनाव में हार के बाद अब 200 विधायकों के टिकट काटने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले काशी के मंत्रियों के टिकट कटेंगे। हालांकि, यह भाजपा की आगामी चुनावी रणनीति को लेकर अखिलेश यादव का राजनीतिक दावा है। शिक्षक और स्नातक विधान परिषद की दोनों सीटों पर समाजवादी पार्टी की जीत के बाद पहली बार वाराणसी पहुंचे अखिलेश यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि काशी को क्योटो तो नहीं बनाया जा सका, लेकिन कम से कम क्योटो की तस्वीर ही लगा दी जाती। उन्होंने सवाल उठाया कि क्योटो की तस्वीर तक क्यों नहीं लगाई गई। अखिलेश यादव ने विधान परिषद चुनाव में पार्टी की जीत को बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद बताते हुए कहा कि बाबा ने आशुतोष सिन्हा और लाल बिहारी को जिताकर दोहरा आशीर्वाद दिया है।

ईवीएम को लेकर फिर उठाया सवाल

अखिलेश यादव ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर भी अपना रुख दोहराया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सभी 80 लोकसभा सीटें ईवीएम से जीत जाए, तब भी उनकी पार्टी ईवीएम के खिलाफ रहेगी। उनके इस बयान के साथ ही उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है।

इंदिरा गांधी पर टिप्पणी से गरमाई सियासत, भाजपा के पूर्व विधायक के खिलाफ कांग्रेस ने किया थाने का घेराव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

श्योपुर। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर भाजपा के पूर्व विधायक बाबूलाल मेवरा की कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर मंगलवार को जिले की राजनीति गरमा गई। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मेवरा के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कोतवाली थाने का घेराव किया और एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर धरना दिया। इस दौरान कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल भी प्रदर्शन में शामिल हुए। वहीं, प्रदर्शन के दौरान जंडेल पर भाजपा नेताओं की बहन-बेटियों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगा, जिसके बाद भाजपा नेताओं और महिला मोर्चा ने भी मोर्चा खोल दिया। विवाद की शुरुआत सोमवार को भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा के समापन समारोह से हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विजयपुर के पूर्व विधायक बाबूलाल मेवरा ने वर्ष 1975 में लगाए गए आपातकाल के दौरान अपने साथ हुई घटनाओं का जिक्र किया था। इसी दौरान उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया। मेवरा ने कहा था कि इंदिरा गांधी ने प्रधानमंत्री पद बचाने के लिए पूरे देश को जेल बना दिया था और लोगों ने उनके शासनकाल के दौरान अत्याचार झेले थे।

20 महीने जेल में रहने का किया दावा

गुलंबर चौक पर आयोजित सभा में मेवरा ने 12 जून 1975 को इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा इंदिरा गांधी के चुनाव को अवैध घोषित किए जाने का उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि इसके बाद अपनी सत्ता बचाने के लिए देश में आपातकाल लगाया गया और विपक्षी नेताओं को जेल में बंद किया गया। मेवरा ने बताया कि जब वे 20-22 वर्ष के थे, तब भारतीय जनसंघ के कार्यकर्ता के रूप में सक्रिय रहने के कारण उन्हें गिरफ्तार किया गया था। उनके अनुसार, वे करीब 20 महीने जेल में रहे और इस दौरान उनके परिवार को भी परेशानियों का सामना करना पड़ा। मंगलवार को गांधी पार्क में कोतवाली थाने के सामने कांग्रेस नेताओं ने बाबूलाल मेवरा के खिलाफ धरना दिया और पुलिस से एफआईआर दर्ज करने की मांग की। इसी दौरान विधायक बाबू जंडेल पर भाजपा नेताओं की बहन-बेटियों को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगा। इस मामले में भाजपा नेताओं और महिला मोर्चा ने पुलिस उपनिरीक्षक को ज्ञापन सौंपकर बाबू जंडेल के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज करने और कार्रवाई की मांग की। इस तरह इंदिरा गांधी पर मेवरा की टिप्पणी से शुरू हुआ विवाद दोनों दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप और पुलिस कार्रवाई की मांग तक पहुंच गया।

बिहार में नदियों की गाद से बनेंगी सड़कें, बाढ़ रोकने के लिए केंद्र-राज्य में समझौता

49,751 करोड़ की चार प्रमुख सड़क परियोजनाओं को जल्द मंजूरी दिलाने की मांग, पटना-पूर्णिया एक्सप्रेस-वे पर भी चर्चा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पटना। बिहार में बाढ़ की समस्या कम करने और सड़क निर्माण को गति देने के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने नई पहल की है। मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की मौजूदगी में महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसके तहत बिहार की नदियों और जल निकायों से वैज्ञानिक तरीके से गाद निकाली जाएगी और उपयुक्त मिट्टी का इस्तेमाल राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में किया जाएगा। सरकार का मानना है कि नदियों से गाद निकालने पर उनकी जलधारण क्षमता बढ़ाने और बाढ़ का खतरा कम करने में मदद मिलेगी। साथ ही सड़क निर्माण के लिए सामग्री भी उपलब्ध होगी। इससे गाद के निपटारे की समस्या कम होने के साथ आधारभूत ढांचे के विकास को भी गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री के साथ बिहार की सड़क परियोजनाओं पर भी चर्चा की। उन्होंने करीब 330 किलोमीटर लंबी चार प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग और एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं को केंद्रीय मंत्रिमंडल से जल्द मंजूरी दिलाने का आग्रह किया। इनके लिए करीब 49,751 करोड़ रुपए की मांग रखी गई। बैठक में पटना-पूर्णिया ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे, वाराणसी-रांची-कोलकाता छह लेन राजमार्ग के बिहार वाले हिस्से और गंडक नदी पर दो लेन के पुल के निर्माण में तेजी लाने पर भी चर्चा हुई।



फॉर्म-6 भरने से पुराने मतदाताओं पर नहीं होगा झूठे शपथ पत्र का मुकदमा, चुनाव आयोग ने दूर किया डर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान जिन मतदाताओं के नाम प्रारूप मतदाता सूची से हट गए हैं, उनके लिए चुनाव आयोग ने बड़ी राहत दी है। आयोग ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि पहले से मतदाता रहे लोग भी नाम दोबारा जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 भर सकते हैं। इसके लिए उन्हें फॉर्म में दिए गए पहली बार नाम जुड़वाने संबंधी विकल्प को भरना होगा। ऐसा करने पर इसे झूठा शपथ पत्र नहीं माना जाएगा और न ही उनके खिलाफ कोई कानूनी मामला दर्ज होगा। दरअसल, फॉर्म-6 में आवेदक को यह घोषणा करनी होती है कि उसका नाम पहली बार मतदाता सूची में शामिल किया जा रहा है। पहले से पंजीकृत मतदाताओं को आशंका थी कि दोबारा नाम जुड़वाने के लिए इस विकल्प को चुनना गलत जानकारी देने जैसा होगा। फॉर्म में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के तहत गलत घोषणा करने पर एक साल तक की सजा का प्रावधान भी दर्ज है। इसी कानूनी आशंका के चलते कई पुराने मतदाता फॉर्म भरने से बच रहे थे। चुनाव आयोग ने इस भ्रम को दूर करते हुए कहा है कि एसआईआर में नाम हटने के बाद दोबारा पंजीकरण के लिए फॉर्म-6 भरना निर्धारित प्रक्रिया है। इसे गलत घोषणा नहीं माना जाएगा। आयोग के इस स्पष्टीकरण से उन लोगों को राहत मिलेगी, जो कानूनी कार्रवाई के डर से आवेदन नहीं कर पा रहे थे। आयोग ने एसआईआर की प्रक्रिया पूरी कर चुके राज्यों के लिए अक्टूबर में फॉर्म-6 में एक और महत्वपूर्ण बदलाव किया था। इसके तहत अब दोबारा नाम जुड़वाने के लिए वर्ष 2003 की मतदाता सूची से जुड़ी जानकारी देना अनिवार्य नहीं है।

फर्जी निवेश एप के जरिए महू के व्यापारी से 22.50 लाख की साइबर ठगी, खाते में दिखाया 5 करोड़ से ज्यादा का मुनाफा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महू। इंदौर जिले के डॉ. आंबेडकर नगर (महू) में शेयर बाजार में निवेश के नाम पर एक व्यापारी से 22 लाख 50 हजार रुपए की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। जालसाजों ने कम समय में करोड़ों रुपए कमाने का लालच देकर व्यापारी को अपने जाल में फंसाया। आरोपियों ने यश सिक्युरिटी नाम से एक फर्जी मोबाइल एप तैयार किया था, जिसके माध्यम से व्यापारी को निवेश के नाम पर रकम जमा करवाने के लिए प्रेरित किया गया। करीब ढाई महीने तक अलग-अलग किश्तों में उससे पैसे जमा करवाए जाते रहे। इस दौरान एप पर उसके निवेश की रकम लगातार बढ़ती दिखाई गई और खाते में 5 करोड़ 1 लाख 88 हजार रुपए का मुनाफा दर्शाया गया। एप पर करोड़ों रुपए का लाभ दिखाई देने के कारण व्यापारी को भरोसा हो गया कि उसका निवेश कई गुना बढ़ चुका है। जब उसने दिखाई जा रही रकम निकालने का प्रयास किया तो न तो उसे पैसा मिला और न ही आरोपियों की ओर से कोई संतोषजनक जवाब दिया गया। इसके बाद उसे ठगी का एहसास हुआ।

नरेंद्र मोदी, अमित शाह और शिवराज सिंह चौहान पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ तख्तापलट की कोशिश का लगाया आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के 'लोकतंत्र बचाओ' अभियान को लेकर कांग्रेस ने तीखा हमला बोला है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे ने भाजपा की पदयात्रा पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस अभियान का नाम 'भाजपा से लोकतंत्र बचाओ' होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा लोकतंत्र की रक्षा की बात कर रही है, जबकि उसके नेताओं की गतिविधियां ही लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं। अभय दुबे ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने आरोप लगाया कि शिवराज सिंह चौहान लखनऊ में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के समर्थन में और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ मार्च का नेतृत्व करने आए हैं। दुबे ने दावा किया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सबसे बड़ी शिकायत यह है कि ज्ञानेश कुमार के माध्यम से करोड़ों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं।

वलसाड को 441 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने किया लोकार्पण



महानगर मेट्रो ब्यूरो

वापी (वलसाड)। गुजरात सरकार ने वलसाड जिले के विकास को गति देने के लिए करीब 441 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी है। वापी में आयोजित भव्य समारोह में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इन परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इन कार्यों के पूरा होने से जिले में बुनियादी सुविधाओं को मजबूती मिलने के साथ आम नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध होने की उम्मीद है। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी, कैबिनेट मंत्री कनुभाई देसाई और कैबिनेट मंत्री नरेशभाई पटेल सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग मौजूद रहे। समारोह के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई गई। 441 करोड़ रुपये की लागत वाले इन विकास कार्यों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क एवं भवन निर्माण, पेयजल आपूर्ति, जल निकासी व्यवस्था और शहरी सुविधाओं से संबंधित परियोजनाएं शामिल हैं। कार्यक्रम में पूर्ण हो चुके कार्यों का लोकार्पण किया गया, जिससे लोगों को इन सुविधाओं का लाभ मिलना शुरू हो सकेगा। वहीं, नई परियोजनाओं का शिलान्यास कर उनके निर्माण की दिशा में अगला कदम बढ़ाया गया। इन परियोजनाओं का उद्देश्य वलसाड जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करना है। बेहतर सड़कें, पेयजल व्यवस्था और स्वास्थ्य एवं शिक्षा से जुड़ी सुविधाओं के विकास से स्थानीय लोगों के जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही वापी जैसे प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र में व्यापार और उद्योगों के विकास को भी प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार ने जिले के समग्र विकास और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में विकसित भारत और विकसित गुजरात के संकल्प को आगे बढ़ाने की बात कही गई। 441 करोड़ रुपये के इन विकास कार्यों को वलसाड जिले के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

आणंद में स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई: 38 पैथोलॉजी लैब की जांच, 4 के पंजीकरण रद्द

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आणंद। जिले में लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाली पैथोलॉजी प्रयोगशालाओं के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। जिले में संचालित 38 पैथोलॉजी लैब की अचानक जांच के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। नियमों का उल्लंघन करने वाली चार प्रयोगशालाओं का पंजीकरण रद्द कर दिया गया, जबकि पांच अन्य लैब में गंभीर खामियां मिलने पर उनके संचालकों को नोटिस जारी किए गए हैं। इस कार्रवाई से जिले में नियमों को ताक पर रखकर प्रयोगशालाएं संचालित करने वालों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, जिले में लंबे समय से ऐसी शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ पैथोलॉजी लैब में आवश्यक शैक्षणिक योग्यता और तकनीकी जानकारी के बिना ही जांच का काम किया जा रहा है। साथ ही मरीजों को गलत जांच रिपोर्ट देने की शिकायतें भी सामने आई थीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा अधिकारियों की टीमों ने जिलेभर में जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान कुछ प्रयोगशालाओं में योग्य पैथोलॉजिस्ट की अनुपस्थिति के बावजूद उनके नाम की मुहर और हस्ताक्षर का इस्तेमाल कर मरीजों को रक्त और अन्य नमूनों की जांच रिपोर्ट जारी करने की बात सामने आई।

सुरेंद्रनगर में दिनदहाड़े युवक की तलवारों से निर्मम हत्या, वारदात से इलाके में सनसनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सुरेंद्रनगर। जिले में आपसी रंजिश के चलते एक युवक की सार्वजनिक स्थान पर धारदार हथियारों से हमला कर निर्मम हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। इस वारदात से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंचे परिजनों के चीखने-चिल्लाने और विलाप से माहौल गमगीन हो गया। जानकारी के अनुसार, सुरेंद्रनगर में कुछ लोगों ने पुरानी रंजिश अथवा किसी अन्य विवाद के चलते युवक को निशाना बनाया। आरोप है कि हमलावरों ने अचानक उस पर तलवारों और अन्य धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमलावरों ने युवक पर ताबड़तोड़ वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। हमले के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोगों में भय का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे। युवक का खून से लथपथ शव देखकर परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। माता-पिता और अन्य रिश्तेदारों के विलाप से वहां मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। परिवार ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वारदात की जानकारी मिलते ही जिला पुलिस का दल और वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। साथ ही हत्या के पीछे की वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर पुरानी रंजिश को हत्या की संभावित वजह माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारण पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों और परिजनों ने सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

धर्म की आड़ में कथित अनैतिकता का गंभीर विवाद: सागरचंद्र सागर पर आरोपों से जैन समाज में उबाल, प्रवचनों के बहिष्कार की उठी मांग

कथित चैट, तस्वीरों और रिकॉर्डिंग को लेकर सवालों के घेरे में साधु की छवि

मंदसौर में विरोध के बीच प्रवचन स्थलों से दूरी बनाने की अपील

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहिंसा, संयम, परम पवित्रता और त्याग की मिसाल पेश करने वाले भगवान महावीर स्वामी के महान सिद्धांतों को आज कुछ ढोंगी और चरित्रहीन पात्रों ने अपनी पाशविक लालसाओं को पूरा करने का जरिया बना लिया है। आस्था और धर्म के नाम पर पर्दे के पीछे जो खेल खेले जा रहे हैं, उन्होंने मानवता को शर्मसार कर दिया है। जैन समाज से एक ऐसा सनसनीखेज और कलेजा कंपा देने वाला मामला सामने आया है, जिसने संत समाज की गरिमा को तार-तार कर दिया है। साधु के पवित्र भेष की आड़ में अपनी हवस का शिकार बनाने वाले 'सागरचंद्र सागर' नामक इस कुसाधु के अनैतिक रिश्तों, काले कारनामों और भ्रष्टाचार के दस्तावेज अब पूरी तरह से उजागर हो चुके हैं!

भेष की पवित्रता का सौदा: अनगिनत जिंदगियों को अंधेरे में धकेलने का घृणित खेल

संत या साधु का जीवन भौतिक सुखों से परे और पूर्णतः पवित्र माना जाता है। परंतु सागरचंद्र सागर ने भगवा वस्त्रों की ओट में रहकर कई भोली-भाली महिलाओं और साध्वियों के साथ अनैतिक संबंध स्थापित किए होने के बेहद गंभीर और विस्फोटक आरोप झेले हैं। धर्म के प्रभाव और आम जन की अटूट श्रद्धा का दुरुपयोग कर इस शख्स ने कई परिवारों और युवतियों का भविष्य बर्बाद कर दिया है। इतने संगीन आरोप लगने के बावजूद यह तथाकथित साधु आज तक मीडिया या जनता के सामने आकर अपनी सफाई देने की हिम्मत नहीं जुटा सका है, जो इसकी अपराधी मानसिकता और अंदर की चोर-मनोवृत्ति को साफ उजागर करता है।

वायरल चैट्स और रिकॉर्डिंग का सच: 'अगर सब झूठ था, तो सफाई देने की नौबत क्यों आई? '

यह पूरा घिनौना सच तब खुलकर सामने आया जब इस कुसाधु की अपनी एक महिला मित्र के साथ कथित कॉल रिकॉर्डिंग, आपत्तिजनक तस्वीरें और व्हाट्सएप चैट्स के पुख्ता सबूत सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गए। सबसे बड़ा और चुभने वाला सवाल यह है कि यदि वे तमाम फोटो और बातें निराधार थीं, तो उस महिला के साथ इस कुसाधु को फोन पर लंबी बातचीत करने की आवश्यकता ही क्यों पड़ी? 'मेरे निजी फोटो कैसे लीक हो गए?' यह सफाई देने वाले खुद इस शख्स के अपने शब्द इस बात की गवाही दे रहे हैं कि दाल में काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है! इस स्तर की अशुद्ध और गंदी करतूतें सामने आने के बाद भी इसका मुखौटा उतर चुका है, मगर इसके चेहरे पर जरा भी शर्म या हया का नामोनिशान नहीं बचा है।

भ्रष्ट ट्रस्टियों की साठगांठ और दान के धन से अय्याशी का साम्राज्य

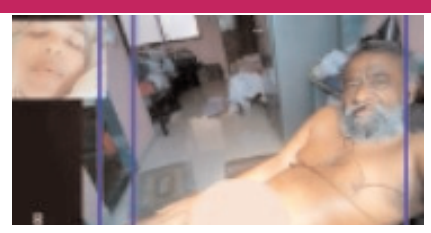
इस तरह के कलंकित और पतित पात्रों को बचाने, छिपाने और उन्हें शह देने का घिनौना काम कुछ स्वार्थी तत्व कर रहे हैं। सागर समुदाय से जुड़े कुछेक विशेष संघों और जिनालयों के भ्रष्ट पदाधिकारी इस पूरे पाखंड में सीधे तौर पर लिप्त हैं:

दान की डकैती: तीर्थस्थलों और देवालयों में श्रद्धालुओं द्वारा श्रद्धावश दिए जाने वाले दान और चढ़ावे के करोड़ों रुपयों का गोलमाल करके इन ट्रस्टियों और सागरचंद्र सागर के बीच बंदरबांट की जाती है। विलासिता का नंगा नाचः दान-पुण्य के इन पवित्र पैसों के दम पर इस कुसाधु ने विलासिता, ऐशो-आराम और मौजमस्ती से भरी हाइवोल्टेज जिंदगी खड़ी की है। अकूत काली कमाईः धर्म की आड़ में जनता को मूर्ख बनाकर बेनामी संपत्तियों और अकूत माया का जाल बुना गया है।

दलालों का सिंडिकेट: इस पूरे काले कारोबार पर पर्दा डालने के लिए मीडिया कोऑर्डिनेटर 'अभय चोपड़ा' और उनके जैसे कुछ दलाल किस्म के स्वार्थी लोग सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं, जो चंद पैसों की खातिर इस कुसाधु के महापापों को छिपाने के षड्यंत्र रच रहे हैं।

भगवान महावीर की वाणी का अपमान: मंदसौर में चल रहे प्रवचनों का हो संपूर्ण बहिष्कार!

वर्तमान में यह कुसाधु मध्य प्रदेश के मंदसौर क्षेत्र में अपने पाखंड भरे प्रवचन चला रहा है। जिस पावन मंच से सत्य, अहिंसा और सदाचार के पाठ पढ़ाए





जाने चाहिए, वहां बैठकर यह व्यक्ति सामने बैठी भोली-भाली महिलाओं और श्रद्धालुओं को किस विकृत मानसिकता से देखता होगा, इस विचार मात्र से रोंगटे खड़े हो जाते हैं! जिस वक्ता का खुद का चरित्र दागदार और मलीन हो, वह समाज को क्या सही राह दिखा सकता है? समस्त जैन समाज और धर्म के प्रति निष्ठा रखने वाले हर एक व्यक्ति के लिए यह गहरी आत्मसमिक्षा और चेतावनी का पल है। जो शख्स संत परंपरा को कलंकित कर रहा है, उसे संरक्षण देने वाले हर एक चेहरे को बेनकाब करना अब समय की सबसे बड़ी मांग है।

जैन समाज की खुली हुंकार: अब खामोश रहने का दौर खत्म!

समस्त जैन समाज, युवा वाहिनी और धर्मप्रेमियों के नाम एक कड़ा और सीधा संदेश हैः

कड़ा बहिष्कार: जहां कहीं भी इस कुसाधु सागरचंद्र सागर के शिविर या प्रवचन आयोजित हों, वहां उसका पुरजोर विरोध करें और उसका पूर्ण बहिष्कार करें।

दान पर पूर्ण प्रतिबंध: ऐसे पाखंडियों और इनका समर्थन करने वाले संगठनों को एक भी रुपया दान या आर्थिक मदद के रूप में न दिया जाए।

भेष त्यागने का अल्टीमेटम: इस कुसाधु को तत्काल प्रभाव से साधु का पवित्र पहनावा उतार फेंकना चाहिए और एक आम इंसान की तरह जीवन बिताना चाहिए, क्योंकि इसे 'संत' कहना सच्चे संतों का अपमान है।



दलालों का सामाजिक बहिष्कार: जो ट्रस्टी या मीडिया मैनेजर्स (जैसे अभय चोपड़ा जैसे लोग) इस कुसाधु को बचाने के कुचक्र में शामिल हैं, उन्हें भी समाज से पूरी तरह दरकिनार किया जाए।

यदि हम अब भी आंखें मूंदकर चुपचाप बैठे रहे, तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। भगवान महावीर के निर्मल और पवित्र मार्ग को इस कलंक से मुक्त कराने के लिए अब हर जागरूक जैन को सड़क पर उतरकर इन पाखंडियों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करनी ही होगी!

जैन जगत की एकता रंग लाई: प्रवचनों में 50 लोग भी नहीं बचे, कुसाधु के उड़े होश!

मंदसौर और उसके आसपास के क्षेत्रों में जैन समाज अब पूरी तरह लामबंद हो चुका है। इस कुसाधु के पाखंड के खिलाफ ऐसा जनआक्रोश भड़का है कि इसके प्रवचन हॉल में आज बमुश्किल 50 लोग भी उपस्थित नहीं रह पा रहे हैं! जैन समाज को अपनी एकजुट ताकत दिखाने का यह ऐतिहासिक अवसर मिला है। इस आंदोलन को और तेज करें, इस कलंक को समाज की दहलीज से बाहर खदेड़ें और हमारी पवित्र साध्वियों तथा बेटियों के सम्मान की रक्षा करें!

हरणी इलाके में किराये के मकान में चल रहा था लाखों का जुआघर, पुलिस की छापेमारी में बड़ा खुलासा

देर रात पुलिस और अपराध शाखा की संयुक्त कार्रवाई,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। शहर के हरणी इलाके में एक किराये के मकान में गुपचुप तरीके से चल रहे जुआघर का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। सूचना के आधार पर स्थानीय पुलिस और अपराध शाखा की संयुक्त टीम ने देर रात मकान पर अचानक छापेमारी की। इस कार्रवाई से जुआ खेलने पहुंचे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने मौके से कई लोगों को पकड़ने के साथ लाखों रुपये का सामान जब्त किया है। जानकारी के अनुसार, हरणी इलाके के एक रिहायशी मकान में लंबे समय से बाहरी लोगों को बुलाकर जुआ खिलाया जा रहा था। मकान के बाहर से किसी को संदेह न हो, इसके लिए पूरी गतिविधि गोपनीय तरीके से संचालित की जा रही थी। पुलिस को सूचना मिली थी कि



इस मकान में कई लोग इकट्ठा होकर बड़ी रकम का जुआ खेल रहे हैं। इसके बाद पुलिस और अपराध शाखा की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। पुलिस के अचानक पहुंचते ही मकान में मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई। हालांकि पुलिस ने मकान को चारों तरफ से घेर लिया था, जिसके कारण अधिकांश लोग भागने में सफल नहीं हो सके। टीम ने मौके से जुआ खेल रहे कई लोगों को रंगे हाथों पकड़ लिया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने जुए की फड़ से नकदी, मोबाइल फोन और जुआ खेलने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री सहित लाखों रुपये का सामान जब्त किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि मकान विशेष रूप से जुआघर चलाने के उद्देश्य से किराये पर लिया गया था। यहां बाहरी लोग वाहनों से पहुंचकर जुआ खेलते थे। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अब पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि जुआघर का मुख्य संचालक कौन था और इस अवैध गतिविधि के पीछे अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि यह जुआघर कितने समय से संचालित हो रहा था।

निकोल में तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर का कहरः मां-बेटे को कुचलने से दोनों की मौत, कार से बीयर के 6 डिब्बे मिले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के पूर्वी क्षेत्र निकोल में देवस्य स्कूल के पास तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार ने सड़क से गुजर रहे मां-बेटे को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश फैल गया। हादसे के बाद दुर्घटनाग्रस्त कार की तलाशी लेने पर उसमें से बीयर के छह डिब्बे मिलने से मामला और गंभीर हो गया। जानकारी के अनुसार, निकोल के देवस्य स्कूल के नजदीक फॉर्च्यूनर कार तेज गति से गुजर रही थी। इसी दौरान चालक ने सड़क से जा रहे मां-बेटे को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। गंभीर चोटों के कारण दोनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस और स्थानीय लोगों ने दुर्घटना करने वाली कार की तलाशी ली तो उसके भीतर से बीयर के छह डिब्बे बरामद हुए। इससे चालक के शराब पीकर वाहन चलाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, हादसे के समय चालक नशे में था या नहीं, इसकी पुष्टि जांच रिपोर्ट से होगी। पुलिस ने कार चालक की पहचान विरल चौधरी के रूप में की है। उसके रक्त के नमूने लेकर फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) में जांच के लिए भेजे गए हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि दुर्घटना के समय उसने शराब का सेवन किया था या नहीं। इस दर्दनाक हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। लोगों ने स्कूल और रिहायशी इलाकों में तेज रफ्तार से वाहन चलाने तथा शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कानूनी जांच शुरू कर दी है।

एक लाख रुपये की रिश्वत लेते महिला सरपंच और तलाटी गिरफ्तार, एसीबी ने बिछाया जाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

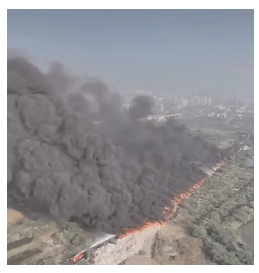
मेहसाणा। जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ अहमदाबाद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गमनपुरा गांव की महिला सरपंच और तलाटी को एक लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। दोनों पर एक व्यापारी से जमीन को गैर कृषि घोषित कराने और वाटर ट्रीटमेंट केमिकल इकाई के निर्माण की अनुमति से जुड़े दस्तावेज तैयार कराने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है। एसीबी की इस कार्रवाई से पंचायत व्यवस्था और स्थानीय प्रशासन में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता गमनपुरा गांव की सीमा में स्थित अपनी जमीन को गैर कृषि (एनए) करवाना चाहता था। इस जमीन पर उसे वाटर ट्रीटमेंट केमिकल इकाई का निर्माण करना था। इसके लिए पंचायत की मंजूरी और आवश्यक दस्तावेज तैयार कराने की प्रक्रिया चल रही थी। आरोप है कि गांव की महिला सरपंच मणिबेन ठाकोर और तलाटी सह मंत्री दीप्तिबेन पटेल ने इस काम के बदले शिकायतकर्ता से एक लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। रिश्वत देने के बजाय व्यापारी ने अहमदाबाद एसीबी से संपर्क किया और दोनों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत की जांच के बाद एसीबी की टीम ने मेहसाणा में जाल बिछाकर दोनों को पकड़ने की योजना बनाई। तय योजना के अनुसार, शिकायतकर्ता जब रिश्वत की रकम लेकर पहुंचा तो महिला सरपंच मणिबेन ठाकोर ने अपने हिस्से के 80 हजार रुपये और तलाटी दीप्तिबेन पटेल ने 20 हजार रुपये स्वीकार किए।

इसी दौरान पहले से तैनात एसीबी की टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनों को मौके पर ही रंगे हाथों पकड़ लिया। टीम ने गवाहों की मौजूदगी में रिश्वत की पूरी रकम जब्त कर ली। दोनों आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसीबी ने मामले में आगे की जांच शुरू कर दी है। इस कार्रवाई के बाद जिले में भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है।

खजोद डंपिंग साइट की भीषण आग पर उठे सवालः ठेका खत्म होने से चार दिन पहले लगी आग, साजिश की आशंका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। सूरत। शहर की ड्रीम सिटी और महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के नजदीक स्थित खजोद डंपिंग साइट पर लगी भीषण आग अब विवादों में घिरती जा रही है।



आग लगने की घटना के समय और परिस्थितियों को लेकर कई गंभीर सवाल उठ रहे हैं। खास बात यह है कि कचरे के निस्तारण और जैविक खनन का काम संभालने वाली ठेका एजेंसी का अनुबंध समाप्त होने में महज चार दिन शेष थे। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आग महज दुर्घटना थी या इसके पीछे कोई सुनियोजित साजिश थी। हालांकि, आग के कारणों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। जानकारी के अनुसार, सूरत महानगरपालिका ने खजोद डंपिंग साइट पर जमा कचरे के निस्तारण और जैविक खनन के लिए करोड़ों रुपये का ठेका दिया था। एजेंसी को निर्धारित समय सीमा में कचरे का प्रसंस्करण पूरा करना था। काम अधूरा रहने की स्थिति में जुर्माना लगाने और एजेंसी को काली सूची में डालने जैसी कार्रवाई का प्रावधान था। लेकिन अनुबंध समाप्त होने से ठीक चार दिन पहले डंपिंग साइट पर अचानक भीषण आग लग गई। आग की चपेट में हजारों टन कचरा आ गया और आसमान में दूर तक धुएं का गुबार फैल गया। इस घटना ने एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आशंका जताई जा रही है कि कहीं अधूरे काम और संभावित अनियमितताओं से जुड़े सबूत नष्ट करने के उद्देश्य से तो आग नहीं लगाई गई थी। हालांकि, यह फिलहाल केवल आशंका है, जिसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है। दूसरी ओर, आरोप है कि निर्धारित समय सीमा के बावजूद एजेंसी कचरे के निस्तारण का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई। जांच के बाद ही संभावित लापरवाही या साजिश की वास्तविकता सामने आ सकेगी।

अंतरराष्ट्रीय ड्रग माफिया सलीम डोला गुजरात एटीएस की गिरफ्त में, मिली बड़ी कामयाबी

वडोदरा के सिंधरोत में मिली थी 87.728 किलोग्राम एमडी ड्रग्स बनाने वाली अवैध फैक्ट्री, जांच में सामने आया था अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़ाव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) को बड़ी सफलता मिली है। वर्ष 2022 के बहुचर्चित एमडी ड्रग्स मामले में लंबे समय से फरार चल रहे अंतरराष्ट्रीय ड्रग माफिया सलीम डोला की अभिरक्षा गुजरात एटीएस को मिल गई है। जांच एजेंसियों से बचने के लिए विदेश में छिपे सलीम डोला के खिलाफ इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। उसकी गिरफ्तारी और अभिरक्षा मिलने से अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क से जुड़े कई अहम खुलासे होने की उम्मीद है। इस पूरे मामले की शुरुआत वर्ष 2022 में हुई थी। उस दौरान गुजरात एटीएस ने वडोदरा के नजदीक सिंधरोत इलाके में संचालित एमडी ड्रग्स बनाने की अवैध फैक्ट्री का पर्दाफाश किया था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से 87.728 किलोग्राम तैयार एमडी ड्रग्स बरामद की थी, जिसकी कीमत करोड़ों रुपये बताई गई थी। इसके अलावा नशीले पदार्थ बनाने में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल और प्रसंस्करण उपकरण भी जब्त किए गए थे। जांच को आगे बढ़ाने पर अंतरराष्ट्रीय ड्रग माफिया सलीम डोला का नाम सामने आया था। आरोप था कि वह विदेश में बैठकर भारत में नशीले पदार्थों के निर्माण और उनकी आपूर्ति के नेटवर्क को संचालित करने के साथ इस अवैध कारोबार के लिए आर्थिक मदद भी उपलब्ध करा रहा था। एजेंसियों की कार्रवाई से बचने के लिए देश से बाहर चले जाने के बाद उसके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। गुजरात एटीएस लगातार उसके नेटवर्क और गतिविधियों



पर नजर रख रही थी। अब कानूनी प्रक्रिया के बाद उसकी अभिरक्षा मिलने को जांच की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। सलीम डोला से पूछताछ के दौरान गुजरात और देश के अन्य हिस्सों में नशीले पदार्थों की आपूर्ति के रास्तों, स्थानीय स्तर पर जुड़े सहयोगियों और हवाला के जरिए होने वाले आर्थिक लेनदेन की जानकारी मिलने की संभावना है। साथ ही जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने का प्रयास करेंगी कि इस नेटवर्क में अन्य कौन-कौन लोग शामिल थे और इसका संचालन किन देशों से किया जा रहा था। इस कार्रवाई से अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी के नेटवर्क पर शिकंजा कसने की उम्मीद है।

पत्नी के नाम पर बीमा एजेंसी चलाने का आरोप, सरकारी कर्मचारियों पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायपुर। सरकारी कर्मचारियों द्वारा अपनी पत्नी के नाम पर बीमा एजेंसी का कोड लेकर कथित रूप से खुद बीमा कारोबार संचालित करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि शिक्षक, सहकारी समितियों के प्रबंधक और अन्य कर्मचारी ग्राहकों को पॉलिसी बेचने से लेकर दस्तावेज भरने तक का काम स्वयं करते हैं और प्रस्ताव पत्रों पर पत्नी के फर्जी हस्ताक्षर भी करते हैं। इससे न केवल सरकारी सेवा आचरण नियमों और बीमा नियामक के नियमों के उल्लंघन की आशंका जताई जा रही है, बल्कि बीमा क्षेत्र में रोजगार तलाश रहे बेरोजगार युवाओं के अवसर भी प्रभावित हो रहे हैं। आरोप है कि सरकारी कर्मचारियों पर ग्रामीणों के भरोसे का लाभ उठाकर वे पॉलिसियां हासिल कर लेते हैं, जिससे प्रशिक्षित और अधिकृत एजेंटों को काम नहीं मिल पाता। आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने मामले पर चिंता जताते हुए कहा कि फर्जी हस्ताक्षर और अनधिकृत तरीके से जारी पॉलिसियों के कारण भविष्य में ग्राहकों के बीमा दावों पर भी संकट आ सकता है। उन्होंने प्रशासन और बीमा कंपनियों से ऐसे मामलों की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई तथा संदिग्ध एजेंसी कोड निरस्त करने की मांग की है।

स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा में सीएमएचओ सख्त, लंबित कार्य जल्द पूरे करने के निर्देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खैरागढ़। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 31 अक्टूबर को जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में हुई बैठक में अप्रैल से अक्टूबर 2026 तक स्वास्थ्य विभाग की गतिविधियों और योजनाओं की प्रगति का आकलन किया गया। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया गया। गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, संस्थागत प्रसव, नियमित टीकाकरण तथा मातृ-शिशु मृत्यु के मामलों की समीक्षा की गई। अधिकारियों को मृत्यु के कारणों का विश्लेषण कर आवश्यक सुधार करने और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही आयुष्मान भारत कार्ड, वय वंदना योजना, टीबी एवं कुष्ठ उन्मूलन, गैर संचारी रोग नियंत्रण, बाल स्वास्थ्य, डायलिसिस, अंधत्व नियंत्रण और रोग निगरानी सहित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति पर चर्चा हुई। सीएमएचओ डॉ. शुक्ला और सिविल सर्जन डॉ. आशीष शर्मा ने अधिकारियों एवं मैदानी कर्मचारियों को पोर्टल पर लंबित प्रविष्टियां शीघ्र पूरी करने, आंकड़ों की शुद्धता बनाए रखने और समय पर रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पात्र हितग्राहियों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित निगरानी पर जोर दिया। बैठक में जिला एवं विकासखंड स्तर के चिकित्सा अधिकारी, कार्यक्रम नोडल अधिकारी और स्वास्थ्य केंद्रों के प्रभारी मौजूद रहे।



बनासकांठा के अमीरगढ़ में नकली सीमेंट बनाने की फैक्ट्री का खुलासा



महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठा। जिले के सीमावर्ती क्षेत्र अमीरगढ़ में नामी कंपनियों के नाम पर नकली सीमेंट तैयार कर बाजार में बेचने के कथित कारोबार का खुलासा हुआ है। आरोप है कि बिना वैध लाइसेंस और अनुमति के एक गोदाम में नकली सीमेंट बनाने और उसकी पैकिंग करने का काम चल रहा था। इस कार्रवाई के सामने आने के बाद निर्माण क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अमीरगढ़ क्षेत्र में एक गोदाम या फैक्ट्री में घटिया गुणवत्ता वाले पाउडर, राख और पुराने सीमेंट को मिलाकर नकली सीमेंट तैयार किया जा रहा था। इसके बाद तैयार मिश्रण को अदाणी सीमेंट, जेके लक्ष्मी सीमेंट और अल्ट्राटेक सीमेंट जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों के नाम वाली बोरियों में भरकर पैक किया जाता था। आरोप है कि इन बोरियों की छपाई इस तरह की जाती थी कि वे देखने में असली उत्पाद जैसी लगें। इसके बाद इस नकली माल को बाजार में असली सीमेंट की कीमत पर बेचकर ग्राहकों और निर्माण कार्य से जुड़े लोगों को ठगा जा रहा था। सीमेंट किसी भी इमारत की मजबूती और सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार होता है। ऐसे में यदि घटिया गुणवत्ता वाले सीमेंट का इस्तेमाल मकानों, पुलों या अन्य निर्माण कार्यों में किया जाता है तो उनकी मजबूती प्रभावित हो सकती है और भविष्य में गंभीर हादसों का खतरा पैदा हो सकता है। इस तरह की मिलावट से आम लोगों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ सकती है। गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिस और संबंधित विभागों की टीम ने गोदाम पर अचानक छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान वहां से नकली सीमेंट का बड़ा भंडार, नामी कंपनियों के नाम से छपी खाली बोरियां, सीमेंट मिश्रण करने के उपकरण और पैकिंग मशीनें जब्त किए जाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस ने मामले में कथित रूप से शामिल मुख्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि नकली सीमेंट की आपूर्ति किन क्षेत्रों में की गई और इस कारोबार में स्थानीय कारोबारियों या अन्य एजेंटों की क्या भूमिका रही। जब्त सामग्री और दस्तावेजों की जांच के बाद पूरे नेटवर्क का खुलासा होने की उम्मीद है।



एएसआई ने महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े जाने पर ग्रामीणों पर चलाई गोलियां, एक की मौत और तीन घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

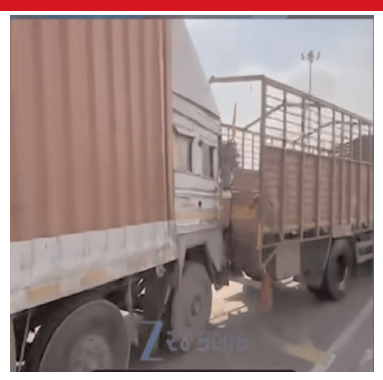


मधुबनी (बिहार)। बिहार के मधुबनी जिले में पुलिस की वर्दी को शर्मसार करने वाली सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां एक सहायक पुलिस उपनिरीक्षक (एएसआई) को एक महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में ग्रामीणों ने रंगे हाथों पकड़ लिया। इसके बाद ग्रामीणों के विरोध और घेराव से घबराए पुलिसकर्मी ने अपनी सरकारी रिवॉल्वर निकालकर उन पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। इस गोलीबारी में एक ग्रामीण की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, जिले के एक गांव में तैनात एएसआई रात के समय एक महिला के घर पहुंचा था। आरोप है कि वह वहां अपनी पद और पहचान का दुरुपयोग करते हुए महिला के साथ आपत्तिजनक गतिविधियों में शामिल था। इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों को उसकी गतिविधियों पर संदेह हुआ। जब ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो उन्होंने एएसआई को महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया। ग्रामीणों ने पुलिसकर्मी की इस हरकत का विरोध करते हुए उसे घेर लिया। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और स्थिति तनावपूर्ण हो गई। बताया जा रहा है कि ग्रामीणों के विरोध और पकड़े जाने के डर से एएसआई ने अपना आपा खो दिया। इसके बाद उसने अपनी सरकारी सर्विस रिवॉल्वर निकाल ली और ग्रामीणों पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। अचानक हुई गोलीबारी से गांव में अफरा-तफरी मच गई। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। गोली लगने से चार ग्रामीण घायल हो गए। इनमें से एक की अस्पताल ले जाते समय अथवा उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि तीन अन्य का अस्पताल में उपचार जारी है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। पुलिसकर्मी की इस हरकत को लेकर लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने आरोपी एएसआई के खिलाफ हत्या और हत्या के प्रयास सहित गंभीर धाराओं में कार्रवाई करने की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की। आरोपी एएसआई को हिरासत में लेने तथा निलंबित करने की कार्रवाई की जानकारी भी सामने आई है। इस घटना ने पुलिस की कार्यप्रणाली और आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

राजकोट की बेड़ी चौकड़ी पर बड़ा हादसा टला, आपस में भिड़े छह ट्रक

एक ट्रक सड़क के बीचोंबीच पलटा, हाईवे पर कई किलोमीटर तक लगा जाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो



राजकोट। शहर की व्यस्त बेड़ी चौकड़ी के पास छह भारी ट्रकों की आपस में भिड़ंत से भीषण सड़क हादसा हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक ट्रक सड़क के बीचोंबीच पलट गया। हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और कई किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में किसी की जान नहीं गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बेड़ी चौकड़ी के पास अचानक यातायात की गति अनियमित होने या वाहनों के बीच दूरी कम होने के कारण एक के बाद एक छह ट्रक आपस में टकरा गए। पीछे से तेज गति में आ रहे भारी वाहन आगे चल रहे ट्रकों के पिछले हिस्से में जा घुसे। टक्कर इतनी भीषण थी कि इनमें से एक ट्रक सड़क पर ही पलट गया। इससे ट्रक की चालक केबिन और उसके आसपास मलबा बिखर गया। हादसे के कारण मुख्य हाईवे का रास्ता अवरुद्ध हो गया। देखते ही देखते सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। नौकरी और कारोबार के सिलसिले में जा रहे लोगों के साथ मालवाहक वाहन भी काफी देर तक जाम में फंसे रहे। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और यातायात विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पलटे हुए ट्रक और क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने के लिए क्रेन की मदद ली गई। पुलिस और संबंधित टीमों ने सड़क से वाहनों को हटाकर यातायात सामान्य कराने का काम शुरू किया। छह भारी ट्रकों की भिड़ंत और एक ट्रक पलटने के बावजूद किसी प्रकार की जनहानि नहीं होना बड़ी राहत की बात रही। यदि इस दौरान कोई राहगीर या दोपहिया वाहन चालक चपेट में आ जाता तो हादसा और गंभीर हो सकता था। पुलिस ने दुर्घटना के संबंध में मामला दर्ज कर चालकों की लापरवाही सहित अन्य पहलुओं की जांच शुरू कर दी है।

बनासकांठा में फर्जी दस्तावेज बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश, चार नाबालिग पकड़े

लाखणी के कंप्यूटर सेंटर पर चल रहा था नकली आरसी बुक, अंकतालिका और प्राथमिक उपचार प्रमाणपत्र बनाने का धंधा; पुलिस ने 1.20 लाख रुपए का सामान जब्त किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठा। जिले के लाखणी क्षेत्र में वाव-थराद स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) पुलिस ने छापेमारी कर फर्जी सरकारी दस्तावेज बनाने के एक गिरोह का खुलासा किया है। हैरानी की बात यह है कि इस अवैध कारोबार को दसवीं कक्षा में अनुत्तीर्ण चार नाबालिग ऑनलाइन माध्यम और कंप्यूटर तकनीक की मदद से चला रहे थे। पुलिस ने कंप्यूटर सेंटर से करीब 1.20 लाख रुपए का सामान जब्त कर लाखणी थाने में मामला दर्ज किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि कंप्यूटर सेंटर पर ऑनलाइन लिंक और आधुनिक तकनीक का दुरुपयोग कर अलग-अलग प्रकार के फर्जी दस्तावेज तैयार किए जा रहे थे। इनमें वाहनों की नकली पंजीकरण पुस्तिका (आरसी बुक), बिहार के पटना बोर्ड की दसवीं कक्षा की फर्जी अंकतालिकाएं और सरकारी भर्ती में उपयोग होने वाले प्राथमिक उपचार के प्रमाणपत्र शामिल थे। आरोप है कि गिरोह की ओर से राज्य परिवहन निगम में परिचालक पद की भर्ती के लिए जरूरी सेंट जॉन एम्बुलेंस, वेरावल के नाम से फर्जी प्राथमिक उपचार प्रमाणपत्र भी तैयार कर बेचे जा रहे थे। इस तरह के दस्तावेजों के जरिए सरकारी प्रक्रियाओं और भर्ती व्यवस्था में धोखाधड़ी की आशंका जताई जा रही है। पूछताछ में दस्तावेजों के लिए अलग-अलग दर वसूलने की बात सामने आई है। फर्जी आरसी बुक बनाने के लिए 200 से 1,000 रुपए, दसवीं की अंकतालिका के लिए 15 हजार रुपए तक और प्राथमिक उपचार प्रमाणपत्र के लिए 2,500 रुपए तक लिए जाते थे। सूचना के आधार पर एलसीबी की टीम ने कंप्यूटर सेंटर पर अचानक दबिश दी। कार्रवाई के दौरान कंप्यूटर, प्रिंटर और अन्य उपकरणों सहित करीब 1.20 लाख रुपए का सामान जब्त किया गया। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इस पूरे मामले में केवल चार नाबालिग ही शामिल थे या उनके पीछे कोई अन्य व्यक्ति, एजेंट अथवा बड़ा गिरोह भी सक्रिय था। फर्जी दस्तावेजों के जरिए लोगों को ठगने और सरकारी भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी की आशंका को देखते हुए पुलिस ने जांच तेज कर दी है।

मोरबी में साइबर ठगी के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश, पांच आरोपी गिरफ्तार

22 बैंक खातों के जरिए दो साल में 7.26 करोड़ रुपए के संदिग्ध लेनदेन का खुलासा; किराए पर खाते लेकर साइबर ठगी की रकम घुमाने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो



मोरबी। गुजरात के मोरबी जिले में साइबर अपराध के खिलाफ कार्रवाई करते हुए साइबर क्राइम पुलिस ने बैंक खाते किराए पर लेकर करोड़ों रुपए के संदिग्ध लेनदेन करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मामले में पांच मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि गिरोह ने पिछले दो वर्षों के दौरान 22 अलग-अलग बैंक खातों का इस्तेमाल कर करीब 7 करोड़ 26 लाख रुपए के संदिग्ध लेनदेन किए। पुलिस जांच के अनुसार, गिरोह के सदस्य सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से गरीब तथा बेरोजगार लोगों को लालच देकर उनके नाम पर बैंक खाते खुलवाते थे। इसके अलावा कुछ लोगों के पहले से संचालित बैंक खाते भी किराए पर लिए जाते थे। बाद में इन खातों का नियंत्रण अपने हाथ में लेकर आरोपियों द्वारा देशभर में होने वाली साइबर ठगी की रकम जमा कराई जाती थी। आरोप है कि इन खातों का इस्तेमाल ऑनलाइन व्यापार के नाम पर होने वाली धोखाधड़ी और डिजिटल गिरफ्तारी जैसे साइबर अपराधों से प्राप्त रकम को ठिकाने लगाने के लिए किया जाता था। रकम को अलग-अलग बैंक खातों में स्थानांतरित करने के बाद नकदी, क्रिप्टोकरेंसी या हवाला के माध्यम से आगे भेजे जाने की आशंका है। इस तरह गिरोह साइबर ठगी करने वालों और उनके पैसों को आगे पहुंचाने वाले नेटवर्क के बीच कड़ी का काम कर रहा था। पकड़े गए आरोपियों के बैंक खातों की तकनीकी जांच में दो वर्षों के दौरान 22 खातों से 7.26 करोड़ रुपए के संदिग्ध लेनदेन सामने आए। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि यह रकम किन लोगों से प्राप्त हुई और किन राज्यों या अन्य स्थानों पर भेजी गई। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड, चेकबुक और बैंक पासबुक सहित अन्य संदिग्ध सामान जब्त किया है। पुलिस को आशंका है कि इस नेटवर्क से दूसरे राज्यों के साइबर अपराधी और अन्य लोग भी जुड़े हो सकते हैं। उनकी भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे लालच में आकर अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड या बैंक से जुड़े दस्तावेज किसी दूसरे व्यक्ति को इस्तेमाल के लिए न दें। ऐसे मामलों में खाताधारक भी गंभीर कानूनी कार्रवाई के दायरे में आ सकते हैं।

सूरत में फ्री फायर गेम के विवाद में दो किशोरों की हत्या, चाकू से किए ताबड़तोड़ वार

महानगर मेट्रो ब्यूरो



सूरत। शहर के नानपुरा मटन मार्केट इलाके में ऑनलाइन गेम फ्री फायर खेलने को लेकर शुरू हुआ विवाद दो किशोरों की हत्या तक पहुंच गया। दोस्त के झगड़े को शांत कराने और दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने पहुंचे 17 वर्षीय दो किशोरों पर चाकू से हमला कर उनकी जान ले ली गई। दोहरे हत्याकांड की इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नानपुरा मटन मार्केट क्षेत्र में कुछ युवक मोबाइल पर फ्री फायर गेम खेल रहे थे। इसी दौरान गेम खेलने को लेकर युवकों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और मामला मारपीट तक पहुंच गया। झगड़े के दौरान एक पक्ष के किशोर ने अपने साथियों को बुला लिया। इसी बीच दोनों मृतक किशोर अपने मित्र और दूसरे पक्ष के बीच विवाद सुलझाने के इरादे से वहां पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि समझौता कराने की कोशिश के दौरान हमलावरों ने दोनों किशोरों पर चाकू और अन्य धारदार हथियारों से हमला कर दिया। आरोपियों ने उन पर ताबड़तोड़ वार किए, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। हमले के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। गंभीर चोटों के कारण दोनों किशोरों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और तकनीकी जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए कानून के संघर्ष में आए तीन नाबालिगों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है। मोबाइल गेम खेलने के दौरान हुआ मामूली विवाद दो परिवारों के लिए कभी न भरने वाला दुख बन गया। इस घटना ने किशोरों में बढ़ती हिंसक प्रवृत्ति और छोटे विवादों के गंभीर परिणामों को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

नडियाद महानगरपालिका में विपक्ष ने उठाए सात सवाल, विकास कार्यों और फैसलों के दस्तावेज मांगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। महानगरपालिका की आगामी सामान्य सभा से पहले शहर की राजनीति गरमा गई है। विपक्ष के नेता हार्दिक भट्ट ने महानगरपालिका के कामकाज में पारदर्शिता और जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर सत्तापक्ष के सामने सात प्रमुख सवाल उठाए हैं। उन्होंने आगामी सामान्य सभा के एजेंडे में शामिल मुद्दों पर लिखित आपत्ति दर्ज कराते हुए संबंधित दस्तावेज और स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराने की मांग की है। हार्दिक भट्ट ने पिछले छह महीनों में कार्यकारी समिति की ओर से मंजूर किए गए सभी प्रस्तावों और जारी किए गए टेंडरों का ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग की है। इसके साथ ही महानगरपालिका में लागू किए गए नए नियमों और उनमें हुए बदलावों की प्रतियां भी मांगी हैं। विपक्ष ने ठोस कचरा प्रबंधन के उपनियमों और नडियाद से जुड़े दस गांवों में सफाई व्यवस्था की योजना पर भी सवाल उठाए हैं। भट्ट ने स्थायी समिति सहित अन्य समितियों में सामाजिक न्याय और उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की मांग की है। इसके अलावा नगर नियोजन योजना संख्या 5, 7, 8 और 11 में सड़कों तथा सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए की गई भूमि कटौती का वास्तविक विवरण सार्वजनिक करने को कहा है। विपक्ष ने भूखंड संख्या 197 के उपयोग में बदलाव का भी विरोध किया है। यह भूखंड स्कूल और खेल मैदान के लिए निर्धारित बताया गया है। विपक्ष ने सवाल उठाया है कि इसका उद्देश्य बदलने की जरूरत क्यों पड़ रही है। टेलीकॉम कंपनियों से वसूली जाने वाली फीस और केबल बिछाने के लिए सड़कें खोदने के बाद उनकी मरम्मत की जिम्मेदारी तय करने वाली नीति स्पष्ट करने की मांग भी की गई है। भट्ट ने महानगरपालिका बनने के बाद अगले पांच वर्षों के लिए विकास का मास्टर प्लान तैयार कर सार्वजनिक करने पर जोर दिया। यदि प्रशासन के पास छिपाने जैसा कुछ नहीं है तो दस्तावेज उपलब्ध कराने और चर्चा करने में आपत्ति क्यों होनी चाहिए? उन्होंने कहा कि महानगरपालिका का संचालन बहुमत के दम पर नहीं, बल्कि पारदर्शी और जवाबदेह व्यवस्था के तहत होना चाहिए। अब आगामी सामान्य सभा में इन मुद्दों पर सत्तापक्ष का क्या रुख रहता है, इस पर शहरवासियों की नजरें टिकी हैं।

राज्योत्सव में स्वास्थ्य जागरूकता स्टॉल बना आकर्षण का केंद्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खैरागढ़। राज्योत्सव 2026 में जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगाया गया जागरूकता स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहा। 'सशक्त नारी एवं युवा उड़ान' थीम पर आधारित इस स्टॉल में महिला एवं युवा स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, तंबाकू मुक्ति और स्वस्थ जीवनशैली से जुड़ी जानकारियां दी गईं। तंबाकू मुक्त युवा अभियान के तहत धूम्रपान के दुष्प्रभाव समझाने के लिए स्वस्थ और क्षतिग्रस्त फेफड़ों के थ्री-डी मॉडल प्रदर्शित किए गए। वहीं टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत बीमारी के लक्षण, जांच, बचाव और निःशुल्क उपचार की जानकारी दी गई। मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए तनाव, अवसाद और चिंता जैसी समस्याओं पर समय पर परामर्श लेने का संदेश दिया गया। स्टॉल पर महिलाओं और किशोरियों को पोषण, एनीमिया से बचाव तथा सुरक्षित मातृत्व संबंधी सेवाओं की जानकारी भी दी गई। इसके अलावा आयुष्मान भारत सहित विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं और निःशुल्क जांच एवं उपचार सेवाओं के बारे में बताया गया। की।

अहमदाबाद में मिठाइयों पर चांदी के नाम पर एल्यूमिनियम का इस्तेमाल, खाद्य सुरक्षा जांच में खुलासा

दिवाली पर बिक रही महंगी मिठाइयों की चमक के पीछे मिलावट का खेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। दिवाली के त्योहार पर मिठाइयों की खरीदारी करने वाले लोगों के लिए चौंकाने वाला मामला सामने आया है। मिठाइयों को आकर्षक दिखाने के लिए उन पर चढ़ाई जाने वाली चांदी की परत यानी वर्क के स्थान पर एल्यूमिनियम का इस्तेमाल किए जाने का खुलासा हुआ है। अहमदाबाद नगर निगम के खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच में यह गड़बड़ी सामने आने के बाद मिठाई कारोबार में मिलावट को लेकर सवाल उठने लगे हैं। आमतौर पर मिठाइयों पर लगी चमकदार परत को लोग खाने योग्य असली चांदी का वर्क मानते हैं। लेकिन आरोप है कि कुछ मिठाई विक्रेता और निर्माता मुनाफा बढ़ाने के लिए असली चांदी की जगह सस्ते एल्यूमिनियम के वर्क का इस्तेमाल कर रहे हैं। असली चांदी की कीमत अधिक होने के कारण उसकी जगह कम लागत वाली धातु का उपयोग किया जा रहा है। इससे उपभोक्ताओं को असली चांदी के नाम पर मिलावटी उत्पाद बेचे जाने की आशंका है। दिवाली को देखते हुए नगर निगम के खाद्य सुरक्षा विभाग ने शहर की मिठाई की दुकानों, नमकीन विक्रेताओं और गोदामों में जांच अभियान चलाया। इस दौरान संदिग्ध मिठाइयों और उन पर इस्तेमाल किए गए वर्क के नमूने लेकर प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेजे गए। जांच रिपोर्ट में कई मिठाइयों पर चांदी के बजाय एल्यूमिनियम की परत होने की बात सामने आई है। इनमें स्थानीय और ब्रांडेड मिठाइयां भी शामिल बताई गई हैं। खाद्य सुरक्षा से जुड़े विशेषज्ञों के अनुसार, खाद्य पदार्थों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री का निर्धारित मानकों के अनुरूप होना जरूरी है। गलत धातु का सेवन स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए त्योहारों के दौरान मिठाई खरीदते समय गुणवत्ता और विश्वसनीयता का विशेष ध्यान रखना चाहिए। लोगों को सलाह दी गई है कि वे संदिग्ध दुकानों से मिठाई खरीदने से बचें और गुणवत्ता को लेकर संदेह होने पर खाद्य सुरक्षा विभाग में शिकायत करें। त्योहार की खुशियों के बीच मिलावट का यह मामला उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गया है।

नगर निगम की टीम ने नमूने जांच के लिए भेजे; लोगों को सावधानी बरतने की सलाह

असली चांदी के नाम पर मिठाइयों में परोसा जा रहा एल्यूमिनियम, क्या त्योहार की मिठास में घुल रहा है जहर?

आबूरोड में रास्ते पर भंगार का सामान रखने से लोगों की परेशानी बढ़ी, आवागमन बाधित होने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड। शहर के आबकारी मोहल्ले में सार्वजनिक रास्ते पर भंगार का सामान रखे जाने को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। मोहल्लेवासियों ने आरोप लगाया है कि भंगार की दुकान संचालित करने वाला दुकानदार मुख्य रास्ते पर लोहा, प्लास्टिक और अन्य बेकार सामान रख देता है। इससे आम लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से दोपहिया और चारपहिया वाहनों को रास्ते से निकालने तथा घरों तक लाने-ले जाने में दिक्कत हो रही है। इस समस्या को लेकर आबकारी मोहल्ले के लोगों ने अधिशासी अधिकारी और थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर रास्ते से भंगार का सामान हटवाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि मुख्य रास्ता आमजन के आवागमन के लिए है, लेकिन वहां सामान रखे जाने से रास्ता बाधित हो रहा है। इससे मोहल्ले के निवासियों के साथ ही वहां से गुजरने वाले अन्य लोगों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। ज्ञापन में बताया गया कि स्थानीय लोगों ने कई बार दुकानदार को समझाकर रास्ते पर सामान नहीं रखने और पहले से रखा सामान हटाने के लिए कहा, लेकिन इसके बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हुआ।



रेलवे ने 12 ट्रेनों की समय-सारणी में किया बदलाव, 4 नवंबर से लागू होंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और रेल परिचालन से जुड़े कारणों को ध्यान में रखते हुए 12 ट्रेनों की समय-सारणी में आंशिक बदलाव किया है। इन ट्रेनों के मार्ग में आने वाले अलग-अलग रेलवे स्टेशनों पर उनके आगमन और प्रस्थान के समय में संशोधन किया गया है। नई समय-सारणी अलग-अलग तिथियों से लागू होगी। कुछ ट्रेनों के समय में बदलाव 4 नवंबर से प्रभावी होगा, जबकि अन्य ट्रेनों के लिए 9, 15 और 16 नवंबर की तारीख निर्धारित की गई है।उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार, यात्रियों को यात्रा से पहले संशोधित समय-सारणी की जानकारी अवश्य कर लेनी चाहिए, ताकि उन्हें स्टेशन पर ट्रेन के इंतजार में परेशानी न हो। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा की योजना बनाते समय संबंधित ट्रेन के नए समय की पुष्टि कर लें।संशोधित समय-सारणी के तहत गाड़ी संख्या 14701 श्रीगंगानगर-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस के समय में 4 नवंबर से बदलाव किया जाएगा। यह ट्रेन श्रीगंगानगर से अपने निर्धारित समय पर ही रवाना होगी, लेकिन रास्ते में आने वाले कई स्टेशनों पर इसके समय में आंशिक परिवर्तन रहेगा।



पंचायतीराज चुनाव तीसरे चरण में मकराना में समर्थकों के बीच मारपीट



महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में पंचायतीराज चुनाव के तीसरे चरण के तहत आज 27 जिला परिषदों और 116 पंचायत समितियों में मतदान कराया जा रहा है। चुनाव को लेकर सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की आवाजाही जारी है। इस चरण में जिला परिषदों के 377 वार्डों के लिए 1305 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, जबकि पंचायत समितियों के 2119 वार्डों में 7789 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। मतदान के दौरान प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों से विवाद और अप्रिय घटनाओं की खबरें भी सामने आई हैं। डीडवाना-कुचामन जिले की मकराना पंचायत समिति में मतदान के दौरान कांग्रेस और भाजपा प्रत्याशियों के समर्थकों के बीच विवाद हो गया। दोनों पक्षों के समर्थक एक-दूसरे पर फर्जी मतदान कराने के आरोप लगा रहे थे। इसी बात को लेकर कहासुनी बढ़ गई और देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडे चलने लगे। घटना के बाद मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों के लोगों से समझाइश कर मामला शांत करवाया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया। वहीं दौसा जिले की पालावास ग्राम पंचायत में मतदान के दौरान दुखद घटना सामने आई। यहां मतदान करने के लिए बूथ पर कतार में खड़े 65 वर्षीय हरगोविंद गुर्जर निवासी पाड़ली कलां की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उनकी स्थिति खराब होने पर मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना से मतदान केंद्र पर मौजूद लोगों में शोक का माहौल हो गया। प्रदेश में तीसरे चरण के मतदान के दौरान जहां बड़ी संख्या में प्रत्याशियों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है, वहीं मकराना में हुई ।

जोधपुर में शिक्षा विभाग के आदेशों में ही टकराव, दीपावली की छुट्टियों के बीच स्कूलों में गतिविधियां कराने के निर्देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो



जोधपुर। दीपावली की छुट्टियों को लेकर जोधपुर के सरकारी और निजी विद्यालयों में असमंजस की स्थिति बन गई है। शिक्षा विभाग की ओर से जारी दो अलग-अलग आदेशों के कारण शिक्षक और विद्यार्थी यह समझ नहीं पा रहे हैं कि छुट्टियों के दौरान स्कूलों में निर्धारित गतिविधियां किस तरह आयोजित की जाएंगी। एक ओर विभाग ने 4 नवंबर से 15 नवंबर तक दीपावली का अवकाश घोषित किया है, वहीं दूसरी ओर इसी अवधि के दौरान कुछ दिनों तक विद्यालयों में विशेष कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।जानकारी के अनुसार, शिक्षा विभाग ने विद्यालयों में दीपावली की छुट्टियों के लिए 4 से 15 नवंबर तक का कार्यक्रम निर्धारित किया है। इसके बावजूद विभाग की ओर से 1 से 7 नवंबर तक स्कूलों में 'ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह' आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। इस कार्यक्रम के तहत विद्यालयों में निर्धारित गतिविधियां आयोजित की जानी हैं। ऐसे में छुट्टियों और कार्यक्रम की तारीखों के बीच तालमेल को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। जोधपुर के मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, समग्र शिक्षा अभियान की ओर से 30 अक्टूबर को इस संबंध में आदेश जारी किया गया था। आदेश में सभी मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों को सरकारी और निजी विद्यालयों में ब्रिक्स सप्ताह का आयोजन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

जोधपुर में गहलोत पर भड़के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, बोले- किसानों को लूटते थे, खाद-बीज की दुकान में बेचते थे नकली माल

'मैं ब्रजवासी हूं, आप जो कहेंगे उसका पूरा जवाब दूंगा, कोई कसर नहीं छोड़ूंगा'; परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण को लेकर भी कांग्रेस पर साधा निशाना

महानगर मेट्रो ब्यूरो



जोधपुर। राजस्थान की राजनीति में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बीच जुबानी जंग तेज होती नजर आ रही है। मंगलवार को जोधपुर में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा और सभा के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गहलोत पर तीखा हमला बोला। उन्होंने गहलोत की पुरानी खाद-बीज की दुकान का जिक्र करते हुए किसानों के साथ धोखाधड़ी करने के आरोप लगाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गहलोत किसानों को लूटने का काम करते थे और खाद-बीज की दुकान पर नकली माल बेचते थे। उन्होंने यह भी कहा कि वे ब्रजवासी हैं और गहलोत की ओर से जो भी कहा जाएगा, उसका पूरा जवाब देंगे तथा जवाब देने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि अशोक गहलोत को किसानों के मुद्दे पर बोलने से पहले अपने पुराने कारोबार और कार्यकाल को भी याद करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि गहलोत की खाद-बीज की दुकान थी और उस समय किसानों को महंगे दामों पर सामान बेचकर उनका नुकसान किया जाता था। भजनलाल शर्मा ने कहा कि वे गहलोत की बातों का जवाब देने के लिए तैयार हैं। उनके इस बयान को गहलोत की ओर से हाल ही में मुख्यमंत्री के रिश्तेदारों को लेकर लगाए गए आरोपों के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है।

परिवारवाद और भ्रष्टाचार पर भी घेरा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस की राजनीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि पार्टी परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति करती है। उन्होंने कहा कि जब तक कांग्रेस परिवारवाद की राजनीति करती रहेगी, तब तक पार्टी को और राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर जनता से दूरी बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि राजनीति में परिवार को प्राथमिकता देने के बजाय आम लोगों और कार्यकर्ताओं को महत्व दिया जाना चाहिए। **गहलोत ने रिश्तेदारों को लेकर लगाए थे आरोप** दरअसल, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हाल ही में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लेकर बयान दिया था। गहलोत ने कहा था कि जब प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी थी, तब उन्होंने भजनलाल शर्मा को सलाह दी थी कि अपने रिश्तेदारों को सत्ता और सरकारी कामकाज से दूर रखें। गहलोत ने आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री के रिश्तेदार प्रमोद शर्मा का नाम पुलिस रिकॉर्ड में फरार व्यक्ति के रूप में दर्ज होने के बावजूद वे खुलेआम घूम रहे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया था कि नई सरकार के शपथ लेने के बाद उनके पुराने मामले बंद करवा दिए गए। गहलोत के इन आरोपों के बाद अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जोधपुर की सभा में उन पर पलटवार किया। मुख्यमंत्री ने खाद-बीज की दुकान और किसानों से जुड़े मुद्दों को उठाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री को घेरने की कोशिश की। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस की राजनीति पर भी सवाल खड़े किए।

जोधपुर में राजनीतिक बयानबाजी से बढ़ी हलचल

मुख्यमंत्री का यह कार्यक्रम भाजपा के 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत आयोजित किया गया था। पदयात्रा के बाद सभा में मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और पूर्ववर्ती सरकार की नीतियों पर निशाना साधा। गहलोत के रिश्तेदारों को लेकर दिए गए बयान के जवाब में भजनलाल शर्मा की टिप्पणी ने प्रदेश की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर और तेज कर दिया है। दोनों नेताओं की ओर से सामने आए बयानों के बीच अब राजनीतिक चर्चा इस बात पर केंद्रित है कि आने वाले दिनों में यह जुबानी जंग किस रूप में आगे बढ़ती है।

होटल में विदेशी मेहमानों के ठहराव का रिकॉर्ड गायब! थाई महिला की मौत के बाद भी नहीं चेता प्रबंधन, एफआरओ ने दर्ज कराया मुकदमा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



जयपुर। राजधानी जयपुर के होटलों में विदेशी नागरिकों के ठहराव और उनकी निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। चित्रकूट स्थित होटल एलोरा में थाईलैंड की एक महिला निर्धारित वीजा अवधि से अधिक समय तक ठहरी रही, लेकिन होटल प्रबंधन ने न तो पुलिस को इसकी सूचना दी और न ही अनिवार्य सी-फॉर्म भरकर उसका पंजीकरण कराया। विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी (एफआरओ) की जांच में नियमों की अनदेखी सामने आने के बाद महिला को हिरासत में लिया गया है। साथ ही होटल संचालक के खिलाफ चित्रकूट थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। हैरानी की बात यह है कि इसी होटल में पहले थाईलैंड की एक महिला की मौत का मामला भी सामने आ चुका है। इसके बावजूद विदेशी नागरिकों के ठहराव से जुड़े अनिवार्य नियमों की पालना नहीं की गई। अब एफआरओ की कार्रवाई के बाद होटल प्रबंधन की कार्यप्रणाली और विदेशी मेहमानों के रिकॉर्ड को लेकर सवाल उठने लगे हैं।सी-फॉर्म नहीं भरा, पंजीकरण भी नहीं करवायाएफआरओ धर्मेंद्र सागर के अनुसार, थाईलैंड की महिला नागरिक 19 अक्टूबर से होटल एलोरा में ठहरी हुई थी। नियमानुसार विदेशी नागरिक के होटल में ठहरने की जानकारी निर्धारित समय में ऑनलाइन सी-फॉर्म के माध्यम से संबंधित विभाग को देना अनिवार्य होता है, लेकिन होटल प्रबंधक विपिन माहेश्वरी ने ऐसा नहीं किया। जांच के दौरान एक और गंभीर लापरवाही सामने आई। होटल संचालक ने सी-फॉर्म भरने के लिए आवश्यक पंजीकरण तक नहीं करवा रखा था। यानी होटल में विदेशी नागरिकों को ठहराने के बावजूद उनके रिकॉर्ड और सूचना देने की अनिवार्य व्यवस्था पूरी नहीं की गई थी।

इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट-2025 के तहत कार्रवाई एफआरओ ने इस मामले को इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट-2025 का उल्लंघन मानते हुए होटल संचालक के खिलाफ चित्रकूट थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। वहीं, थाई महिला को हिरासत में लेकर मामले की जांच की जा रही है।इस कार्रवाई के बाद सवाल उठ रहा है कि राजधानी के अन्य होटलों में भी विदेशी नागरिकों के ठहराव का रिकॉर्ड और सी-फॉर्म की व्यवस्था नियमानुसार संचालित हो रही है या नहीं।

दीपावली से पहले टोंक में बड़ी कार्रवाई, 200 किलो संदिग्ध मावा पकड़ा

घंटाघर बाजार के दो प्रतिष्ठानों पर खाद्य सुरक्षा विभाग की दबिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो



टोंक। दीपावली के त्योहार से पहले मिलावटखोरों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत विभागीय टीम ने सोमवार देर रात अजमेर से टोंक लाया जा रहा करीब 200 किलो संदिग्ध मावा पकड़ा। यह मावा शहर के मुख्य बाजार घंटाघर स्थित दो प्रतिष्ठानों पर सप्लाई किया जाना था। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने दोनों प्रतिष्ठानों से मावे के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे। वहीं, गुणवत्ता संदिग्ध पाए जाने पर शेष करीब 200 किलो मावे को विक्रेता की सहमति से मौके पर ही नष्ट करवा दिया गया। कार्रवाई के बाद त्योहारी सीजन में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर विभाग की निगरानी और सख्त होने के संकेत मिले हैं।जानकारी के अनुसार, खाद्य सुरक्षा अधिकारी सत्यनारायण गुर्जर को सूचना मिली थी कि अजमेर से बस के माध्यम से बड़ी मात्रा में मावा टोंक पहुंचाया जा रहा है। सूचना में बताया गया था कि मावे की खेप शहर के बाजार में सप्लाई की जानी है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने अजमेर की ओर से आ रही बस पर नजर रखी और उसका पीछा किया। इसके बाद विभागीय टीम ने घंटाघर स्थित मुख्य बाजार में कार्रवाई की।टीम ने एवन मिष्ठान भंडार और सन कैफे एंड स्वीट पर उस समय कार्रवाई की, जब टेम्पो के माध्यम से मावे की चार गांठें उतारी जा रही थीं। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर मावे की खेप की जांच की और दोनों प्रतिष्ठानों से नमूने एकत्र किए।

निम्बाहेड़ा में 50 वर्षीय महिला की हत्या का खुलासा, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो



निम्बाहेड़ा (चित्तौड़गढ़)। जिले के सदर थाना क्षेत्र के उंखलिया गांव में करीब 50 वर्षीय महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। शुरुआती जांच में ब्लाइंड मर्डर नजर आ रही इस वारदात की गुत्थी पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर की सूचना और गहन पूछताछ के आधार पर सुलझाई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी ने महिला की हत्या करना स्वीकार किया है। पुलिस के अनुसार 31 अक्टूबर को फोन के माध्यम से सूचना मिली थी कि उंखलिया गांव में मितुलाल धाकड़ के नोहरा परिसर की ऊपरी मंजिल पर बने कमरे में रहने वाली लेहरी बाई उर्फ सीता बाई की किसी अज्ञात व्यक्ति ने हत्या कर दी है। सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी संजय शर्मा पुलिस जाब्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। वहां जांच के दौरान महिला कमरे में मृत अवस्था में मिली। उसके चेहरे पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए चित्तौड़गढ़ पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेंद्र सिंह जोधा और पुलिस उप अधीक्षक शिवप्रकाश टेलर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी संजय शर्मा ने पुलिस टीम के साथ जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले से जुड़े साक्ष्य जुटाए और आसपास के लोगों से जानकारी प्राप्त की। मृतका के परिजनों को घटना की सूचना दी गई। इसके बाद मृतका की पुत्रवधू इंद्रा उर्फ गीता निवासी धोरला, राजसमंद ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। जांच के दौरान पुलिस को मुखबिर से महत्वपूर्ण जानकारी मिली। इसमें सामने आया कि शंभूलाल भील नामक व्यक्ति का मृतका और उसके पास रहने वाली काली बाई के यहां लगातार आना-जाना था। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने शंभूलाल पर नजर रखनी शुरू की और उसकी गतिविधियों की निगरानी की। पुलिस के अनुसार 1 नवंबर को शंभूलाल भील उंखलिया से ससथल रोड की तरफ जाता हुआ दिखाई दिया। इसी दौरान उसकी नजर पुलिस पर पड़ी तो वह भागने लगा। उसकी संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए पुलिस टीम ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। इसके बाद उससे पूछताछ की गई, जिसमें पुलिस के मुताबिक उसने लेहरी बाई उर्फ सीता बाई की हत्या करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले में आगे की जांच शुरू कर दी है।

नरेश मीणा पुलिस की पकड़ से बाहर, सोशल मीडिया पर गिरफ्तारी की चुनौती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बारां। राजस्थान के बारां जिले के नाहरगढ़ में वनकर्मियों के साथ मारपीट के आरोप में पुलिस भगत सिंह सेना के प्रमुख नरेश मीणा की तलाश कर रही है। इसी सिलसिले में मंगलवार (3 नवंबर) सुबह पुलिस की टीम नरेश मीणा के नया गांव स्थित घर पहुंची और तलाशी ली। अचानक घर पर पुलिस की सर्च कार्रवाई से नरेश मीणा के पिता कल्याण सिंह मीणा नाराज हो गए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों के सामने अपनी आपत्ति जताते हुए कहा कि घर में बहन-बेटियां रहती हैं और इस तरह अचानक तलाशी लेने से परिवार के लोग दहशत में आ गए हैं। उन्होंने अधिकारियों से सवाल किया कि घर की तलाशी लेने से पहले परिवार की स्थिति और उसकी निजता का ध्यान क्यों नहीं रखा गया।पुलिस की इस कार्रवाई के बीच नरेश मीणा की ओर से सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट भी चर्चा में हैं। सोमवार रात उन्होंने एक वीडियो साझा कर दावा किया कि वह गांव में ही मौजूद हैं। उन्होंने पुलिस को खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि पुलिस उन्हें गिरफ्तार करना चाहती है तो आकर गिरफ्तार कर सकती है। उनके इस बयान के बाद मामले ने और तूल पकड़ लिया है। एक तरफ पुलिस उनकी तलाश में जुटी है, वहीं दूसरी तरफ नरेश मीणा सोशल मीडिया के जरिए अपनी मौजूदगी का दावा कर रहे हैं।मंगलवार सुबह नरेश मीणा की ओर से सोशल मीडिया पर एक और पोस्ट साझा किया गया।

राजस्थान हाईकोर्ट का बड़ा फैसला: दूसरे राज्यों के निजी वाहनों से 30 दिन बाद भी नहीं वसूल सकेंगे रोड टैक्स

महानगर मेट्रो ब्यूरो



जयपुर। राजस्थान में दूसरे राज्यों में पंजीकृत निजी वाहनों से 30 दिन से अधिक समय तक रहने पर एकमुश्त सड़क कर वसूलने की परिवहन विभाग की कार्रवाई को राजस्थान हाईकोर्ट ने अवैध करार दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी भी वाहन मालिक से कर वसूलने के लिए कानून के तहत वैध अधिसूचना जारी होना अनिवार्य है। ऐसी अधिसूचना के अभाव में परिवहन विभाग को न तो टैक्स लगाने का अधिकार है और न ही वाहन जब्त करने का। मुख्य न्यायाधीश संजय के. अग्रवाल और न्यायाधीश समीर जैन की खंडपीठ ने इस मामले में दायर 90 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए संबंधित चालान और टैक्स मांग पत्र निरस्त कर दिए। साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ताओं से पहले वसूली गई राशि 30 दिन के भीतर वापस लौटाने के निर्देश दिए हैं। इस फैसले से राजस्थान में दूसरे राज्यों से आने वाले निजी वाहन मालिकों को बड़ी राहत मिली है। याचिकाकर्ताओं की ओर से अदालत को बताया गया कि उनके निजी वाहन हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों में पंजीकृत हैं। इन वाहन मालिकों ने अपने-अपने राज्यों में पहले ही एकमुश्त या आजीवन सड़क कर जमा करा रखा है। इसके बावजूद राजस्थान में प्रवेश करने के बाद परिवहन विभाग के उड़नदस्तों और मोटर वाहन निरीक्षकों ने 30 दिन से अधिक समय तक वाहन रखने या चलाने का हवाला देकर उनसे दोबारा टैक्स की मांग की। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि विभाग की ओर से भारी भरकम टैक्स जमा कराने का दबाव बनाया गया। मुख्य मामले में तो वाहन मालिक पर 6.78 लाख रुपये तक टैक्स जमा कराने का दबाव डाला गया और वाहन भी जब्त कर लिए गए। इस कार्रवाई को चुनौती देते हुए वाहन मालिकों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा कि कानून के स्पष्ट प्रावधान के बिना किसी नागरिक से कर नहीं वसूला जा सकता। राज्य सरकार ने मालवाहक और यात्री वाहनों के संबंध में आवश्यक अधिसूचनाएं जारी की हैं, लेकिन दूसरे राज्यों में पंजीकृत निजी गैर-परिवहन वाहनों के लिए न तो टैक्स की दर निर्धारित करने वाली अधिसूचना जारी की गई और न ही ऐसी वसूली का कोई वैधानिक आधार प्रस्तुत किया गया। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल राजस्थान में 30 दिन से अधिक समय तक वाहन रहने के आधार पर परिवहन विभाग मनमाने ढंग से टैक्स की मांग नहीं कर सकता। जब तक इसके लिए कानून के अनुरूप अधिसूचना जारी नहीं होती, तब तक ऐसी वसूली और वाहन जब्ती की कार्रवाई को उचित नहीं ठहराया जा सकता।अपने फैसले में हाईकोर्ट ने राजस्थान की अतिथि सत्कार परंपरा का भी उल्लेख किया। अदालत ने कहा कि राजस्थान की संस्कृति 'अतिथि देवो भवः' और 'पधारो म्हारे देश' की रही है। ऐसे में प्रदेश में आने वाले पर्यटकों और अन्य राज्यों के नागरिकों का स्वागत किया जाना चाहिए, न कि कानून के विपरीत उनसे जबरन टैक्स वसूला जाना चाहिए। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद दूसरे राज्यों में पंजीकृत निजी वाहनों से सड़क कर वसूली को लेकर परिवहन विभाग की कार्रवाई पर कानूनी स्थिति स्पष्ट हुई है। साथ ही जिन याचिकाकर्ताओं से इस प्रकार राशि वसूली गई थी, उन्हें 30 दिन में पैसा लौटाने के निर्देश दिए गए हैं।

आबूरोड में सूने मकान का ताला तोड़कर जेवर चोरी, दो आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

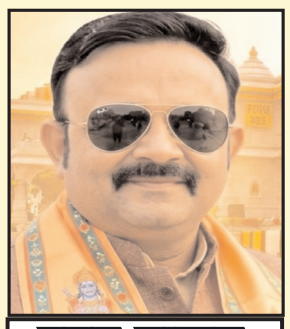


आबूरोड। शहर में सूने मकान का ताला तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण चोरी करने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं, मामले में शामिल एक विधि से संघर्षरत किशोर को पुलिस संरक्षण में लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों और किशोर के कब्जे से चोरी किए गए आभूषण बरामद कर लिए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच और आरोपियों से पूछताछ में जुटी है।पुलिस के अनुसार, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, मानपुर निवासी जीतू वैष्णव पुत्र किशोर दास ने 1 नवंबर को चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिवादी ने बताया कि 19 अक्टूबर को वह अपने पिता के साथ सब्जी मंडी गया हुआ था। इस दौरान उसकी मां और पत्नी नवरात्रि की पूजा के लिए अपनी बहन के घर गई हुई थीं। घर पर किसी के मौजूद नहीं होने का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने सुबह करीब 9:30 बजे मकान का ताला तोड़ दिया और अंदर रखे सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए।घटना की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने संदिग्धों की तलाश की और चोरी की वारदात में शामिल 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, एक विधि से संघर्षरत किशोर को भी पुलिस संरक्षण में लिया गया।पुलिस के मुताबिक, आरोपी दिन के समय सूने मकानों की रेकी करते थे

सम्पादकीय

सिस्टम नहीं, हमारी चैरिटी सड़ी हुई है!
दिवाली की मिठाइयों में नकली मावा और मिलावट का पाप हम कब धोएंगे?

दिवाली रोशनी का त्योहार है, उत्साह का त्योहार है और मुंह मीठा करने का मौका है। लेकिन रुककर सोचिए, क्या इस पवित्र त्योहार में हम जो मिठाइयां खा रहे हैं, वे सच में मीठी हैं या परिवार की सेहत के लिए 'धीमा ज़हर' हैं? हर दिन अखबारों और न्यूज़ चैनलों में फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट की रेड की खबरें आती हैं–कभी नकली मावा पकड़ा जाता है, कभी सिंथेटिक दूध या चांदी के नाम पर एल्युमिनियम फॉयल पकड़ा जाता है। हम सिस्टम को कोसते हैं और मान लेते हैं कि 'सरकार क्या कर रही है?' लेकिन कड़वा सच यह है कि सिस्टम या सरकार गलत नहीं है, गलत तो हमारी अपनी सोच और चैरिटी है! यह पाप दशकों से चल रहा है और हम ही हैं जो इसे जाने देते हैं।



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

मिलावट मावे में नहीं, हमारी चैरिटी में है!

जब आप बाज़ार में काजू खरीदने जाते हैं, तो सवाल उठता है कि भाई, इसमें काजू कम और मूंगफली या मूंगफली का पाउडर ज़्यादा क्यों है? मावा के नाम पर बिकने वाले प्रोडक्ट्स में गंदी, बासी और सड़ी हुई चीज़ों का मिक्सचर होता है। दुकान में मिठाइयाँ देखने में सुंदर और आकर्षक लगती हैं, लेकिन जैसे ही आप उन्हें मुँह में डालते हैं, आपका गला बंद हो जाता है, आपको खांसी आती है या आपका गला अटक जाता है–लगभग हम सभी ने कभी न कभी ऐसा अनुभव किया होगा। फिर भी हम चुप रहते हैं। क्यों? क्योंकि हमें सस्ता चाहिए!

दिखावटी रिश्ते और सस्ती चीज़ों का क्रेज़

आजकल रिश्ते भी एक 'फॉर्मैलिटी' बन गए हैं। चाहे ऑफिस में गिफ्ट देना हो, दूर के रिश्तेदारों को बॉक्स भेजना हो या सोशल स्टेटस बनाए रखना हो; हमें हर जगह 'सस्ता और ज़्यादा' चाहिए। एक ही दुकान में एक जैसी दिखने वाली मिठाइयों के दो अलग-अलग दाम क्यों होते हैं? एक बॉक्स 600 रूपये प्रति किलो मिलता है और दूसरी क्वालिटी उसके बगल में 1200 रूपये प्रति किलो बिकती है। इस असमानता का जवाब हर समझदार इंसान जानता है। 600 रुपये की मिठाई में असली काजू का पेस्ट कहाँ से आता है? वहाँ तो गैर-कानूनी और अंडरग्राउंड फैक्ट्रियों का वही ज़हरीला पेस्ट इस्तेमाल होता है जो गरीब और आम लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ करता है। सस्तेपन के पागलपन में हम खुद ही जान-बूझकर ज़हर खरीदकर घर ले आते हैं। सिस्टम को सूफी सलाह की नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण की ज़रूरत है। हम हमेशा सिस्टम को लंबी-लंबी सलाह देते हैं कि छापे बढ़ाओ, कानून सख्त करो। अरे भाई! जब तक हम कंज्यूमर के तौर पर खरीदने का तरीका नहीं बदलेगा, कोई भी सिस्टम इस पाप को नहीं रोक सकता। ऐसे गंदे बिजनेसमैन खुलेआम खेलते हैं क्योंकि उन्हें पता है कि 'हमारे देश में सस्ता दोगे तो कंज्यूमर की कमी नहीं होगी।' एक पवित्र त्योहार के नाम पर इस बिजनेस से अनजान रहकर हम अपने ही बच्चों और परिवारों की जान से खेल रहे हैं। अब समय आ गया है कि सूफी सलाह देना बंद करो और सीधे और असली सवाल पूछो। सस्तेपन की आड़ में ज़हर खरीदना बंद करो, नहीं तो यह धीमा ज़हर किलो में नहीं, बल्कि धीरे-धीरे एक पूरी पीढ़ी की सेहत खराब कर देगा। वरना, 'गंदे धंधे पे धंधा है ये' वाली सोच के साथ जीने वालों को शायद कोई फर्क न पड़े, लेकिन सवाल यह है कि क्या आप अपने परिवार को यह ज़हर खिलाना चाहते हैं? फैसला आपका है!

इतिहास के पन्नों से उठी हुंकार: 'केशोद एयरपोर्ट' का नाम 'वीर देवायत आपा बोदर एयरपोर्ट' करने की मांग ने पकड़ा जोर; केंद्र और राज्य सरकार को भेजा गया ज्ञापन!

गुजरात की वीर भूमि जूनागढ़ केवल अपने जंगलों, बब्बर शेरों और गिरनार की पर्वत श्रृंखलाओं के लिए ही नहीं जानी जाती, बल्कि यह धरती गवाह रही है इतिहास के उन अमर बलिदानों की, जिनकी मिसाल पूरी दुनिया के इतिहास में ढूंढने से भी नहीं मिलती। इसी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को एक बार फिर राष्ट्रीय पटल पर गौरव दिलाने के लिए गुजरात में एक बहुत बड़ी मांग ने तूल पकड़ लिया है। जूनागढ़ जिले के ऐतिहासिक केशोद एयरपोर्ट का नामकरण क्षत्रिय अहीर समाज के गौरव, शौर्य, वचनबद्धता और अद्वितीय बलिदान के पर्याय 'वीर देवायत आपा बोदर' के नाम पर करने की मांग को लेकर प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है।

गुजरात अहीर रेजिमेंट जागरूकता अभियान के पुरधा एवं भारतीय समाज सेवा संघ के प्रदेश युवा अध्यक्ष, आहीर भावेश सोलंकी (गांवः वडनगर, तहसीलः कोडिनार, जिलाः गिर-सोमनाथ) द्वारा भारत सरकार (नागर विमानन मंत्रालय) तथा गुजरात राज्य सरकार के समक्ष आधिकारिक रूप से लिखित ज्ञापन प्रस्तुत किया गया है।

इतिहास का वह स्वर्णिम अध्यायः जब राजधर्म के आगे फिका पड़ गया पुत्र-मोह

ज्ञापन में उस ऐतिहासिक घटनाक्रम का विस्तृत उल्लेख किया गया है, जिसे सुनकर आज भी सुनने वाले के रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

राजवंश की रक्षा का संकल्पः जूनागढ़ के तत्कालीन राजा रा' डियास की निर्दयतापूर्वक हत्या के बाद, राजवंश के अंतिम चिराग यानी राजकुमार रा' नवघण के प्राण संकट में थे। इतिहास और लोकमान्यता के अनुसार, रानी सोमलदे की विश्वासी वालबाई राजकुमार को सुरक्षित निकालकर अहीर देवायत आपा बोदर की शरण में लेकर पहुंचीं।

पुत्र समान पालन-पोषणः देवायत आपा और उनकी धर्मपत्नी सोनलबाई ने अपनी जान की परवाह न करते हुए राजकुमार रा' नवघण को अपने घर में शरण दी। उन्होंने राजकुमार को अपने सगे इकलौते पुत्र 'उगा' के साथ एक समान पाला-पोसा और मन ही मन संकल्प लिया कि वे जूनागढ़ की राजगद्दी पर रा' नवघण को पुनः स्थापित करेंगे।

अग्निपरीक्षा और खौफनाक आदेशः जब तत्कालीन सोलंकी शासक को यह भनक लगी कि राजकुमार रा' नवघण जीवित है और देवायत आपा की देखरेख में पल रहा है, तब देवायत आपा की वफादारी की परीक्षा लेने का षड्यंत्र रचा गया। सोलंकी शासक ने आदेश दिया कि देवायत आपा स्वयं अपने हाथों से राजकुमार का सिर कलम करके दरबार में पेश करें।

इतिहास का सबसे बड़ा त्यागः उस क्षण देवायत आपा और सोनलबाई के सामने एक तरफ पुत्र-मोह था और दूसरी तरफ मातृभूमि की रक्षा, वचन और राजधर्म। देवायत आपा ने तनिक भी संकोच नहीं किया। उन्होंने अपने सगे पुत्र 'उगा' को राजकुमार रा' नवघण के वस्त्र पहनाए और भरे दरबार में अपने ही हाथों अपने इकलौते बेटे की बलि चढ़ा दी। माता सोनलबाई ने भी सीने पर पत्थर रखकर, अपनी आंखों के सामने अपने कलेजे के टुकड़े को न्योछावर होते देखा, लेकिन अपने मुख से एक चीख तक नहीं निकलने दी ताकि राजकुमार की पहचान उजागर न हो।

इसी महान बलिदान के वर्षों बाद देवायत आपा ने क्षत्रिय अहीर योद्धाओं की सेना को संगठित किया, सोलंकी सत्ता के खिलाफ बिगुल फूंका और युद्ध लड़कर राजकुमार रा' नवघण को जूनागढ़ की राजगद्दी पर पुनः प्रतिष्ठित किया।

लोकमानस में आज भी अमर हैं ये पंक्तियां

देवायत आपा बोदर के इस महान योगदान की गूंज आज सदियों बाद भी गुजरात के लोक साहित्य और कहावतों में रची-बसी हैः

'रा' ने राखनार देवायत आपा बोदर। '
'रा' ना रखोपां देवायत ना दरबार मां। '

गिर-सोमनाथ जिले के बोडिदर गांव में आज भी वीर देवायत आपा का मंदिर स्थापित है, जो न केवल अहीर समाज बल्कि समूचे गुजरात की लोकआस्था, श्रद्धा और ऐतिहासिक स्मृति का केंद्र है।

ज्ञापन में क्या मांगें रखी गई?

आहीर भावेश सोलंकी ने अपने ज्ञापन के माध्यम से सरकार का ध्यान खींचते हुए निम्नलिखित मुख्य मांगें रखी हैं:

1. **आधिकारिक नामकरणः** केशोद एयरपोर्ट का नाम तुरंत प्रभाव से 'वीर देवायत आपा बोदर एयरपोर्ट' रखा जाए।
2. **दस्तावेजों की जांचः** इस ऐतिहासिक संदर्भ से जुड़े सभी प्रमाणों और ऐतिहासिक दस्तावेजों की त्वरित जांच कर नामकरण की कानूनी एवं प्रशासनिक प्रक्रिया शुरू की जाए।
3. **राष्ट्रीय पहचानः** जिस महापुरुष ने अपनी मातृभूमि के लिए अपना वंश होम कर दिया, उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर वह सम्मान दिया जाए जिसके वे सही हकदार हैं।



क्यों आवश्यक है यह नामकरण? (संपादकीय दृष्टिकोण)

ऐतिहासिक श्रद्धांजलिः केशोद एयरपोर्ट का नाम वीर देवायत आपा के नाम पर होने से इस अमर बलिदान को देश-विदेश से आने वाले यात्रियों के सामने एक नई और राष्ट्रीय पहचान मिलेगी।

संस्कृति और विरासत का संवर्धनः यह कदम गुजरात की गौरवशाली और समृद्ध ऐतिहासिक विरासत को विश्व पटल पर स्थापित करेगा।

भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणाः आज के आधुनिक युग में त्याग, शौर्य, वचनबद्धता और राष्ट्र के प्रति निःस्वार्थ समर्पण का जो पाठ वीर देवायत आपा ने पढ़ाया था, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बनेगा।

कोई भी ग्रुप अनिश्चित काल तक प्रोटेस्ट साइट पर कब्ज़ा नहीं कर सकताः हर नागरिक को प्रोटेस्ट करने का अधिकार है, लेकिन पब्लिक जगहों को ब्लॉक करने का नहीं - सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक और मार्मिक फैसला

देश की सबसे बड़ी अदालत सुप्रीम कोर्ट ने पब्लिक सड़कों, चौराहों या प्रोटेस्ट की जगहों पर हमेशा या हमेशा के लिए कब्ज़ा करने के खिलाफ बहुत सख्त और साफ रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम और ऐतिहासिक फैसले में साफ कहा है कि कोई भी खास ग्रुप या ऑर्गनाइजेशन अनिश्चित काल तक प्रोटेस्ट साइट पर एकाधिकार या कब्ज़ा नहीं कर सकता। प्रोटेस्ट करना हर नागरिक का डेमोक्रेटिक और फंडामेंटल राइट है, लेकिन इसके नाम पर पब्लिक जगहों को हमेशा के लिए ब्लॉक करना या आम लोगों को परेशानी में डालना बिल्कुल भी सही नहीं है। प्रोटेस्ट करने का अधिकार है, लेकिन आम लोगों के अधिकारों का उल्लंघन नहीं होना चाहिएः कोर्ट की लाल आंख देश भर में चल रहे अलग-अलग आंदोलनों और धरनों के बीच सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी काफी अहम साबित हो रही है। कोर्ट ने कहा कि डेमोक्रेसी में संविधान ने हर नागरिक और ऑर्गनाइजेशन को सरकार के खिलाफ आवाज उठाने और शांति से प्रोटेस्ट करने का अधिकार दिया है। यह अधिकार छीना नहीं जा सकता, लेकिन इस अधिकार का इस्तेमाल करते हुए लाखों दूसरे आम नागरिकों के अधिकारों और आज़ादी का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। घंटों या हफ़्तों तक सड़कों और पब्लिक जगहों को ब्लॉक करने से ट्रैफिक जाम होता है, इमरजेंसी सर्विस रुकती हैं और बिज़नेस और रोज़गार को बहुत नुकसान होता है, जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

पब्लिक स्पेस पर परमानेंट दबाव के खिलाफ़ ज्यूडिशियरी की साफ़ चेतावनी

पहले कुछ हाई-प्रोफ़ाइल प्रोटेस्ट और सिट-इन पर ध्यान देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि प्रोटेस्ट के लिए खास जगहें तय होती हैं, लेकिन किसी भी ऑर्गनाइज़ेशन या कम्युनिटी का लंबे समय तक या अनिश्चित समय के लिए पब्लिक स्पेस पर कब्ज़ा करना कानूनी तौर पर सही नहीं है। अगर हर ग्रुप अपने मतलब के लिए सड़कें ब्लॉक करने लगेगा, तो देश का सिस्टम खत्म हो जाएगा। कोर्ट के इस सख्त रुख से अब परमानेंट प्रोटेस्ट चलाने वाले लोगों में नाराज़गी फैल गई है।

डेमोक्रेसी की मज़बूती और कानून के राज के लिए बैलेंस ज़रूरी है

सुप्रीम कोर्ट के इन निर्देशों से यह साफ़ मैसेज जाता है कि डेमोक्रेसी में बोलने की आज़ादी जितनी ज़रूरी है, देश में कानून-व्यवस्था बनाए रखना भी उतना ही ज़रूरी है। प्रदर्शनकारियों को यह समझना होगा कि उनका विरोध सरकार के खिलाफ होना चाहिए, लेकिन इससे आम लोगों की परेशानियां नहीं बढ़नी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के इस तेज और दूर की सोच वाले फैसले ने देश में विरोध की सीमाओं और आम नागरिकों के अधिकारों के बीच एक मजबूत लाइन खींच दी है।

गांवों की खोई हुई शाम और शहरों की भागदौड़: आखिर कहां खो गया हमारा बचपन!

एक दौर था, जब गांवों की शाम केवल दिन के समाप्त होने का संकेत नहीं होती थी, बल्कि जीवन के सबसे खूबसूरत और यादगार पलों की शुरुआत हुआ करती थी। सूर्य ढलते ही गांव की गलियों में बच्चों की चहल-पहल बढ़ जाती थी। कहीं कंचों की खनक सुनाई देती थी तो कहीं गिल्ली-डंडा खेलने की आवाजें गूंजती थीं। कोई छुपन-छुपाई में छिपा होता था तो कहीं कबड्डी और खो-खो की टीमें जीत के लिए पूरा दम लगाती थीं। घरों के बाहर बने ओटलों पर बुजुर्गों की महफिलें सजती थीं। कोई दिनभर की खेती-बाड़ी की चर्चा करता, कोई पुराने किस्से सुनाता तो कोई गांव के सुख-दुख और आने वाले दिनों की योजनाओं पर बातचीत करता था। घरों के आंगन में परिवार के सदस्य एक साथ बैठते और दिनभर की बातें साझा करते थे। उस समय भले ही आर्थिक संसाधन सीमित थे, लेकिन रिश्तों, भावनाओं और अपनत्व की समृद्धि किसी बड़े खजाने से कम नहीं थी। आज समय तेजी से बदल चुका है। गांव भी आधुनिकता की राह पर आगे बढ़ रहे हैं। पक्की सड़कें, बड़े मकान, मोटरसाइकिलें, कारें, मोबाइल फोन, इंटरनेट और आधुनिक सुविधाएं अब ग्रामीण जीवन का हिस्सा बन चुकी हैं। इन बदलावों ने निश्चित रूप से लोगों की जिंदगी को आसान बनाया है। अब दूर बैठे रिश्तेदारों से कुछ ही क्षणों में बात हो जाती है, खेती-किसानी से जुड़ी जानकारी मोबाइल पर मिल जाती है और शिक्षा तथा रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध हो रहे हैं। लेकिन इस विकास के साथ एक ऐसा बदलाव भी आया है, जिसने गांवों की पारंपरिक जीवनशैली की मिठास को धीरे-धीरे कम कर दिया है। कभी जिन गलियों में बच्चों की हंसी गूंजती थी, वहां अब पहले जैसी रौनक दिखाई नहीं देती। जिन ओटलों पर शाम होते ही लोगों की बैठक जमती थी, वे अब कई जगह सूने नजर आते हैं। आमने-सामने बैठकर बातचीत करने की जगह मोबाइल की स्क्रीन ने ले ली है। एक समय था, जब बच्चों के बचपन को खुशियों से भरने के लिए महंगे खिलौनों और आधुनिक उपकरणों की जरूरत नहीं होती थी। मिट्टी के मैदान ही उनके खेल का संसार हुआ करते थे। कंचे, गिल्ली-डंडा, लुका-छिपी, कबड्डी, खो-खो, पिट्ठू और रस्सी कूद जैसे खेलों में पूरा बचपन बीत जाता था। शाम होते ही बच्चे घरों से बाहर निकल पड़ते थे और दोस्तों के साथ खेलते-खेलते कब अंधेरा हो जाता, इसका पता ही नहीं चलता था। खेल में हारने पर नाराजगी होती थी तो जीतने पर खुशी का ठिकाना नहीं रहता था। कभी छोटी-सी बात पर दोस्ती टूट जाती थी तो अगले ही दिन फिर साथ खेलना शुरू हो जाता था। इन खेलों ने बच्चों को केवल मनोरंजन ही नहीं दिया, बल्कि मिल-जुलकर रहने, अनुशासन, सहयोग, धैर्य और हार-जीत को स्वीकार करने की सीख भी दी। आज बच्चों के हाथों में मोबाइल फोन हैं। वे घर बैठे ही तरह-तरह के खेल खेल सकते हैं और दुनिया भर की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। तकनीक अपने आप में बुरी नहीं है, बल्कि उसका सही उपयोग बहुत लाभकारी हो सकता है। चिंता तब बढ़ती है, जब बच्चे घंटों मोबाइल और इंटरनेट की दुनिया में खोए रहते हैं। खुले मैदान में दौड़ना, दोस्तों के साथ खेलना, पेड़ों की छांव में बैठना और प्रकृति के करीब रहना उनके जीवन से दूर होता जा रहा है। बचपन की वह शारीरिक सक्रियता और सामूहिक खेलों का आनंद अब मोबाइल की आभासी दुनिया में सिमटता दिखाई देता है। जरूरत इस बात की है कि बच्चों को तकनीक से दूर करने के बजाय उसके संतुलित उपयोग के साथ खेलकूद और बाहरी गतिविधियों के लिए भी प्रेरित किया जाए। गांवों की असली पहचान केवल खेतों, खलिहानों, गलियों और मकानों से नहीं होती, बल्कि वहां रहने वाले लोगों के आपसी प्रेम, सहयोग और आत्मीयता से होती है। गांव में किसी परिवार के घर शादी या कोई मांगलिक कार्यक्रम होता था तो पूरा गांव उसमें शामिल होता था। किसी के घर खुशी आती तो पड़ोसी भी उसे अपनी खुशी समझते थे। किसी परिवार पर संकट आता या कोई बीमार पड़ता तो लोग बिना बुलाए मदद के लिए पहुंच जाते थे। खेतों में काम हो, घर में आयोजन हो या किसी जरूरतमंद को सहायता की आवश्यकता हो, गांव के लोग एक-दूसरे के साथ खड़े रहते थे। रिश्तों को निभाने के लिए औपचारिक निमंत्रण की जरूरत नहीं पड़ती थी। एक-दूसरे के घर आना-जाना सामान्य बात थी। किसी के घर चाय पीना, बच्चों का पड़ोस में खेलना और बुजुर्गों का एक-दूसरे के हालचाल पूछना ग्रामीण जीवन की सहज परंपरा थी। अब धीरे-धीरे यह सामूहिकता कमजोर पड़ती दिखाई दे रही है। लोगों के पास संपर्क के अनेक साधन हैं, लेकिन मिलने-जुलने के लिए समय कम होता जा रहा है। मोबाइल में सैकड़ों नंबर और सामाजिक माध्यमों पर हजारों परिचित हो सकते हैं, लेकिन जरूरत के समय साथ बैठकर बात करने वाले लोगों की संख्या सीमित होती जा रही है। जन्मदिन और त्योहारों की शुभकामनाएं संदेशों के माध्यम से भेज दी जाती हैं, लेकिन घर जाकर हालचाल पूछने की परंपरा कम हो रही है।



लेखक : रूपेश सोलंकी, भचाऊ, कच्छ

एसबीआई का मुनाफा 14 प्रतिशत बढ़कर 23,038 करोड़ रुपये पहुंचा

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने सितंबर तिमाही में शानदार वित्तीय प्रदर्शन किया है। बैंक को इस दौरान 23,038 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 20,160 करोड़ रुपये के मुकाबले करीब 14 प्रतिशत अधिक है। बैंक का यह परिणाम बाजार के जानकारों के अनुमान से भी बेहतर रहा। विश्लेषकों ने बैंक के मुनाफे के करीब 22,860 करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया था। बैंक की कमाई में बढ़ोतरी का प्रमुख आधार कर्ज पर मिलने वाला ब्याज रहा। सितंबर तिमाही में ब्याज से होने वाली शुद्ध आय बढ़कर 49,142 करोड़ रुपये पहुंच गई, जो पिछले साल की समान अवधि के 42,847 करोड़ रुपये से करीब 15 प्रतिशत अधिक है। इससे बैंक की मुख्य आय में मजबूती का संकेत मिला है। बैंक की वित्तीय स्थिति के साथ कर्ज की वसूली में भी सुधार दर्ज किया गया है। सितंबर तिमाही में शुद्ध फंसा हुआ कर्ज घटकर 0.36 प्रतिशत रह गया, जबकि इससे पिछली तिमाही में यह 0.38 प्रतिशत और पिछले वर्ष की समान तिमाही में 0.42 प्रतिशत था। इससे स्पष्ट है कि बैंक के कुल कर्ज में से वापस नहीं मिलने वाली राशि का अनुपात कम हुआ है। बेहतर नतीजों का असर बैंक के शेयर पर भी दिखाई दिया। बढ़ती ब्याज आय और घटते फंसे हुए कर्ज ने उसकी वित्तीय मजबूती को दर्शाया है।

आज का राशिफल

(बुधवार) 04 नवम्बर 2026

मेष – आज का दिन आपके लिए आर्थिक लाभ के नए अवसर लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में टीमवर्क का पूरा फायदा मिलेगा और साझेदारी के कामों में साझेदारों से सहयोग प्राप्त होगा।

वृषभ – परिजनों की सलाह आपके काम आएगी। भवन और वाहन से जुड़े मामलों में सकारात्मक प्रगति के संकेत हैं।

मिथुन – आपका आत्मविश्वास मजबूत रहेगा। प्रबंधन और कारोबारी गतिविधियों में सहयोगियों का भरपूर साथ मिलेगा।

कर्क – ऑफिस में आपके काम को देखकर उच्च अधिकारी तारीफ करेंगे। व्यापार और नौकरी में सफलता के योग हैं।

सिंह – चंद्रमा का गोचर आपकी ही राशि में होने से आपका आत्मविश्वास बहुत ऊंचा रहेगा। बड़े समझौते (कॉन्ट्रैक्ट्स) मिल सकते हैं।

कन्या – रचनात्मक क्षमता और वाणी कुशलता का आपको पूरा लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में टीमवर्क और अप्रत्याशित लाभ के योग हैं।

तुला – आर्थिक और व्यावसायिक मामलों में दिन बेहद शानदार रहेगा। सूर्य और बुध की युति से बुधादित्य योग का लाभ मिलेगा।

वृश्चिक – भाग्य भाव में चंद्रमा की स्थिति से करियर में लाभ के योग हैं, लेकिन सफलता के लिए थोड़ी मेहनत अधिक करनी होगी।

धनु – धैर्य और अनुशासन के साथ काम करने से बेहतर परिणाम मिलेंगे। कारोबार और प्रबंधन में अपेक्षित गति बनी रहेगी।

मकर – कार्यक्षेत्र में आपके काम को पहचान मिलेगी। व्यापार में लाभ के अच्छे संयोग हैं। सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा और आजीविका से जुड़ी चिंताएं कम होंगी।

कुंभ – कार्यक्षेत्र में अधिक सक्रिय और सजग रहने की आवश्यकता है। विरोधी सक्रिय हो सकते हैं, अतः तकनीकी मामलों में जोखिम न लें।

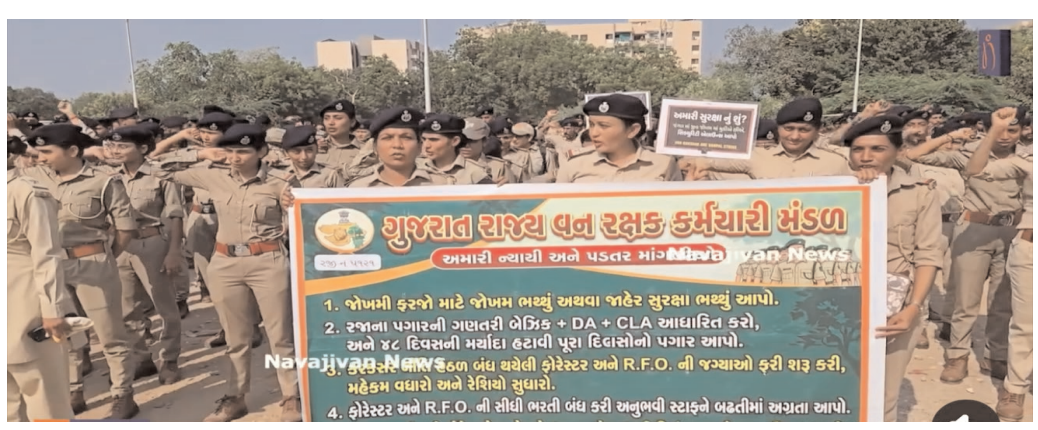
मीन – व्यापार के सिलसिले में किसी लाभदायक यात्रा के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का अच्छा फल मिलेगा और अधिकारियों से सराहना मिलेगी।

जनता की आँखों में धूल झोंककर गद्दी पर बैठने वाले झूठे शासकः क्या ये इंसान जैसे राक्षस आतंकवादियों से ज़्यादा खतरनाक और देश के लिए श्राप हैं?

राज्य भर के फॉरेस्ट गार्ड्स (बीट गार्ड्स) और फॉरेस्ट अधिकारी पिछले कुछ दिनों से गांधीनगर के सत्याग्रह कैंप में अपनी पेंडिंग मांगों को लेकर आंदोलन के मोर्चे पर डटे हुए हैं। सरकार की तरफ से कोई पॉजिटिव हल न निकाले जाने और कड़ा रुख न दिखाए जाने के बाद अब फॉरेस्ट कर्मचारियों ने आर-पार की लड़ाई लड़ने का बड़ा ऐलान किया है। राज्य के जंगलों और वाइल्डलाइफ की रक्षा करने वाले हजारों कर्मचारी अब प्रशासन की अनदेखी से तंग आकर एग्रेसिव मोड में आ गए हैं।

ग्रेड पे और रिस्क अलाउंस के मुद्दे पर फॉरेस्ट कर्मचारियों का गुस्सा

फॉरेस्ट गार्ड्स यूनियन की लीडरशिप में हो रहे इस आंदोलन में ग्रेड पे बढ़ाने, रिस्क अलाउंस, समय पर प्रमोशन और ट्रांसफर नियमों को आसान बनाने जैसी पांच मुख्य पेंडिंग मांगें रखी गई हैं। फॉरेस्ट कर्मचारियों का कहना है कि जंगल और वाइल्डलाइफ की रक्षा के लिए चौबीसों घंटे काम करने के बावजूद उनका ग्रेड पे बहुत कम है। गंभीर आरोप लगे हैं कि फॉरेस्ट गार्ड को सरकारी ऑफिस में बैठे क्लास-4 कर्मचारियों से भी कम सैलरी मिल रही है, जिससे कर्मचारियों में बहुत ज़्यादा नाराज़गी है।



गांधीनगर में धामः अर्जी और अनशन के बाद अब तेज़ आंदोलन की आहट

गांधीनगर में जमा हुए हज़ारों फॉरेस्ट कर्मचारियों ने ब्लड डोनेशन कैंप लगाकर और अलग-अलग सिंबॉलिक विरोध प्रदर्शन करके सरकार का ध्यान खींचने की कोशिश की। लेकिन सरकार से सही और पक्की गारंटी न मिलने पर फॉरेस्ट कर्मचारियों ने अब काम से दूर रहकर आंदोलन तेज़ करने की साफ़ चेतावनी दी है। अगर सरकार आने वाले दिनों में अपनी ज़िद नहीं छोड़ती और पेंडिंग मुद्दों का कोई पक्का हल नहीं निकालती, तो राज्य भर के सैंक्चुअरी, नेशनल पार्क और जंगल के इलाकों में एडमिनिस्ट्रेटिव लॉकडाउन लगाकर ज़ोरदार हड़ताल का ऐलान किया गया है।

जंगलों और शेर-तेंदुओं जैसे जंगली जानवरों की सुरक्षा खतरे में

सरकार और फॉरेस्ट कर्मचारियों के बीच इस टकराव ने राज्य के गिर, कच्छ, डांग और उत्तरी गुजरात के बड़े जंगल के इलाकों में जंगली जानवरों की सुरक्षा पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। एक तरफ़ जंगल के मज़दूर सड़कों पर अपनी आवाज़ उठा रहे हैं, तो दूसरी तरफ़ किसी बड़े हादसे का डर भी है क्योंकि जंगलों में गैर-कानूनी शिकार या जंगल की संपत्ति की चोरी को रोकने वाला कोई नहीं है। अब देखना यह है कि क्या प्रशासन जंगल के मज़दूरों की इन जायज़ मांगों के आगे झुकता है या यह लड़ाई और ज़्यादा उग्र रूप लेती है।

नर्सिंग छात्रा ने ट्रेन के आगे कूदकर दे दी जान, लखनऊ में रहने वाले प्रेमी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

फिरोजाबाद। नर्सिंग कॉलेज में प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रही छात्रा प्रीति की मौत के मामले में पुलिस ने जांच के बाद उसके प्रेमी अमन को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच के अनुसार, दोनों के बीच करीब दो साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। घटना से एक दिन पहले कहासुनी के बाद अमन ने प्रीति का मोबाइल नंबर ब्लॉक कर दिया था। इसके बाद दोनों के बीच संपर्क नहीं हो पाया। पुलिस के मुताबिक, इसी बात से परेशान होकर छात्रा ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। मामले की जांच में सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल पर हुई बातचीत और हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं के बयान महत्वपूर्ण साबित हुए। जानकारी के अनुसार, मैनपुरी जिले के औंछा क्षेत्र की रहने वाली प्रीति फिरोजाबाद के एक नर्सिंग कॉलेज में प्रथम वर्ष की छात्रा थी। उसका शव 28 अक्टूबर को रसीदपुर कनैटा रेलवे फाटक के पास मिला था। छात्रा की मौत के बाद परिजनों ने कॉलेज के प्रधानाचार्य सुरेंद्र दक्ष और उनके बेटे यश दक्ष पर गंभीर आरोप लगाए थे। मृतका के भाई रोहित कठेरिया ने दोनों के खिलाफ हत्या, दुष्कर्म के प्रयास और धमकी देने सहित अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच शुरू की। पुलिस जांच में सामने आया कि सिरसागंज क्षेत्र का रहने वाला अमन लखनऊ के बीबीडी कॉलेज में पॉलिटेक्निक की पढ़ाई कर रहा है। वह पिछले करीब दो वर्षों से प्रीति के संपर्क में था और दोनों के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। 27 अक्टूबर की शाम किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। इसके बाद अमन ने प्रीति का मोबाइल नंबर ब्लॉक कर दिया। प्रीति ने उससे संपर्क करने के लिए कई बार प्रयास किए, लेकिन बात नहीं हो सकी। इसके बाद उसने अमन की बहन और दोस्त से भी संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन वहां से भी उसे कोई जवाब नहीं मिला। पुलिस के अनुसार, इसके बाद छात्रा रेलवे ट्रैक पर पहुंची और ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जान दे दी।



मेरठ में हथकड़ी निकालकर भागा था वारंटी, घंटों में ही पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दबोचा!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में नौचंदी थाने की पुलिस अभिरक्षा से हथकड़ी निकालकर फरार हुए वारंटी अभियुक्त अरशद उर्फ जोजो को पुलिस ने कुछ ही घंटों में दोबारा गिरफ्तार कर लिया। आरोपी 2 नवंबर को थाने के कार्यालय से पुलिस की पकड़ से निकलकर फरार हो गया था। इसके बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया और उसकी तलाश के लिए तत्काल विशेष टीमें गठित की गईं। पुलिस के अनुसार, नौचंदी ग्राउंड के पास घेराबंदी के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर गोली चला दी। इसके बाद हुई कार्रवाई में भागने के प्रयास के दौरान गिरने से उसके हाथ में चोट लग गई और पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, अरशद उर्फ जोजो पुत्र शाकिर ढवाई नगर की गली नंबर-7, नौचंदी क्षेत्र का निवासी है। उसके खिलाफ वर्ष 2014 में दर्ज चोरी के एक मुकदमे में वारंट जारी था। इसी मामले में 2 नवंबर की सुबह वह नौचंदी थाने की पुलिस अभिरक्षा में मौजूद था। इसी दौरान आरोपी अपने हाथ से हथकड़ी निकालकर थाने के कार्यालय से फरार हो गया। थाने से आरोपी के भागने की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया और उसकी तलाश शुरू कर दी। घटना के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन तथा सहायक पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी सिविल लाइन के पर्यवेक्षण में नौचंदी पुलिस की तीन विशेष टीमें गठित की गईं। पुलिस टीमों ने आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर जानकारी जुटाई और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि फरार आरोपी नौचंदी ग्राउंड में छिपा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने नौचंदी ग्राउंड के पास पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस के अनुसार, खुद को घिरा देखकर आरोपी ने पुलिसकर्मियों पर जान से मारने की नीयत से गोली चला दी और वहां से भागने का प्रयास किया। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। भागने की कोशिश के दौरान आरोपी गिर पड़ा, जिससे उसके हाथ में चोट लग गई। पुलिस ने उसे अशोक की लाट के पास से पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाशी ली तो उसके कब्जे से .315 बोर का एक तमंचा, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ।



मेडिकल कॉलेज में वार्ड के बाहर से मृत नवजात का शव उठा ले गए कुत्ते

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में केजीएमयू के पूर्व एमडी पैथोलॉजी छात्र डॉ. रमीज उर्फ रमीजुद्दीन से जुड़े मामले में पुलिस जांच और पीड़िता के बयान के बाद कई गंभीर आरोप सामने आए हैं। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी युवतियों को प्रभावित करने के लिए मुर्गे के खून से प्रेम पत्र लिखता था और उन्हें अपना खून बताकर भावनात्मक रूप से प्रभावित करने की कोशिश करता था। इसके अलावा उस पर शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने, निजी तस्वीरों और वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने, शादी के रिश्ते तुड़वाने तथा धर्म परिवर्तन और निकाह के लिए दबाव बनाने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पुलिस आरोपी से जुड़े मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। पीड़िता के अनुसार, उसकी और रमीज की मुलाकात मेडिकल की पढ़ाई के दौरान हुई थी। वर्ष 2011 में दीपावली के दिन रमीज ने पहली बार फोन कर उसे शुभकामनाएं दी थीं। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत बढ़ने लगी और धीरे-धीरे नजदीकियां बढ़ गईं। पीड़िता ने अपने बयान में बताया कि दिसंबर 2012 में रमीज ने उसे आगरा के साबुन कटरा स्थित अपने फ्लैट पर नृत्य अभ्यास के बहाने बुलाया था। आरोप है कि वहां उसे नशीला पेय दिया गया, जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई और आरोपी ने उसके साथ जबरदस्ती की। पीड़िता का कहना है कि बाद में रमीज ने संदेश भेजकर अपनी गलती स्वीकार की और माफी मांगी। कुछ समय बाद उसने शादी का भरोसा देकर संबंध आगे बढ़ाने की बात कही। पीड़िता ने आरोप लगाया कि 11 दिसंबर 2012 को उसे दोबारा फ्लैट पर बुलाया गया और शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया गया। उसे आशंका है कि इसी दौरान उसकी निजी तस्वीरें और वीडियो भी बनाए गए थे। उसके अनुसार, आरोपी बाद में इन निजी सामग्रियों का इस्तेमाल उसे डराने और अपने प्रभाव में रखने के लिए करता था। पीड़िता का यह भी आरोप है कि आरोपी संबंधों के बाद कुछ आपत्तिजनक वस्तुएं उसके बैग में रख देता था। जब उसके पिता को इन घटनाओं की जानकारी हुई तो उन्होंने विरोध किया, लेकिन तब तक वह आरोपी और उसके दोस्तों के प्रभाव में आ चुकी थी।



भोपाल में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी की हत्या का आरोपी आगरा से गिरफ्तार, पुलिस मुठभेड़ में पैर में लगी गोली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी राकेश अग्रवाल की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। करीब एक महीने से फरार चल रहे हत्या के आरोपी और मृतक के देखभालकर्ता वरुण कुमार को पुलिस ने आगरा से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद मंगलवार सुबह आरोपी को भोपाल लाया जा रहा था। इसी दौरान मुगलिया छाप के पास उसने पुलिस टीम की गिरफ्त से भागने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पुलिसकर्मियों के साथ झूमाझटकी की और उनके नियंत्रण से निकलने की कोशिश की। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने उसे रोकने के लिए गोली चलाई, जो उसके पैर में लगी। घायल आरोपी को तत्काल भोपाल के हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार सुबह करीब 5 बजे विशेष पुलिस दल आरोपी वरुण कुमार को लेकर भोपाल पहुंच रहा था। रास्ते में मुगलिया छाप के पास आरोपी ने अचानक पुलिसकर्मियों के साथ झूमाझटकी शुरू कर दी। इसके बाद उसने मौके का फायदा उठाकर भागने की कोशिश की। पुलिसकर्मियों ने उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह गिरफ्त से निकलने की कोशिश करता रहा। इस दौरान पुलिस ने उसे रोकने के लिए गोली चलाई। गोली आरोपी के पैर में लगी, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। इसके बाद पुलिस टीम ने उसे दोबारा अपने कब्जे में लिया और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। दरअसल, भोपाल में करीब एक महीने पहले सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी राकेश अग्रवाल की हत्या की वारदात सामने आई थी। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी थी और मृतक के देखभालकर्ता वरुण कुमार पर संदेह के आधार पर उसकी तलाश की जा रही थी। हत्या के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस की टीमें लगातार उसकी तलाश में जुटी थीं। इस दौरान अलग-अलग स्थानों पर उसकी गतिविधियों और संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई जा रही थी। जांच के दौरान पुलिस को आरोपी की लोकेशन आगरा में मिली। इसके बाद विशेष पुलिस टीम ने वहां पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे भोपाल लाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में भागने के प्रयास के कारण पुलिस को गोली चलानी पड़ी। पुलिस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि हत्या के बाद आरोपी कहां-कहां छिपा रहा और फरारी के दौरान किन लोगों के संपर्क में था। पुलिस मुठभेड़ में घायल होने के बाद वरुण कुमार को भोपाल के हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार किया जा रहा है। पुलिस की ओर से आरोपी से पूछताछ कर हत्या के पीछे की वजह, वारदात से जुड़ी परिस्थितियों और अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों का पता लगाने की तैयारी की जा रही है। जांच में यह भी स्पष्ट किया जाएगा कि हत्या किस कारण हुई और घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी ने किस तरह फरारी काटी। करीब एक महीने से फरार चल रहे आरोपी की गिरफ्तारी को इस हत्याकांड की जांच में अहम सफलता माना जा रहा है। हालांकि, हत्या से जुड़े सभी पहलुओं की पुष्टि आरोपी से पूछताछ और पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।



शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन रोकने और एफआईआर दर्ज करने के मामले में कवि देव सिंह गुर्जर ने जनसुनवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। भारतीय किसान यूनियन मंच के मध्यप्रदेश प्रदेश अध्यक्ष कवि देव सिंह गुर्जर ने मंगलवार को उज्जैन कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी के समक्ष आयोजित जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत कर बिरलाग्राम पुलिस द्वारा उनके एवं एक अन्य साथी के विरुद्ध दर्ज की गई एफआईआर के मामले में निष्पक्ष जांच एवं न्याय की मांग की। कवि देव सिंह गुर्जर ने आवेदन में बताया कि नागदा क्षेत्र में संचालित ग्रेसिम इंडस्ट्रीज की औद्योगिक गतिविधियों एवं कथित प्रदूषण से प्रभावित किसानों और ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर उनके द्वारा लगातार आवाज उठाई जा रही है। उनका आरोप है कि कंपनी से निकलने वाले रासायनिक अपशिष्ट एवं औद्योगिक प्रदूषण के कारण किसानों की कृषि भूमि, चंबल नदी तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के पर्यावरण और जल स्रोतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसी मुद्दे को लेकर उन्होंने 28 अक्टूबर 2026 को नागदा थाने में लिखित आवेदन देकर 29 अक्टूबर को सुबह 11 बजे बिरलाग्राम स्थित जनसेवा हॉस्पिटल चौराहे पर ग्रेसिम इंडस्ट्रीज प्रबंधन का पुतला दहन कर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने की पूर्व सूचना दी थी। इसके साथ ही एसडीएम कार्यालय नागदा में भी लिखित आवेदन प्रस्तुत किया गया था। गुर्जर ने बताया कि एसडीएम कार्यालय से उन्हें धारा 163 के आदेश का हवाला देते हुए संबंधित स्थान पर पुतला दहन नहीं करने की लिखित सूचना दी गई। प्रशासन के आदेश का सम्मान करते हुए उन्होंने विवाद उत्पन्न करने के बजाय शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने का प्रयास किया। इसके बावजूद बिरलाग्राम पुलिस द्वारा उनके एवं एक अन्य साथी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई। उन्होंने आवेदन में एक महत्वपूर्ण सवाल उठाते हुए बताया कि प्रस्तावित कार्यक्रम से ठीक एक दिन पहले नागदा रेलवे स्टेशन चौराहे पर लगभग 30 से 40 लोगों द्वारा एक राजनीतिक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पुतला दहन किया गया था। उक्त घटना के फोटो एवं समाचार स्थानीय प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में भी प्रकाशित एवं प्रसारित हुए थे। इसके बावजूद उनके अनुसार उस मामले में पुलिस द्वारा कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। कवि देव सिंह गुर्जर ने प्रशासन से सवाल किया कि जब सार्वजनिक स्थान पर राजनीतिक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पुतला दहन किया गया, तब कार्रवाई क्यों नहीं हुई, जबकि एक निजी औद्योगिक कंपनी के प्रबंधन के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की पूर्व सूचना देने के बावजूद उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर दी गई। उन्होंने कलेक्टर से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाने, पुलिस कार्रवाई में किसी प्रकार के भेदभाव की जांच करने तथा उन्हें न्याय दिलाने की मांग की है।



सीएम के कार्यक्रम में थी ड्यूटी,सादी वर्दी में मुर्गी लूटने पहुंच गया ASI दीपक परिहार, एसपी ने तुरंत किया सस्पेंड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शहडोल। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में पुलिस विभाग की छवि को प्रभावित करने वाला एक मामला सामने आया है। मुख्यमंत्री के जन विश्वास अभियान कार्यक्रम में सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) दीपक सिंह परिहार पर मुर्गी व्यापारी की पिकअप रोककर चार मुर्गियां जबरन लेने और विरोध करने पर कर्मचारियों के साथ अभद्रता करने का आरोप लगा है। शिकायत सामने आने के बाद पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एएसआई को निलंबित कर दिया है। साथ ही उसके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी जारी किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, एएसआई दीपक सिंह परिहार सीधी थाने में पदस्थ था। उसकी ड्यूटी जैसिंह नगर विकासखंड के अंतर्गत बंसुकली में आयोजित मुख्यमंत्री के जन विश्वास अभियान शिविर में सुरक्षा व्यवस्था संभालने के लिए लगाई गई थी। आरोप है कि कार्यक्रम में अपनी निर्धारित जिम्मेदारी निभाने के बजाय वह सादी वर्दी में दूसरी जगह पहुंच गया। वहां उसने ग्रामीणों और व्यापारियों के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया। इसी दौरान मुर्गियों से भरी एक पिकअप को रुकवाकर उसमें से चार मुर्गियां जबरन लेने का मामला सामने आया। अमडह गांव निवासी मुर्गी व्यापारी तौकीर रजा ने पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत देकर पूरे मामले की जानकारी दी थी। शिकायत के मुताबिक, एएसआई दीपक सिंह परिहार ने पहरिया के पास उनके कर्मचारियों की मुर्गियों से भरी पिकअप रुकवाई। इसके बाद कथित तौर पर वाहन से चार मुर्गियां जबरन निकाल लीं। जब कर्मचारियों ने इसका विरोध किया तो एएसआई ने उनके साथ अभद्रता की और मारपीट करने की धमकी दी। व्यापारी तौकीर रजा का आरोप है कि घटना की जानकारी मिलने पर उन्होंने एएसआई से फोन पर बात कर विरोध जताया। इस पर पुलिसकर्मी ने उनके साथ भी अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और कहीं भी शिकायत करने की चुनौती दी। मामले के दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने हस्तक्षेप किया। बताया गया है कि घटना के कुछ हिस्से ग्रामीणों ने अपने मोबाइल फोन में दर्ज भी किए। इसके बाद व्यापारी ने पुलिस अधीक्षक से लिखित शिकायत कर कार्रवाई की मांग की। मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल तक पहुंचने के बाद पुलिस प्रशासन ने कार्रवाई की। एसपी ने बताया कि संबंधित एएसआई जन विश्वास अभियान शिविर में तैनात था। वह सादी वर्दी में था और लोगों के साथ गलत व्यवहार करने की शिकायत मिली थी। मुर्गियां जबरन लेने की शिकायत को भी गंभीरता से लिया गया है। इसी आधार पर उसे निलंबित कर विभागीय जांच शुरू कराई गई है। निलंबन के बाद विभागीय जांच में शिकायत से जुड़े सभी तथ्यों, संबंधित कर्मचारियों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों की पड़ताल की जाएगी। जांच में आरोपों की पुष्टि होने या अन्य तथ्य सामने आने के बाद आगे की कार्रवाई तय होगी। इस घटना ने एक बार फिर पुलिसकर्मियों की ड्यूटी के दौरान जवाबदेही और आम लोगों के साथ व्यवहार को लेकर सवाल खड़े किए हैं।



ग्वालियर में पत्नी की हत्या का आरोप, शव के पास रातभर रहा एसएसबी जवान; बेटी के खुलासे से सामने आया मामला

करवाचौथ पर छुट्टी लेकर घर आया था आरोपी जवान, पत्नी की मौत हार्ट अटैक से होने की बताई कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के एक जवान पर अपनी पत्नी की हत्या करने का गंभीर आरोप लगा है। पुलिस के अनुसार, पत्नी के चरित्र पर संदेह को लेकर हुए विवाद के बाद जवान ने कथित तौर पर इस वारदात को अंजाम दिया। आरोप है कि घटना के बाद वह रातभर पत्नी के शव के पास ही रहा और सुबह परिजनों को उसकी मौत हृदयाघात से होने की जानकारी दी। हालांकि, शव पर चोटों के निशान देखकर मायके पक्ष को संदेह हुआ। बाद में जवान की 12 वर्षीय बेटी ने अपने मामा को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद मामला सामने आया। यह घटना ग्वालियर के मुरार थाना क्षेत्र के खुरैरी की बताई जा रही है। आरोपी ज्ञान सिंह जाटव एसएसबी में आरक्षक है और उसकी तैनाती जम्मू-कश्मीर में बताई गई है। वह 27 अक्टूबर को करवाचौथ मनाने के लिए छुट्टी लेकर घर आया था। उसकी पत्नी रिंकी जाटव बच्चों के साथ ग्वालियर में रहती थी। पुलिस के मुताबिक, घटना से पहले आरोपी के पिता उपचार के लिए भिंड से ग्वालियर आए थे। उपचार के बाद रिंकी ने पति से अपने पिता को वापस भिंड छोड़ने के लिए कहा। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई। ज्ञान सिंह पिता को भिंड छोड़कर रविवार रात घर लौटा। उस समय रिंकी मोबाइल पर किसी से बातचीत कर रही थी। इसी बात को लेकर आरोपी ने पत्नी पर संदेह जताया और दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। आरोप है कि विवाद के दौरान ज्ञान सिंह ने पत्नी के साथ मारपीट की और गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। घर में मौजूद बच्चे इस घटना के गवाह बने। पुलिस के अनुसार, वारदात के बाद आरोपी ने बच्चों को किसी को कुछ भी बताने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। इसके बाद वह रातभर उसी कमरे में पत्नी के शव के पास रहा। सोमवार सुबह करीब 6 बजे उसने शव को गाड़ी में रखा और भिंड जिले के अटेर क्षेत्र स्थित अपने पैतृक गांव छौंदा पहुंच गया। गांव पहुंचकर आरोपी ने पत्नी के मायके पक्ष को फोन किया और बताया कि रिंकी की मौत हृदयाघात से हुई है। लेकिन शव पर चोटों के निशान देखकर परिजनों को उसकी बात पर भरोसा नहीं हुआ। सवाल पूछने पर आरोपी ने कथित तौर पर अपनी सेवा पिस्तौल दिखाकर उन्हें चुप रहने की धमकी दी। उसने अपनी बेटी को भी घटना के बारे में किसी को नहीं बताने की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद बेटी ने चुपके से अपने मामा सचिन जाटव को पूरी घटना की जानकारी दे दी। बेटी के बताए घटनाक्रम और शव की स्थिति से मायके पक्ष का संदेह गहरा गया। परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर अंतिम संस्कार की तैयारी रुकवाई और शव को ग्वालियर लेकर पहुंचे। इसके बाद मुरार थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। मुरार थाना पुलिस ने ज्ञान सिंह जाटव के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी की जानकारी दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए ग्वालियर लाया गया है। पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक जांच के माध्यम से मौत की परिस्थितियों से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।



गुजरात में होती थी शराब की तस्करी मुख्य आरोपी राहुल ने खोले एक-एक राज

महानगर मेट्रो ब्यूर

देवास। मध्य प्रदेश के देवास जिले में अवैध शराब की तस्करी रोकने पहुंचे खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी की ट्रक से कुचलकर हत्या के मामले में पुलिस की जांच लगातार आगे बढ़ रही है। पुलिस ने शराब तस्करी गिरोह के कथित सरगना राहुल जायसवाल सहित तीन लोगों को हिरासत में लिया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि अवैध शराब का यह कारोबार मध्य प्रदेश से गुजरात तक फैला हुआ था। पूछताछ में शराब की आपूर्ति, परिवहन और पैसों के लेन-देन से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार, घटना में इस्तेमाल किए गए आयशर वाहन को गजेन्द्र उर्फ अक्कु रावत चला रहा था। वह अलीराजपुर जिले का निवासी बताया गया है। जांच में पता चला कि केरम सिंह चंगोड़ ने उसे यह वाहन उपलब्ध कराया था। पुलिस ने केरम सिंह को भी हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जांच अधिकारी अब यह पता लगाने में जुटे हैं कि वाहन किसके कहने पर भेजा गया था और तस्करी के इस पूरे काम में उसकी क्या भूमिका थी। जांच में सामने आया है कि अवैध शराब हरदा जिले के टिमरनी से लाई जा रही थी और उसे गुजरात पहुंचाने की तैयारी थी। बताया गया है कि शराब का ठेका पाटेन्द्र जायसवाल के नाम पर था। इस कारोबार में राहुल जायसवाल, मनीष जायसवाल और मोहिन जायसवाल की 30-30 प्रतिशत हिस्सेदारी बताई गई है, जबकि पाटेन्द्र जायसवाल की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत थी। पुलिस इन सभी के बीच कारोबारी संबंधों और शराब की आपूर्ति से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल कर रही है। पुलिस के मुताबिक, पूरे नेटवर्क में राहुल जायसवाल की मुख्य भूमिका बताई जा रही है। वह हरदा जिले के टिमरनी का निवासी है। उसके खिलाफ हरदा में अलग-अलग धाराओं में आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी भी सामने आई है। आरोप है कि राहुल तीन शराब दुकानों से अवैध शराब की आपूर्ति का नेटवर्क संचालित करता था। मनीष जायसवाल इंदौर में और मोहिन जायसवाल गुजरात में रहता है, जबकि पाटेन्द्र जायसवाल बड़वानी जिले का निवासी बताया गया है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि अवैध शराब के कारोबार से मिलने वाली रकम पहले राहुल जायसवाल के पास जमा होती थी। इसके बाद वह गिरोह के अन्य सदस्यों को उनकी हिस्सेदारी के अनुसार पैसा देता था। इस व्यवस्था के आधार पर पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि तस्करी से कितनी रकम जुटाई जाती थी और उसका लेन-देन किन माध्यमों से होता था।



सीएम मोहन यादव ने दिया काम का मंत्र, कहा- रील से ज्यादा रियल प्रॉब्लम करें सॉल्व

महानगर मेट्रो ब्यूर

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस को 48 नए उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) मिले हैं। भोपाल के भौंरी स्थित पुलिस अकादमी के परेड मैदान में 44वें और 45वें बैच का दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल हुए। उन्होंने परेड की सलामी ली और प्रशिक्षण पूरा करने वाले नए पुलिस अधिकारियों को संबोधित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सोशल मीडिया पर लोकप्रियता हासिल करने के बजाय आम लोगों की वास्तविक समस्याओं के समाधान पर ध्यान देने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों को रील बनाने से ज्यादा वास्तविक समस्याओं को सुलझाने में रुचि दिखानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को आज 48 नए जनसेवक मिले हैं, जिनसे जनता की सुरक्षा और सेवा की बड़ी अपेक्षाएं हैं। नए अधिकारी अपने दायित्वों को पूरी तत्परता और संवेदनशीलता के साथ निभाएं। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश पुलिस ने समय-समय पर कई कठिन चुनौतियों का सामना करते हुए अपनी कार्यक्षमता साबित की है। आजादी के बाद प्रदेश के कई क्षेत्रों में डाकुओं की समस्या गंभीर रही। चंबल और रीवा अंचल में पुलिस ने लगातार प्रयास कर इस चुनौती का सामना किया और कानून व्यवस्था मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नक्सलवाद के खिलाफ मिली सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय ऐसा था, जब मध्य प्रदेश से नक्सलवाद का संकट समाप्त होने की कल्पना करना भी कठिन था। नक्सल गतिविधियों के कारण आदिवासी क्षेत्रों में विकास कार्य प्रभावित होते थे और स्थानीय लोगों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता था। लेकिन पुलिस बल ने दृढ़ इच्छाशक्ति और साहस के साथ इस चुनौती का सामना किया। प्रदेश ने निर्धारित समय से पहले नक्सलवाद के खात्मे का लक्ष्य हासिल किया। इस अभियान में पुलिसकर्मियों ने अपनी दक्षता और प्रतिबद्धता साबित की है। मुख्यमंत्री ने नए पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय सोशल मीडिया का है, लेकिन समाज के सामने सोशल मीडिया से कहीं अधिक महत्वपूर्ण सामाजिक समस्याएं हैं। पुलिस अधिकारी सोशल मीडिया पर सक्रिय रहें, लेकिन उनकी प्राथमिकता आम लोगों की समस्याओं का समाधान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी समस्याओं को केवल गिनाने के बजाय उनके समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाएं। पुलिस की पहचान उसके काम और जनता के प्रति व्यवहार से बननी चाहिए। उन्होंने नए अधिकारियों से कहा कि वे समाज के सभी वर्गों में समान रूप से सम्मान हासिल करने वाले अधिकारी बनें। विशेष रूप से कमजोर और जरूरतमंद वर्ग के लोगों के लिए संवेदनशीलता के साथ काम करें।



mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (बुधवार)
04 नवंबर 2026

धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ FIR दर्ज कराने पहुंचे पप्पू यादव, भगवान कृष्ण पर टिप्पणी को लेकर हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के भगवान श्रीकृष्ण को लेकर दिए गए बयान पर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। इस मामले में अब बिहार के सांसद पप्पू यादव भी विरोध में सामने आए हैं।



वह धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग को लेकर दिल्ली के संसद मार्ग थाने पहुंचे। पप्पू यादव ने भगवान श्रीकृष्ण के संबंध में की गई टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए इसे धार्मिक भावनाओं से जुड़ा गंभीर मामला बताया है। हालांकि, इस मामले में प्राथमिकी दर्ज होने की पुष्टि उपलब्ध जानकारी में नहीं है। दरअसल, पूरा विवाद मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करैरा में 29 अक्टूबर को आयोजित श्रीराम कथा के दौरान दिए गए धीरेंद्र शास्त्री के बयान से शुरू हुआ। कथा के दौरान उन्होंने भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण की मुद्राओं तथा अयोध्या और वृंदावन की तुलना करते हुए कुछ टिप्पणियां की थीं। इसके बाद उनका एक वीडियो सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित होने लगा। वीडियो सामने आने के बाद कई राजनीतिक नेताओं, संतों और धार्मिक संगठनों ने उनके बयान पर नाराजगी जताई। वीडियो में धीरेंद्र शास्त्री भगवान श्रीकृष्ण की तीन जगह से मुड़ी हुई मुद्रा और बांसुरी बजाने का उल्लेख करते दिखाई देते हैं। उन्होंने भगवान श्रीराम की सीधे खड़े होने वाली मुद्रा से इसकी तुलना की। साथ ही अयोध्या और वृंदावन के संदर्भ में भी टिप्पणी की। उनके इस कथन को लेकर लोगों के बीच अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आईं और देखते ही देखते मामला राजनीतिक तथा धार्मिक बहस का विषय बन गया। धीरेंद्र शास्त्री के बयान पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने इसे ईशनिंदा बताते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग उठाई। अखिलेश यादव ने धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रमों पर रोक लगाने और उनके आयोजनों के बहिष्कार की अपील भी की थी। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने भी इस टिप्पणी को अशोभनीय और अमर्यादित बताया। उनका कहना था कि भगवान श्रीकृष्ण करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र हैं और उनके संबंध में इस तरह की टिप्पणी उचित नहीं है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने भी धीरेंद्र शास्त्री की आलोचना की। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी इस बयान पर अपनी नाराजगी जाहिर की। इस बयान को लेकर मथुरा और ब्रज क्षेत्र के संतों ने भी आपत्ति जताई। संतों का कहना है कि भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण दोनों ही पूजनीय हैं और उनकी तुलना इस तरह नहीं की जानी चाहिए, जिससे किसी की धार्मिक भावना आहत हो।

कहीं कोई चेकिंग नहीं; कैसे लागू हो रहे नियम?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में बीएस-6 मानक से नीचे के वाहनों के प्रवेश पर रोक लागू होने के बाद पुलिस और परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीमों ने राजधानी के अलग-अलग सीमावर्ती इलाकों में जांच अभियान चलाया। हालांकि, इस अभियान के दौरान विभिन्न बॉर्डर पर जांच व्यवस्था में अंतर देखने को मिला। कहीं पुलिसकर्मी वाहनों को रोककर उनके मानकों की बारीकी से जांच करते नजर आए तो कहीं बिना रोकटोक वाहनों की आवाजाही जारी रही। गाजीपुर बॉर्डर और राष्ट्रीय राजमार्ग-24 पर जांच के चलते वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जबकि सिंघु बॉर्डर पर कई वाहन बिना जांच के दिल्ली में प्रवेश करते दिखाई दिए। इससे नियमों को लागू करने की व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। अभियान के दौरान सामने आए आंकड़ों के अनुसार, कुल 8263 वाहनों की जांच की गई। इनमें नियमों का उल्लंघन करने वाले 37 वाहनों के चालान काटे गए, जबकि 1228 वाहनों को दिल्ली में प्रवेश देने के बजाय बॉर्डर से ही वापस लौटा दिया गया। इसके अलावा 2 वाहनों को जब्त भी किया गया। प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए पुलिस और परिवहन विभाग की टीमों को अलग-अलग स्थानों पर तैनात किया गया था।गाजीपुर बॉर्डर और राष्ट्रीय राजमार्ग-24 पर उत्तर प्रदेश की ओर से दिल्ली आने वाले वाहनों की जांच के दौरान काफी भीड़ देखने को मिली। पुलिस और परिवहन विभाग की टीमों ने वाहनों को रोककर उनके प्रदूषण मानकों की जांच की। बीएस-6 मानक से नीचे के वाहनों पर विशेष निगरानी रखी गई। जांच की प्रक्रिया के कारण कई वाहन चालकों को लंबा इंतजार करना पड़ा और सड़क पर वाहनों की कतारें लग गईं। दिल्ली में प्रवेश करने वाले वाहन चालकों को जांच के बाद ही आगे जाने दिया गया। दूसरी ओर, सोमवार सुबह करीब 11:30 से 12 बजे के बीच सिंघु बॉर्डर पर अलग ही स्थिति देखने को मिली। हरियाणा की ओर से दिल्ली आने वाले वाहनों की आवाजाही सामान्य रूप से जारी रही। करीब आधे घंटे के दौरान सैकड़ों वाहन बिना किसी रोकटोक के राजधानी में प्रवेश करते दिखाई दिए। मौके पर न तो दिल्ली यातायात पुलिस की टीम नजर आई और न ही परिवहन विभाग के प्रवर्तन कर्मचारी वाहनों की जांच करते दिखाई दिए। सिंघु बॉर्डर फ्लाईओवर के नीचे प्रवर्तन विभाग का एक वाहन जरूर खड़ा था, लेकिन उसमें मौजूद कर्मचारी जांच करते नजर नहीं आए।



दिल्ली पुलिस के प्रदर्शनकारी सिपाहियों का नेतृत्व करने वाले ष्टक्कमनस्वी वशिष्ठ सस्पेंड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर प्रदर्शनकारी पुलिसकर्मियों का नेतृत्व करने वाले सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) मनस्वी वशिष्ठ को निलंबित कर दिया गया है। अधिकारियों ने उनके आचरण को अनुचित मानते हुए यह कार्रवाई की है। शाहदरा थाने में पुलिसकर्मियों और वकीलों के बीच हुई झड़प के बाद सोमवार सुबह दिल्ली पुलिस के करीब 100 जवानों ने मुख्यालय के बाहर एकत्र होकर विरोध-प्रदर्शन किया था। इनमें महिला पुलिसकर्मी भी शामिल थीं। प्रदर्शन के दौरान जवानों ने हाथों में तख्तियां और पोस्टर लेकर अपने वरिष्ठ अधिकारियों के तबादलों को वापस लेने की मांग उठाई थी। दरअसल, दिल्ली के शाहदरा थाने में 23 अक्टूबर को पुलिसकर्मियों और वकीलों के बीच विवाद के बाद हाथापाई हो गई थी। इस घटना में वकील ललित बंसल के सिर में गंभीर चोट लगने की बात सामने आई थी। इसके बाद थाने में दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ गया। घटना के विरोध में जिला अदालतों के वकीलों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी थी। वकीलों की हड़ताल के बाद पुलिस विभाग ने संबंधित अधिकारियों के तबादले कर दिए थे। विवाद के बाद 28 अक्टूबर को गांधी नगर में उपमंडल पुलिस अधिकारी के पद पर तैनात एसीपी मनस्वी वशिष्ठ का तबादला महिलाओं एवं बच्चों के लिए विशेष पुलिस इकाई में कर दिया गया था। वहीं, शाहदरा थाने के तत्कालीन थाना प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार को सुरक्षा इकाई में भेज दिया गया था। इन तबादलों के बाद पुलिसकर्मियों में नाराजगी सामने आई। सोमवार सुबह करीब 100 पुलिसकर्मी दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर जमा हुए। इनमें महिला पुलिसकर्मी भी शामिल थीं। प्रदर्शनकारी जवानों की मांग थी कि एसीपी मनस्वी वशिष्ठ और तत्कालीन थाना प्रभारी अरुण कुमार को उनके पुराने पदों पर वापस बहाल किया जाए। पुलिसकर्मियों ने आरोप लगाया कि थानों में ड्यूटी करने वाले जवानों को कई बार दबाव और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है। ऐसे मामलों में पुलिसकर्मियों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। प्रदर्शन से पहले एसीपी मनस्वी वशिष्ठ ने पत्रकारों से बातचीत में इसे पुलिसकर्मियों का 'स्वाभाविक आह्वान' बताया था।



संजय राउत का बड़ा दावा—राहुल गांधी बनेंगे देश के प्रधानमंत्री, अमित शाह जाएंगे तिहाड़ जेल; बयान से महाराष्ट्र की सियासत में हलचल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बयानबाजी तेज हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ सांसद संजय राउत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए ऐसा बयान दिया है, जिसने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा शुरू कर दी है। राउत ने दावा किया कि आने वाले समय में राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री बनेंगे और अमित शाह को तिहाड़ जेल जाना पड़ेगा। उन्होंने यह बात केवल राजनीतिक टिप्पणी के रूप में नहीं कही, बल्कि भाजपा की कार्यशैली, महाराष्ट्र में क्षेत्रीय दलों की स्थिति और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के भविष्य को लेकर भी कई आरोप लगाए। संजय राउत ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेताओं की दिल्ली में अमित शाह से हुई मुलाकात पर नाराजगी जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने महाराष्ट्र की राजनीति में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को दो गुटों में बांटने की भूमिका निभाई। राउत के मुताबिक, अमित शाह ने महाराष्ट्र की राजनीतिक ताकत को कमजोर करने के लिए एनसीपी के दोनों गुटों को अलग-अलग कर दिया



है। उन्होंने दावा किया कि आने वाले दिनों में दोनों गुटों का राजनीतिक अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। राउत ने कहा कि अजित पवार के निधन के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अनाथ हो गई है और पार्टी पर वास्तविक अधिकार शरद पवार का है। उन्होंने शिवसेना को भी उद्धव ठाकरे की पार्टी बताते हुए कहा कि महाराष्ट्र की क्षेत्रीय पार्टियों की अपनी पहचान और राजनीतिक विरासत रही है। उनका आरोप है कि भाजपा इन दलों को अपने राजनीतिक प्रभाव में लाने का प्रयास कर रही है। राउत ने एनसीपी नेताओं की अमित शाह से मुलाकात को इसी राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा बताया। उन्होंने तीखी टिप्पणी करते हुए आरोप लगाया कि एक मराठी व्यक्ति द्वारा स्थापित राजनीतिक पार्टी को उसके नेताओं ने केंद्रीय गृह मंत्री से मुलाकात के बाद भाजपा के सामने समर्पित कर दिया है। राउत ने इसे महाराष्ट्र के राजनीतिक स्वाभिमान से जोड़ते हुए कहा कि राज्य की क्षेत्रीय पार्टियों की पहचान और स्वतंत्र राजनीतिक भूमिका को कमजोर नहीं होने देना चाहिए। उनके इन बयानों से भाजपा और एनसीपी के नेताओं के साथ राजनीतिक टकराव बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। संजय राउत की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के छह वरिष्ठ नेताओं ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इस प्रतिनिधिमंडल में धनंजय मुंडे, सुनील तटकरे, प्रफुल्ल पटेल, हसन मुश्रीफ, छगन भुजबल और दिलीप वलसे पाटिल शामिल थे। इस बैठक को महाराष्ट्र सरकार में वित्त मंत्रालय का विभाग फिर से एनसीपी को सौंपने की मांग से जोड़कर देखा जा रहा है। पार्टी के भीतर इस विषय पर चर्चा चलने की बात सामने आई है। बैठक में सुनेत्रा पवार और पार्थ पवार की अनुपस्थिति भी चर्चा का विषय बनी हुई है। राजनीतिक हलकों में इस बात को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि पार्टी के महत्वपूर्ण नेताओं की मौजूदगी के बावजूद ये दोनों नेता बैठक में क्यों शामिल नहीं हुए। राउत ने भी इस घटनाक्रम को लेकर एनसीपी के नेतृत्व और उसके अंदरूनी राजनीतिक समीकरणों पर सवाल उठाए। हालांकि, बैठक के वास्तविक उद्देश्य और उसके परिणाम को लेकर अंतिम स्थिति स्पष्ट नहीं है। संजय राउत ने विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया की 'चलो दिल्ली' रैली को लेकर भी भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह रैली लोकतंत्र की रक्षा और लोकतांत्रिक संस्थाओं से जुड़े मुद्दों को उठाने के लिए आयोजित की गई थी। राउत ने इस सभा की तुलना वर्ष 1974 में लोकनायक जयप्रकाश नारायण के समर्थन में आयोजित रैली से की। उनका कहना था कि उस समय भी लोकतंत्र और राजनीतिक व्यवस्था को लेकर देश में व्यापक चर्चा हुई थी। राउत ने आरोप लगाया कि जो लोग लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं, वही लोकतंत्र को बचाने के नाम पर रैलियां निकाल रहे हैं। उन्होंने इसे राजनीतिक विरोधाभास बताते हुए सवाल किया कि आखिर ऐसे लोग लोकतंत्र को किससे बचाने की बात कर रहे हैं। उनके अनुसार, इंडिया गठबंधन की रैली का उद्देश्य लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़े सवालों को प्रमुखता से उठाना था। संजय राउत ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर भी अपनी नाराजगी जाहिर की।

दिल्ली के वजीरपुर में पत्नी पर जानलेवा हमला, हथौड़े से कई वार कर घर में लगाया ताला; पति को अफेयर का था शक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के अशोक विहार थाना क्षेत्र के वजीरपुर गांव में घरेलू विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। पत्नी के चरित्र पर शक करने वाले एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी पर हथौड़े से हमला कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। वारदात के बाद आरोपी ने घर में ताला लगा दिया और वहां से भागने की कोशिश की, लेकिन मकान मालिक और उसके भाई की सतर्कता से वह पकड़ा गया। दोनों ने आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने मामले में हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, 1 नवंबर को अशोक विहार थाने में पीसीआर के जरिए सूचना मिली थी कि वजीरपुर गांव में एक महिला पर जानलेवा हमला किया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। वहां जांच के दौरान पता चला कि संजय (30) ने घरेलू विवाद के बाद अपनी पत्नी संगीता पर हथौड़े से हमला किया था। हमले में महिला के सिर पर कई चोटें आईं और उसकी हालत गंभीर हो गई। परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से उसे तत्काल दीपचंद बंधु अस्पताल पहुंचाया



गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए दूसरे बड़े चिकित्सा केंद्र में रेफर कर दिया। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि संजय को अपनी पत्नी के किसी अन्य व्यक्ति के साथ संबंध होने का शक था। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। बताया जा रहा है कि घटना वाले दिन भी इसी मुद्दे को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने हथौड़े से संगीता के सिर पर कई वार कर दिए। हमले के बाद आरोपी ने घर में ताला लगा दिया और वहां से निकलने की कोशिश करने लगा। इसी दौरान मकान मालिक और उसके भाई को घटना की जानकारी हुई। दोनों ने आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना देकर उसे उनके हवाले कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया। साक्ष्य जुटाने के लिए अपराध जांच दल और विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम को भी बुलाया गया। दोनों टीमों ने घटनास्थल की जांच कर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने कथित हमले में इस्तेमाल किए गए हथौड़े को भी जब्त कर लिया है। इसके बाद अशोक विहार थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1) के तहत हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल में जुटी है। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच विवाद की वजह क्या थी और घटना से पहले उनके बीच किस तरह की कहासुनी हुई थी। फिलहाल घायल महिला का अस्पताल में उपचार जारी है। पुलिस का कहना है कि मामले में जुटाए गए साक्ष्यों और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बाल ठाकरे के पोते ऐश्वर्य हुए साइबर ठगी का शिकार, खाते से पैसे निकलने के मैसेज आए तो पहुंचे पुलिस के पास

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में साइबर ठगी का एक मामला सामने आया है। शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे के पोते और अभिनेता ऐश्वर्य ठाकरे के बैंक खाते से अज्ञात साइबर अपराधियों ने कई लेनदेन के जरिए 19,638 रुपये निकाल लिए। खाते से पैसे कटने के संदेश मोबाइल पर आने के बाद ऐश्वर्य ने तुरंत पुलिस से संपर्क किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए ओशिवारा पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ऐश्वर्य ठाकरे, बाल ठाकरे के बड़े बेटे जयदेव ठाकरे और स्मिता ठाकरे के बेटे हैं। उनकी मां स्मिता ठाकरे भी सार्वजनिक जीवन में अपनी पहचान रखती हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, ऐश्वर्य अंधेरी पश्चिम में अपनी मां स्मिता ठाकरे और दादी कुंदा चित्रे के साथ रहते हैं। वह अभिनय के क्षेत्र में सक्रिय हैं। परिवार से जुड़े होने के कारण यह मामला सामने आने के बाद चर्चा में आ गया है। पुलिस के अनुसार, साइबर ठगी की यह घटना 30 अक्टूबर की रात की है। उस समय ऐश्वर्य



अपने घर पर मौजूद थे। रात करीब 1:30 बजे उनके मोबाइल पर बैंक खाते से रकम कटने के संदेश आने लगे। शुरुआत में खाते से 307 रुपये निकाले गए। इसके कुछ ही मिनट बाद लगातार कई संदिग्ध लेनदेन हुए। रात 1:30 बजे से 1:40 बजे के बीच उनके खाते से कुल 19,638 रुपये निकाल लिए गए। इनमें एक बड़ा लेनदेन 15,511 रुपये का भी बताया गया है। शुरुआती जांच में सामने आया कि खाते से निकाली गई रकम का इस्तेमाल विदेशी ऑनलाइन मंचों पर लेनदेन के लिए किया गया। इनमें पापा जॉन्स और जॉलीबी जैसे मंचों के नाम सामने आए हैं। हालांकि, इन लेनदेन के पीछे किन लोगों का हाथ है और खाते से जुड़ी जानकारी साइबर अपराधियों तक कैसे पहुंची, इसकी जांच की जा रही है। लगातार कुछ ही मिनटों में हुए कई लेनदेन ने मामले को संदिग्ध बना दिया है। खाते से बिना अनुमति रकम निकलने का पता चलते ही ऐश्वर्य ने देर किए बिना पुलिस से संपर्क किया और पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। ओशिवारा पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात साइबर अपराधियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस अब साइबर प्रकोष्ठ की मदद से बैंक खाते से हुए लेनदेन की जानकारी जुटा रही है। जांच के दौरान संबंधित लेनदेन के इंटरनेट पते, डिजिटल अभिलेख और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की पड़ताल की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि रकम किन माध्यमों से निकाली गई और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं। साथ ही, बैंकिंग लेनदेन की कड़ियों को जोड़कर आरोपियों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज में सजा 'दीपोवर्तिका' दीपावली मेला, 50 स्टॉलों पर दिखी विद्यार्थियों की रचनात्मकता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 3 नवंबर 2026 को महिला विकास प्रकोष्ठ की ओर से 'दीपोवर्तिका' दीपावली मेले का भव्य आयोजन किया गया। दीपावली के उल्लास, उमंग और रचनात्मकता से सजे इस मेले का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. प्रवीण गर्ग ने किया। आयोजन में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और उद्यमशीलता का परिचय दिया। पूरे परिसर में उत्सव का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम का आयोजन संयोजिका प्रो. गौरी मिश्रा के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में किया गया। इसमें प्रो. ऐश्वर्या झा का विशेष सहयोग रहा। वहीं कॉमेनिया और सिंट्रिया के विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यार्थियों के उत्साह और सामूहिक प्रयासों से मेला आकर्षण का केंद्र बना रहा। मेले में लगभग 50 विभिन्न स्टॉल लगाए गए, जिनमें हस्तनिर्मित वस्तुओं, आकर्षक सजावटी सामग्री, पारंपरिक एवं आधुनिक खान-पान के व्यंजनों और दैनिक उपयोग की विभिन्न वस्तुओं का प्रदर्शन किया गया। इन स्टॉलों के माध्यम से विद्यार्थियों को



अपनी कलात्मक प्रतिभा और व्यावहारिक कौशल प्रदर्शित करने का अवसर मिला। विद्यार्थियों ने अपने हाथों से तैयार की गई वस्तुओं के जरिए अपनी कल्पनाशीलता और रचनात्मक सोच को सामने रखा। इसके साथ ही उन्हें उत्पाद तैयार करने, उन्हें प्रदर्शित करने और बिक्री के माध्यम से उद्यमशीलता के व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर भी मिला। आयोजन की खास बात पर्यावरण संरक्षण को लेकर अपनाई गई पहल रही। मेले में शून्य अपशिष्ट की अवधारणा को प्रमुखता देते हुए स्वच्छ, हरित और पर्यावरण अनुकूल दीपावली मनाने का संदेश दिया गया। विद्यार्थियों को प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, अनावश्यक कचरा नहीं फैलाने और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया। आयोजकों ने उत्सव के साथ पर्यावरण संरक्षण को जोड़कर सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश देने का प्रयास किया। 'दीपोवर्तिका' केवल दीपावली उत्सव तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विद्यार्थियों के लिए रचनात्मकता, आत्मनिर्भरता, महिला सशक्तिकरण और उद्यमशीलता को समझने का एक महत्वपूर्ण मंच बनकर सामने आया। मेले के माध्यम से भारतीय संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देने के साथ विद्यार्थियों में सामाजिक सरोकारों और पर्यावरणीय जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता विकसित करने पर भी जोर दिया गया। महिला विकास प्रकोष्ठ की इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच और उद्यमशीलता की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं को पहचानने और उन्हें व्यवहार में उतारने का अवसर मिलता है। साथ ही युवा पीढ़ी को आत्मनिर्भर बनाने और आत्मनिर्भर भारत तथा विकसित भारत के संकल्प से जोड़ने में भी ऐसे प्रयास महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मेले का समापन दीपावली के पारंपरिक उल्लास के साथ रचनात्मकता, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण के संदेश को आगे बढ़ाने के संकल्प के रूप में हुआ। 'दीपोवर्तिका' ने विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच देने के साथ महाविद्यालय परिसर में दीपावली के उत्सव को यादगार बना दिया।

एक्टर तुषार कपूर से बिश्नोई गैंग के नाम पर मांगी 5 करोड़ की रंगदारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता तुषार कपूर को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर धमकी देकर 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। कथित तौर पर अभिनेता को फोन करने वाले व्यक्ति ने खुद को गैंग से जुड़ा बताते हुए हैरी बॉक्सर का नाम इस्तेमाल किया और बड़ी रकम की मांग की। धमकी भरा कॉल मिलने के बाद तुषार कपूर ने मामले की जानकारी मुंबई पुलिस को दी। शिकायत सामने आते ही पुलिस ने जांच शुरू कर दी। हालांकि, शुरुआती तकनीकी जांच में कॉल पर सुनाई देने वाली आवाज का मिलान गैंग के सदस्य हैरी बॉक्सर के उपलब्ध ऑडियो नमूनों से नहीं हो पाया है। इसके बाद पुलिस इस आशंका पर भी जांच कर रही है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने गैंग का नाम इस्तेमाल कर अभिनेता को डराने और उनसे पैसे वसूलने की कोशिश की हो। जानकारी के अनुसार, तुषार कपूर को आए धमकी भरे कॉल में कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग से संबंध होने का दावा किया गया था। फोन करने वाले ने हैरी बॉक्सर का नाम लेते हुए अभिनेता से 5 करोड़ रुपये की मांग की। इस तरह की धमकी मिलने के बाद अभिनेता ने मामले को गंभीरता से लिया और तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि कॉल करने वाला व्यक्ति कौन था और उसने किस उद्देश्य से अभिनेता को निशाना बनाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुंबई पुलिस ने जांच एंटी एक्सटॉर्शन सेल और अपराध शाखा को सौंप दी है। जांच टीम धमकी भरे कॉल की रिकॉर्डिंग और उससे जुड़े तकनीकी साक्ष्यों की पड़ताल कर रही है। पुलिस यह भी जानने का प्रयास कर रही है कि धमकी सीधे फोन कॉल के जरिए दी गई थी या किसी अन्य डिजिटल माध्यम से ऑडियो संदेश भेजा गया था। जांच के दौरान अपराध शाखा की तकनीकी टीम ने अभिनेता को मिले धमकी भरे कॉल की ऑडियो रिकॉर्डिंग का विश्लेषण किया। इसके लिए पुलिस के पास उपलब्ध हैरी बॉक्सर के आधिकारिक ऑडियो नमूनों से आवाज का मिलान कराया गया। शुरुआती जांच में दोनों आवाजों के बीच समानता नहीं पाई गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, उपलब्ध नमूनों के आधार पर फिलहाल यह पुष्टि नहीं हुई है कि धमकी देने वाला व्यक्ति हैरी बॉक्सर ही था। आवाज का मिलान नहीं होने के बाद जांच में एक नया पहलू सामने आया है। पुलिस को आशंका है कि किसी व्यक्ति ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम और उसके सदस्य की पहचान का इस्तेमाल करके अभिनेता को डराने की कोशिश की हो सकती है। हालांकि, पुलिस ने अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचने की पुष्टि नहीं की है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि धमकी के पीछे वास्तव में किसी संगठित गिरोह का हाथ था या किसी व्यक्ति ने गैंग के नाम का दुरुपयोग किया।



महाराष्ट्र पुलिस अफसर ने वहीं बर्थडे का जश्न मनाया, विवादों में सोनल पाटिल



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र के कराड में एक महिला पुलिस अधिकारी अपने जन्मदिन के जश्न को लेकर विवादों में घिर गई हैं। अधिकारी सोनल पाटिल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है, जिसमें वह एक फ्लाईओवर पर अपनी नई कार के साथ जन्मदिन मनाती नजर आ रही हैं। विवाद की मुख्य वजह यह है कि जिस स्थान पर यह जश्न मनाया गया, उसी फ्लाईओवर पर कुछ दिन पहले हुए भीषण सड़क हादसे में 4 युवकों की मौत हो गई थी, जबकि 2 अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे। हादसे के बाद से इस मार्ग की सुरक्षा और तेज रफ्तार वाहनों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में उसी जगह पर जन्मदिन का जश्न मनाने का वीडियो सामने आने के बाद लोगों ने नाराजगी जाहिर की है। जानकारी के अनुसार, यह वीडियो 31 अक्टूबर की रात कराड के कोल्हापुर नाका-नंदलापुर फ्लाईओवर पर बनाया गया था। वीडियो में सोनल पाटिल अपनी नई कार के पास जन्मदिन मनाती दिखाई दे रही हैं। इस दौरान कार के बोनट पर केक काटा गया और उन्होंने फूलों का गुलदस्ता लेकर तस्वीरें भी खिंचवाई। वीडियो में वह कार के बोनट पर बैठकर तस्वीरों के लिए पोज देती नजर आती हैं। जन्मदिन के इस आयोजन को आकर्षक बनाने के लिए विशेष रोशनी और चिंगारियां छोड़ने वाले उपकरण का भी इस्तेमाल किया गया। बताया जा रहा है कि यह पूरा आयोजन सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के लिए वीडियो बनाने के उद्देश्य से किया गया था। वीडियो प्रसारित होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने इस आयोजन पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। लोगों का कहना है कि सार्वजनिक सड़क और फ्लाईओवर का इस्तेमाल निजी जन्मदिन समारोह के लिए करना उचित नहीं है। खासकर तब, जब इसी स्थान पर हाल ही में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ हो और चार परिवारों ने अपने युवकों को खोया हो। लोगों ने यह भी सवाल उठाया कि यातायात नियमों का पालन करवाने की जिम्मेदारी निभाने वाले पुलिस अधिकारी को सार्वजनिक स्थान पर इस तरह का आयोजन करते समय नियमों और सड़क सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए था। बताया जा रहा है कि करीब 10 से 15 दिन पहले कोल्हापुर से सतारा की ओर जा रही एक कार इसी फ्लाईओवर पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। इस हादसे में 4 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि 2 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसे ने इलाके में सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी थी।

इंडगो के बेड़े में दिसंबर 2027 तक 14 संकरे ए321 एक्सएलआर विमान शामिल होंगे

कम दूरी पर मुख्य फोकस, पर 2028 से ए350 से लंबी दूरी की तैयारी

नई दिल्ली ।

इंडिगो अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का जाल फैलाने की बड़ी तैयारी में है। इं डिगो के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने मंगलवार को बताया कि दिसंबर 2027 तक उसके बेड़े में कुल 14 संकरे ए321 एक्सएलआर विमान शामिल होने की उम्मीद है, जो लंबी दूरी तय कर सकते हैं। उन्होंने एविएशन इंडिया एंड साउथ एशिया 2026 में यह भी खुलासा किया कि कंपनी का लक्ष्य 2030 तक 600 विमानों का बेड़ा तैयार करना है। अ धिकारी ने बताया कि फिलहाल ऐसे चार विमान बेड़े में हैं और इस साल एक और जोड़ा जाएगा। इन अधिक क्षमता वाले विमानों से विदेशों में नए गंतव्य जुड़ेंगे। उन्होंने दोहराया कि विमानन कंपनी का ध्यान कम दूरी की उड़ानों पर ही बना रहेगा। बोइंग 787 का परिचालन बंद कर चुकी इंडिगो को 2028 की दूसरी तिमाही से ए350-900 विमान मिलने शुरू होंगे। हालांकि, उन्होंने चेताया कि ए350 के उत्साह में कंपनी को अपनी कम दूरी की कुशल उड़ानों पर से ध्यान नहीं भटकना चाहिए। इंडिगो को उम्मीद है कि 2030 तक उसके बेड़े में 600 विमान होंगे (फिलहाल 440 से अधिक)। उन्होंने हवाई अड्डों से प्रभावी साझेदारी व निवेश पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही, साथ ही उनके ऊंचे शुल्क-करों की आलोचना भी की।

अब दुबई और सिंगापुर में यूपीआई से भुगतान संभव

बुर्ज खलीफा और यूनिवर्सल स्टूडियो जैसे प्रमुख स्थलों पर मिलेगी भुगतान की सुविधा

नई दिल्ली ।

भारतीय पर्यटक अब दुबई और सिंगापुर जैसे लोकप्रिय अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों में भारतीय पेमेंट मोड यूपीआई के जरिए आसानी से भुगतान कर सकेंगे। वित्त मंत्रालय ने हाल ही में इस नई सुविधा की जानकारी दी है, जिसका मुख्य उद्देश्य विदेश यात्रा के दौरान भारतीय पर्यटकों के लिए टिकट बुक करने और अन्य खरीददारी को आसान बनाना है। यह कदम भारतीयों को विदेश यात्रा के दौरान टिकट खरीदने के लिए विदेशी कार्ड या दूसरे अंतरराष्ट्रीय पेमेंट ऑप्शंस पर निर्भर रहने की झंझट से मुक्ति दिलाएगा। इससे न केवल उनकी यात्रा और अधिक सुविधाजनक होगी, बल्कि उन्हें करेंसी एक्सचेंज की जटिलताओं से भी नहीं जूझना पड़ेगा। उदाहरण के तौर पर, यदि आप दुबई घूमने जा रहे हैं और बुर्ज खलीफा का टिकट यूपीआई से बुक करना चाहते हैं, तो यह प्रक्रिया बेहद सरल है। आपको बस बुर्ज खलीफा की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा, अपनी पसंद का टिकट पैकेज चुनना होगा और बुक नाओ पर क्लिक करके घूमने की तारीख व समय का चयन करना होगा। इसके बाद चेकआउट करते समय पेमेंट के विकल्प में यूपीआई को चुनकर आप आसानी से भुगतान कर सकते हैं। यह नई पहल विदेश जाने वाले भारतीयों को काफी सहूलियत प्रदान करेगी और वैश्विक स्तर पर भारतीय डिजिटल पेमेंट के बढ़ते इस्तेमाल को भी बढ़ावा देगी। यह भारतीय डिजिटल इकोसिस्टम के वैश्विक विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आंध्र प्रदेश को मिली 1614 करोड़ की दक्षिण कोरियाई निवेश लॉटरी, तमिलनाडु चूका

हुंडई-किया के पुर्जे बनाने वाली तीन कंपनियां अनंतपुर में लगाएंगी फैक्ट्रियां

नई दिल्ली ।

भारत में निवेश के लिए राज्यों के बीच चल रही कड़ी प्रतिस्पर्धा में आंध्र प्रदेश ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। दक्षिण कोरिया की तीन प्रमुख ऑटो-पार्ट्स कंपनियों ने तमिलनाडु को पछाड़कर आंध्र प्रदेश में 1,614 करोड़ रुपये का निवेश करने का फैसला किया है। ये कंपनियां दुनिया की दिग्गज कार निर्माता हुंडई और किया को गाड़ियों के पुर्जे सप्लाई करती हैं। इस निवेश के तहत राज्य के अनंतपुर जिले में नई मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्रियां स्थापित की जाएंगी। इसमें ह्वासन 850 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, सियोयोन 514 करोड़ रुपये लगाएगी, और इवामेट 250 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कुल मिलाकर, यह ₹1,614 करोड़ का निवेश 1,418 संभावित रोजगार सृजित करेगा। तमिलनाडु, जो ऑटोमोबाइल कंपनियों का एक बड़ा केंद्र है और वहां हुंडई के प्लांट भी मौजूद हैं, इन कंपनियों को अपने यहां निवेश के लिए लुभा रहा था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1200 , निफ्टी 370 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। इसी कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही सूचकांक भारी बढ़त के साथ बंद हुए, जिससे बाजार में उत्साह का माहौल है। इस तेजी का कारण हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और एशियन पेंट्स जैसे दिग्गज शेयरों में आया उछाल है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1225.07 अंक बढ़कर 76,917.85 के ऊपरी स्तरों पर बंद हुआ। इसी तरह, 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 370.05 अंकों की तेजी के साथ ही 23,810.85 के स्तर पर पहुंचा। गत दिवस भी बाजार में करीब 1.5 फीसदी की तेजी रही जिससे यह लगातार दूसरा ऐसा दिन रहा जब निवेशकों की पूंजी बढ़ी है।

आज अधिकर शेयरों में तेजी रही। सेंसेक्स में शामिल 30 में से 25 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुए, जबकि शेष 5 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। वहीं, निफ्टी में भी यही रुझान रहा। इसमें 50 में से 39 कंपनियों के शेयरों में बढ़त रहीजबकि 10 शेयरों में गिरावट आई और एक शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ।

दिग्गज शेयरों में हिंदुस्तान



यूनिलीवर के शेयरों ने लंबी छलांग लगाई और यह 4.16 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। इसके अलावा, भारती एयरटेल , एचडीएफसी बैंक , एशियन पेंट्स और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में भी तेजी रही। आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी , टाइटन, एक्सिस बैंक और मारुति सुजुकी के शेयर भी उछले। । बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस और सन फार्मा जैसे अन्य प्रमुख शेयरों में भी बढ़त रही। इस तेजी के बावजूद कुछ शेयर ऐसे भी रहे, जिन्हें नुकसान उठाना पड़ा। सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी पावर ग्रिड के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरे। इसके अलावा भारतीय स्टेट बैंक और एनटीपीसी 0.87 और ट्रेंट के शेयर भी गिरे। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजारों की बढ़त के साथ शुरुआत हुई।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।



अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 13 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.71 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार 12 पैसे मजबूत होकर 94.72 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू शेयर बाजार में विदेशी पूंजी के प्रवाह से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि, अमेरिका में महत्वपूर्ण मध्यावधि चुनाव से पहले डॉलर के मजबूत होने से दुनियाभर के निवेशकों के सतर्क रहने से रुपये की बढ़त सीमित रही। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.68 प्रति डॉलर पर खुला और फिर मजबूत होकर 94.60 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। इसके बाद यह डॉलर के मुकाबले 94.72 पर कारोबार करने लगा जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की बढ़त दिखाता है। वहीं रुपया सोमवार को आठ पैसे टूटकर 94.84 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी बढ़कर 101.65 पर आ गया।

भारत में सोने की मांग 29 फीसदी घटी, मूल्य में 3 फीसदी की वृद्धि

आयात शुल्क, ऊंची कीमतें और पीएम की अपील बनी वजह

मुंबई ।

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) के अनुसार भारत में जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान सोने की मांग सालाना आधार पर 29 प्रतिशत घटकर 162.5 टन रह गई। आयात शुल्क में बढ़ोतरी, कीमतों में तेज उछाल और प्रधानमंत्री की खरीदारी कम करने की अपील इसके प्रमुख कारण रहे। हालांकि, इस अवधि में सोने की कुल मांग का मूल्य 3 प्रतिशत बढ़कर 2,41,900 करोड़ रुपये हो गया, जो उपभोक्ताओं की सोने के प्रति निरंतर प्राथमिकता को दर्शाता है। डब्ल्यूजीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 की इसी तिमाही में सोने की मांग 229.8 टन थी, जबकि समीक्षाधीन तिमाही में औसत भाव करीब 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। कुल आभूषण मांग 20 फीसदी घटकर 99.9 टन पर आ गई, पर मूल्य के लिहाज से यह 16 फीसदी बढ़कर 1,48,700 करोड़ रुपये दर्ज की गई। डब्ल्यूजीसी के एक अ धिकारी ने कहा कि उपभोक्ता अब हल्के वजन के आभूषणों और पुराने सोने के बदले नए आभूषण लेने जैसी रणनीतियों को अपना रहे हैं। उन्होंने बताया कि तीसरी तिमाही के अंत में कीमतों में आई गिरावट और आगामी त्योहारों व शादी के मौसम से मांग को समर्थन मिलने की उम्मीद है। डब्ल्यूजीसी ने पूरे साल के लिए भारत में सोने की मांग 625 से 675 टन रहने का अनुमान लगाया है।

डेरियस खंबाटा ने टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टी के तौर पर दोबारा नियुक्ति से किया इनकार

विदाई पत्र में टाटा संस की 17 सितंबर की बोर्ड बैठक को 'कलंक का दिन' बताया

नई दिल्ली।

टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़े शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स में नेतृत्व को लेकर विवाद गहरा गया है। वरिष्ठ वकील डेरियस खंबाटा ने सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी के तौर पर दोबारा नियुक्ति से इनकार कर दिया है। उनका कार्यकाल इसी माह खत्म हो जाएगा। अपने विदाई पत्र में, खंबाटा ने टाटा संस की 17 सितंबर की बोर्ड बैठक को 'कलंक का दिन' बताया, जिससे इस बड़े समूह के अंदर चल रही सत्ता और नियंत्रण की खींचतान एक बार फिर उजागर हो गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खंबाटा के जाने के बाद, एसडीटीटी में पांच ट्रस्टी होंगे। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा एसडीटीटी में एक 'स्थायी ट्रस्टी' हैं। इस मुद्दे पर कुछ ट्रस्टियों ने महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर के सामने आपत्ति जताई है। अन्य मौजूदा ट्रस्टियों में वाइस-चेयरमैन विजय सिंह और वेणु श्रीनिवासन के साथ-साथ भास्कर भट और नेविल टाटा शामिल हैं। जहां पहले टाटा ट्रस्ट्स में ट्रस्टियों का नवीनीकरण एक सामान्य प्रक्रिया थी, वहीं पिछले दो सालों में आम सहमति न बन पाने पर वोटिंग करनी पड़ी है, जिससे विवाद पैदा हुए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक अपने विदाई पत्र में खंबाटा ने 28 जुलाई, 2025 को ट्रस्टों द्वारा लिए गए प्रस्तावों के समर्थन में अपने अडिग रुख का जिक्र किया। इन प्रस्तावों में आरबीआई के साथ बातचीत करके टाटा संस की लिस्टिंग का विरोध करना और शापूरजी पलोनजी समूह को उनकी मांगी गई नकद राशि उपलब्ध कराना शामिल था। इसके साथ ही एन चंद्रशेखरन को टाटा संस के चेयरमैन के तौर पर तीसरे कार्यकाल के लिए समर्थन देने का प्रस्ताव भी पारित किया गया था। खंबाटा ने लिखा- अगस्त और सितंबर 2026 की हैरान कर देने वाली घटनाओं ने पिछली बातों को पीछे छोड़ दिया है। अगस्त 2026 में चंद्रशेखरन ने टाटा संस बोर्ड को लिखा था कि वे तीसरे कार्यकाल के लिए दोबारा नियुक्ति नहीं चाहेंगे, लेकिन इसके एक महीने बाद, टाटा संस बोर्ड की एक बैठक में चंद्रशेखरन को तीसरा कार्यकाल देने का प्रस्ताव पास किया गया, जिसका नोएल टाटा ने विरोध किया। जुलाई 2025 का वह प्रस्ताव, जिसका जिक्र खंबाटा ने अपने पत्र में किया है, एसडीटीटी और एसआरटीटी दोनों की सर्वसम्मति से पास किया गया था। खंबाटा ने ही 28 मई, 2025 की बैठक में टाटा संस की संभावित लिस्टिंग के खिलाफ चेतावनी दी थी और इसे ट्रस्टों के अस्तित्व के लिए खतरा बताया था। उन्होंने लिखा यहां पूरा 'टाटा मॉडल' ही दांव पर लगा था।

मुकेश अंबानी ने रचा कीर्तिमान, एक दिन में 6.3 अरब डॉलर कमाए

रिलायंस के दमदार तिमाही नतीजों और शेयर में जोरदार उछाल से संपत्ति बढ़ी

मुंबई । रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने हाल ही में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने एक ही दिन में 6.3 अरब डॉलर (लगभग 55,000 करोड़ रुपये से अधिक) की संपत्ति अर्जित कर दुनिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले अरबपति का गौरव हासिल किया है। यह बढ़ोतरी उनकी प्रमुख कंपनी के बेहतर तिमाही नतीजों के बाद शेयर में आई जोरदार तेजी का परिणाम है। फोर्ब्स की रियल-टाइम अरबपतियों की ताजा सूची के अनुसार मुकेश अंबानी अब 88.8 अरब डॉलर की कुल संपत्ति के साथ दुनिया के 23वें सबसे अमीर व्यक्ति और भारत के सबसे धनी शख्स बन गए हैं। इस सूची में गौतम अदाणी 79.12 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 26वें स्थान पर हैं। संपत्ति में इस वृद्धि के मामले में वैश्विक स्तर पर स्पेन के अमानसियो ओर्टेगा (1.7 अरब डॉलर) और चीन के झोंग शांशान (1.5 अरब डॉलर) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। सोमवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 11.64 प्रतिशत चढ़कर 1,299 रुपये पर बंद हुआ, जो छह साल से अधिक समय में इसका सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा। यह उछाल कंपनी के सितंबर तिमाही के शानदार नतीजों के बाद आया, जिसमें एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 33.8 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 29,550 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। कंपनी के तेल से रसायन और दूरसंचार व्यवसायों में मजबूत प्रदर्शन ने इस वृद्धि में अहम भूमिका निभाई। कंपनी के तेल से रसायन (ओ2सी) कारोबार में मजबूत प्रदर्शन और दूरसंचार व्यवसाय में वृद्धि ने खुदरा कारोबार की अपेक्षाकृत कमजोर स्थिति की भरपाई कर दी।

एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक का शेयर आठ फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।



अपशिष्ट जल शोधन समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का शेयर अपने 330 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब आठ प्रतिशत की बढ़त के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 7.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 354.05 रुपये पर कारोबार शुरू किया। एनएसई में यह 7.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ 355.10 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 4,161.69 करोड़ रुपये रहा। एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पिछले सप्ताह गुरुवार को बोली के अंतिम दिन 9.47 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 668 करोड़ रुपये के आईपीओ का मूल्य दायरा 313 से 330 रुपये प्रति शेयर था। कंपनी की योजना नए शेयर जारी कर जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने और कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने के लिए करने की है।

एसीएमई सोलर की बीकानेर में 66.68 मेगावाट नई सौर ऊर्जा इकाई शुरू

हाइब्रिड परियोजना की परिचालन क्षमता 200 मेगावाट पार

नई दिल्ली ।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने राजस्थान के बीकानेर जिले में अपनी सौर ऊर्जा क्षमता का विस्तार किया है।

कंपनी की अनुषंगी एसीएमई रिन्यूटेक प्राइवेट लिमिटेड ने 66.68 मेगावाट की अतिरिक्त सौर ऊर्जा इकाई का सफलतापूर्वक परिचालन शुरू किया है।

इस नई क्षमता के साथ हाइब्रिड परियोजना की कुल परिचालन क्षमता बढ़कर 200.04 मेगावाट हो गई है। इसके परिणामस्वरूप एसीएमई सोलर की कुल परिचालन क्षमता अब करीब 3,190 मेगावाट हो गई है। यह परियोजना बीकानेर के केलां गांव में स्थित है और इसके लिए एनटीपीसी लिमिटेड के साथ 3.36 रुपये प्रति किलोवाट-घंटा की दर से बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया गया है।

नई शुरू की गई क्षमता की वाणिज्यिक परिचालन तिथि (सीओडी) 4 नवंबर, 2026 निर्धारित है।

कंपनी को उम्मीद है कि वह वित्त वर्ष 2026-27 की तीसरी तिमाही तक परियोजना की पूरी 300 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता को चरणबद्ध तरीके से परिचालन में ले आएगी।

वैश्विक संघर्षों की आंच में झुलसा करेली गुड़,दाम 4100 रुपए के पार

समुद्री मार्ग बाधित होने से कच्चे माल की किल्लत, निर्यात पर भी खतरा

भोपाल ।

पश्चिम एशिया और रूस-यूक्रेन में जारी संघर्ष का सीधा असर मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के प्रसिद्ध करेली गुड़ पर दिखाई दे रहा है। इन युद्धों के चलते उर्वरकों की कीमतों में भारी उछाल आया है, जिससे गन्ने की खेती की लागत बढ़ गई है और गुड़ के दाम पिछले साल के मुकाबले 10-15 प्रतिशत बढ़कर 4,100 रुपये प्रति क्विंटल के पार पहुंच गए हैं। पिछले साल इसी समय करेली मंडी में गुड़ का भाव 3,500 रुपये प्रति क्विंटल चल रहा था। यह बढ़ोतरी किसानों और व्यापारियों दोनों के लिए चिंता का विषय बन गई है। किसानों का कहना है कि गन्ने की खेती में प्रति एकड़ 60,000 रुपये का खर्च आता है, जिसमें मजदूरी, सिंचाई और खासकर उर्वरकों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। गुड़ कारोबारी भी मानते हैं कि उर्वरक कीमतों में तेज वृद्धि ने इस साल गुड़ को महंगा कर दिया है। होर्मुज स्ट्रेट, लाल सागर और काला सागर जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के बंद होने से सल्फर और रॉक फॉस्फेट जैसे उर्वरक बनाने वाले कच्चे माल की किल्लत पैदा हो गई है। खेतान केमिकल्स के ब्रांड मैनेजर मयंक जोशी के अनुसार, युद्ध से पहले 6,000-10,000 रुपये प्रति टन मिलने वाला सल्फर अब 1 लाख रुपये प्रति टन हो गया है, जबकि रॉक फॉस्फेट भी तीन गुना महंगा होकर 14,000-15,000 से 30,000-35,000 रुपये प्रति टन पर पहुंच गया है। कच्चे माल की कीमतें बढ़ने से उर्वरक कंपनियों ने उत्पादन घटा दिया है, जिससे बाजार में कीमतें और बढ़ गई हैं। स्थानीय किसान प्रवासी मजदूरों पर निर्भर हैं, जिनकी मजदूरी भी बढ़ी है। एक एकड़ खेत में बोआई का मेहनताना ही करीब 6,000 रुपये देना पड़ता है। मध्य प्रदेश का लगभग 75 फीसदी गन्ना नरसिंहपुर में ही बोया जाता है, जहां 2,000 से अधिक गुड़ उत्पादन इकाइयां हैं। हालांकि, राज्य में कोई घोषित गन्ना नीति नहीं होने से किसानों को अपनी उपज की कीमत के लिए मिल मालिकों पर निर्भर रहना पड़ता है। जीआई टैग प्राप्त करेली गुड़ का बड़ी मात्रा में खाड़ी देशों और मॉरीशस जैसे देशों में निर्यात होता है, लेकिन उत्पादन लागत में वृद्धि अब इसके निर्यात पर भी प्रतिकूल असर डाल सकती है।

ईरान पर अमेरिकी हमले से कच्चे तेल में फिर उबाल

ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर के पार, अमेरिका ने हमले को बताया बचाव का कदम

नई दिल्ली ।

अमेरिका द्वारा ईरान के केश्म द्वीप पर किए गए हमले की खबर से मंगलवार को शुरुआती एशियाई कारोबार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर बड़ा उछाल देखने को मिला। इस घटना ने पश्चिम एशिया में पिछले आठ महीने से जारी संघर्ष के और गहराने की आशंका पैदा कर दी है, जिससे क्षेत्र से वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति लंबे समय तक प्रभावित रहने की चिंता बढ़ गई है। यह उछाल सोमवार को ब्रेंट क्रूड में आई 7.63 फीसदी की बड़ी गिरावट के बाद आया है, जो 104.77 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ था। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 0.5 फीसदी बढ़कर 105.25 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.5 फीसदी की तेजी के साथ 96.93 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिका ने ईरान के केश्म द्वीप पर हमला किया है। कुछ अधिकारियों के मुताबिक, ये हमले बचाव के मकसद से किए गए थे, ताकि ईरान को होर्मुज स्ट्रेट में कारोबारी जहाजों पर हमला करने से रोका जा सके। केसीएम ट्रेड के चीफ मार्केट एनालिस्ट टिम वाटरर ने कहा कि इस खबर से कच्चे तेल की कीमतों में युद्ध से जुड़ा जोखिम फिर बढ़ गया है। वैश्विक आपूर्ति और राजनीतिक दबाव होर्मुज स्ट्रेट में जारी तनाव वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक बड़ा संकट बना हुआ है, क्योंकि संघर्ष शुरू होने से पहले दुनिया के कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कुल आपूर्ति का करीब पांचवां हिस्सा इसी समुद्री रास्ते से गुजरता था। पश्चिम एशिया में किसी भी नई सैन्य कार्रवाई की खबर का असर कच्चे तेल की कीमतों पर तुरंत दिखाई देता है। अमेरिका में मंगलवार को मध्यावधि चुनाव हो रहे हैं और ईरान युद्ध के कारण पेट्रोल की ऊंची कीमतें राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पर संघर्ष खत्म करने का दबाव बढ़ा रही हैं, ऐसे में यह हमला राजनीतिक रूप से भी अहम है।

भारत में मीठी ड्रिंक्स से दूरी बना रहे लोग,जीरो शुगर की मांग दोगुनी

पेप्सी-कोक जैसी कंपनियां अपना रहीं नई रणनीति

नई दिल्ली ।

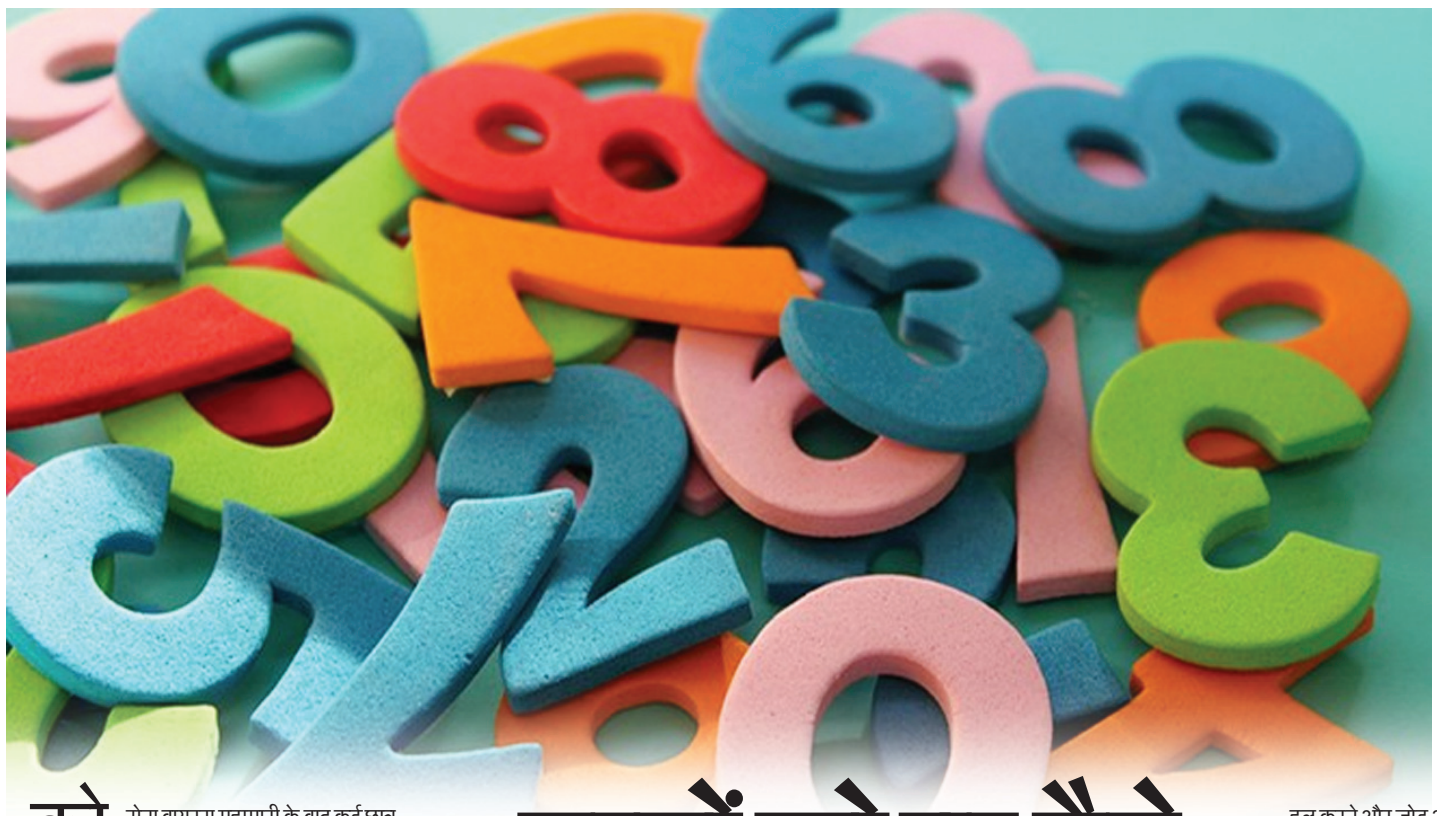
भारत का 60 हजार करोड़ रुपए का सॉफ्ट ड्रिंक बाजार एक बड़े बदलाव से गुजर रहा है। उपभोक्ता अब मीठे पेय पदार्थों के बजाय जीरो और लो शुगर ड्रिंक्स को ज्यादा पसंद कर रहे हैं, जिससे पेप्सीको और कोका-कोला जैसी बड़ी कंपनियों को फायदा हो रहा है।

पेप्सीको के कुल वॉल्यूम में जीरो और लो शुगर ड्रिंक्स की हिस्सेदारी जुलाई से सितंबर 2026 तिमाही में बढ़कर 88 फीसदी हो गई, जो पिछले साल 44 फीसदी थी।

कोका-कोला की डाइट और लाइट ड्रिंक्स की बिक्री में भी तेज उछाल आया है, जहां डाइट कोक की बिक्री में 150 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है और इनकी कुल हिस्सेदारी 60 फीसदी के पार पहुंच गई है।

इस बदलाव के पीछे उपभोक्ताओं में बढ़ती स्वास्थ्य जागरूकता के साथ-साथ चीनी की बढ़ती कीमतें भी एक बड़ा कारण हैं। पिछले साल 40-50 रुपए किलो मिलने वाली चीनी अब 58-65 रुपए किलो तक पहुंच गई है।

पेप्सी की बॉटलिंग पार्टनर वरुण बेवरेजेज जैसी कंपनियों को जीरो शुगर उत्पादों से महंगी चीनी लागत के दबाव को कम करने में मदद मिली है।



कोरोना महामारी के दौरान बच्चे अपने पाठ्यक्रम में से ऐसी विभिन्न कक्षाओं में दाखिला और भाग ले रहे हैं जो उनके कौशल को बढ़ाने के लिए उनके स्कूल द्वारा प्रदान नहीं किया जा रहा है। यह पैटर्न विभिन्न आयु समूहों में देखा गया है जिसके कारण भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग बढ़ रही है।

बच्चों को घर बैठे खेल-खेल में सिखाएं गणित के गुण

कोरोना वायरस महामारी के बाद कई छात्र काफी मानसिक तनाव महसूस कर रहे हैं। इस तनाव को दूर करने के लिए कई छात्र नए-नए हुनर सीख रहे हैं। ऐसे में भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग काफी बढ़ गई है। माता-पिता अपने बच्चों को नए कौशल सिखाने के लिए ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म का सहारा ले रहे हैं। ऐसे में अगर आप अपने बच्चे को गणित और सांख्यिकी गणना सिखाना चाहते हैं तो अबेकस ट्रेनिंग क्लास की मदद से आप अपने बच्चों को खेल में गणित पढ़ा सकते हैं।

कोरोना महामारी के दौरान बच्चे अपने पाठ्यक्रम में से ऐसी विभिन्न कक्षाओं में दाखिला और भाग ले रहे हैं जो उनके कौशल को बढ़ाने के लिए उनके स्कूल द्वारा प्रदान नहीं किया जा रहा है। यह पैटर्न विभिन्न आयु समूहों में देखा गया है जिसके कारण भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग बढ़ रही है। माता-पिता अलग-अलग ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म ढूंढ रहे हैं जिसके माध्यम से उनके बच्चों को रचनात्मक सीखने के माहौल में पाला जा सकता है। गणित और संख्या कुछ बच्चों के लिए स्वाभाविक रूप से आती है, लेकिन जब गणना की बात आती है तो स्कूल और कॉलेज के छात्रों का एक बड़ा हिस्सा कुछ हद तक संघर्ष करता है। अबेकस, जैसा कि हम सभी जानते हैं, सदियों से मौजूद है और इसे अंकगणितीय कौशल और संख्यात्मक प्रवाह को विकसित करने के लिए दुनिया भर में सबसे अच्छे उपकरणों में से एक माना जाता है।

अबेकस टूल का उपयोग गणितीय कार्यों जैसे जोड़, घटाव, गुणा, वर्ग या घनमूल को करने के लिए किया जाता है। अबेकस का उपयोग दशमलव अंक, ऋणात्मक संख्या और बहुत कुछ गिनने के लिए भी किया जा सकता है। अपने गणना कौशल में सुधार के अलावा, अबेकस सीखने से बच्चे के समग्र विकास में मदद मिल सकती है। अबेकस सीखने के कुछ लाभ इस प्रकार हैं :

- कैलकुलेशन की गति और सटीकता में सुधार करता है
- विश्लेषणात्मक कौशल और तार्किक रीजनिंग का निर्माण करता है
- गणित में रुचि पैदा करता है
- एकाग्रता और अवलोकन शक्ति को बढ़ाता है
- मेमोरी में सुधार करता है
- आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान बनाता है



यहां भारत में पांच ऐसे प्लेटफार्मों के बारे में बताया गया है जो 100 प्रतिशत डिजिटल एबेकस प्रशिक्षण प्रदान करते हैं और युवाओं को भविष्य के रोल मॉडल बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

ब्रिटिश यूथ इंटरनेशनल कॉलेज

यूके स्थित प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन अबेकस शिक्षण मंच लॉन्च करने वाली दुनिया की पहली कंपनी है। उनके मंच में पूरी तरह कार्यात्मक वर्चुअल अबेकस है जो बच्चों के समग्र मानसिक विकास के लिए इंटरैक्टिव प्रशिक्षक के नेतृत्व वाली अबेकस शिक्षण पद्धति का उपयोग करता है। ये ऑनलाइन कक्षाएं चरण-दर-चरण अप्रोच प्रदान करती हैं जिसका उद्देश्य छात्रों को अबेकस को ध्यान में रखकर मार्गदर्शन करना और कैलकुलेटर की तुलना में तेजी से संख्या की गणना करना है। शिक्षक प्रत्येक छात्र को गहन शिक्षण प्रदान करते हैं। वे जोड़, घटाव, गुणा, भाग, दशमलव जोड़, दशमलव घटाव, दशमलव गुणा और दशमलव भाग को कवर करते हैं। वे एकमात्र अबेकस कंपनी हैं जो दशमलव आधारित गणना प्रदान करती हैं।

उडेमी

उदमी अबेकस कोर्स का उद्देश्य आपकी गणना, क्षमता, संख्या बोध और मानसिक अंकगणित को बेहतर बनाने में मदद करके मस्तिष्क का विकास करना है। यह पाठ्यक्रम मल्टीमीडिया और एनिमेशन के जरिये आपको सिखाएगा कि अबेकस पर सही और तेज बुनियादी गणित संचालन कैसे करें। इन अबेकस ऑनलाइन कक्षाओं को शुरू करके बच्चे अबेकस पर संख्याएं रखने, हल करने और जोड़ और घटाव को समझने में सक्षम होंगे।

अबेकस सुपरमैथ्स

'सुपरमैथ्स' छात्रों को अबेकस टूल का उपयोग करने के लिए एक दोस्ताना और इंटरैक्टिव मंच प्रदान करता है। उनकी कक्षाएं आपको ऑनलाइन वर्कशीट पर काम करके मानसिक सिद्धांत अवधारणाओं को अभ्यास में लाने की अनुमति देती हैं। यह कोर्स दो ट्रैक में आता है, जूनियर और सीनियर। पहले ट्रैक में 11 स्तर होते हैं जबकि दूसरे वरिष्ठ ट्रैक में 8 स्तर होते हैं। प्रत्येक स्तर के अंत में एक ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की जाती है जिसके बाद छात्र को अगले स्तर पर पदोन्नत किया जाता है। वे प्रशिक्षक के नेतृत्व में आवेदन आधारित वीडियो कक्षाओं के माध्यम से पढ़ाते हैं।

अबेकस मास्टर

अबेकस मास्टर ने अबेकस को अधिक रोचक और मनोरंजक बनाने के लिए अनूठी विशेषताओं के साथ एक व्यापक शिक्षण मंच बनाया है। यह ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म 5-12 वर्ष की आयु के बीच के छात्रों को अबेकस प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसमें आठ स्तर शामिल होते हैं जो बुनियादी से लेकर उन्नत अबेकस गणनाओं तक सभी विषयों को कवर करते हैं। छात्र इस पाठ्यक्रम को अपनी गति के हिसाब से ले सकते हैं; हालाँकि, पोर्टल पूरी तरह से आश्वस्त होने के लिए प्रत्येक स्तर पर कम से कम दो महीने बिताने का सुझाव देता है। उनकी कक्षाएं एनिमेशन, अंजान वीडियो और प्रैक्टिस वर्कशीट की मदद से दी जाती हैं।

स्मार्ट किड अबेकस

स्मार्ट किड की 'अबेकस प्रेक्टाइजी' बच्चों के लिए अबेकस ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करती है। ये कक्षाएं सप्ताह में एक बार 45 मिनट के लिए आयोजित की जाती हैं। समय में कोई पाबन्दी नहीं है और छात्र कई प्रकार के पाठ्यक्रमों में से चुन सकते हैं। यह आठ स्तरीय पाठ्यक्रम है जिसमें 5 बुनियादी और 3 अग्रिम स्तर हैं। पाठ्यक्रम 4-14 वर्ष आयु वर्ग के छात्रों के लिए डिजाइन किए गए हैं और ये पाठ्यक्रम कौशल के विकास के साथ-साथ संपूर्ण मस्तिष्क विकास को बढ़ावा देते हैं।



फ्लाइट में यात्रियों की मेहमान नवाजी कर कमाएं हजारों

केबिन क्रू की जिम्मेदारी फ्लाइट में आने वाले यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखना, उनकी जरूरतों को पूरा करना और यात्रियों को फ्लाइट के नियम समझाना होता है। बहुत से लोग केबिन क्रू बनना चाहते हैं लेकिन उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं होती है कि केबिन क्रू कैसे बनें।

केबिन क्रू का मतलब होता है केबिन के कर्मचारी। किसी भी फ्लाइट में जहाँ यात्री बैठते हैं, उसे केबिन कहते हैं। फ्लाइट में यात्रियों की सेवा और सुरक्षा के लिए जो टीम होती है, उसे केबिन क्रू कहते हैं। केबिन क्रू की जिम्मेदारी फ्लाइट में आने वाले यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखना, उनकी जरूरतों को पूरा करना और यात्रियों को फ्लाइट के नियम समझाना होता है। बहुत से लोग केबिन क्रू बनना चाहते हैं लेकिन उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं होती है कि केबिन क्रू कैसे बनें। आज के इस लेख में हम आपको केबिन क्रू बनने के लिए जरूरी योग्यता, प्रक्रिया और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी देंगे

योग्यता

- उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं कक्षा में साइंस, कॉमर्स या आर्ट्स किसी भी स्ट्रीम में पास होना चाहिए। या किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी अगर आपने किसी भी सब्जेक्ट में स्नातक की हो तो आप केबिन क्रू की जॉब के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- आवेदक की ऊंचाई 157 से 170 सेंटीमीटर के बीच होनी चाहिए।
- आवेदक की आयु 17 से 26 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

जरूरी कौशल

- केबिन क्रू बनने के लिए अच्छी कम्युनिकेशन स्किल होनी चाहिए।
- केबिन क्रू बनने के लिए दूसरों के साथ अच्छी तरह से बातचीत करने का ढंग होना चाहिए।
- आपके शरीर पर किसी प्रकार का टैटू नहीं होना चाहिए।
- आपकी अंग्रेजी एवं हिंदी भाषा पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए।
- केबिन क्रू बनने के लिए अच्छी पर्सनालिटी और गुड लुक्स भी जरुरी होते हैं।

कोर्सेज

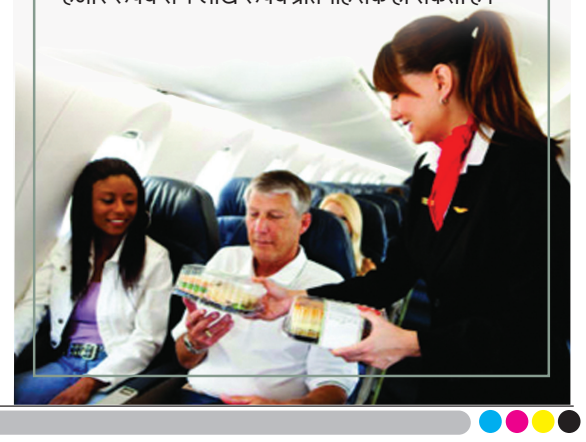
- डिप्लोमा इन केबिन क्रू एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एयरलाइन एंड ट्रेवल मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एविएशन एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एयरलाइन केबिन क्रू
- सर्टिफिकेट कोर्स इन एयर हॉस्टेस

केबिन क्रू कैसे बनें

- एयरलाइन कंपनियां समय-समय पर केबिन क्रू की भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी करती हैं।
- केबिन क्रू का एप्लीकेशन फॉर्म भरने के बाद आवेदक को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है।
- इंटरव्यू क्लियर करने के बाद आवेदक की शारीरिक जाँच और मेडिकल टेस्ट होता है।
- मेडिकल टेस्ट क्लियर करने के बाद ग्रुप डिस्कशन होता है।
- इन सभी टेस्ट्स को पास करने वाले उम्मीदवारों का चयन केबिन क्रू के लिए होता है।

सैलरी

शुरुआत में बतौर केबिन क्रू आपकी सैलरी प्रतिमाह 30,000 रूपये से 50,000 रूपये तक हो सकती है। हालंकि, समय के साथ अनुभव होने पर सैलरी बढ़कर 70 हजार रूपये से 1 लाख रूपये प्रतिमाह तक हो सकती है।



वैकल्पिक चिकित्सा में कॅरियर बनाना चाहते हैं तो चुनें मैग्नेटिक थेरेपी

एक मैग्नेटो चिकित्सक को मैग्नेटोमीटर के सही उपयोग के बारे में पता होना चाहिए, जो एक चुंबक के ध्रुवों को निर्धारित करता है। इसके अलावा आपको चुंबकीय चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरणों की भी सही जानकारी होनी चाहिए।

मैग्नेटिक थेरेपी, जिसे मैग्नेट थेरेपी या मैग्नो थेरेपी भी कहा जाता है, वास्तव में एक वैकल्पिक चिकित्सा उपचार है, जिसमें विभिन्न रोगों के उपचार के लिए चुंबक का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक बेहद सिंपल, इफेक्टिव, सुरक्षित व पूरी तरह से दर्दरहित प्राकृतिक उपचार है। चुंबकीय चिकित्सा को एक विज्ञान के साथ-साथ एक कला के रूप में माना जाता है, क्योंकि इसमें मानव के विभिन्न अंगो, रोगों को जानने के साथ-साथ व मैग्नेट के उचित उपयोग को जानना भी उतना ही जरूरी है। विज्ञान में, चुंबकीय चिकित्सा एक्यूपंक्चर के समान है। वहीं कला में, इसमें विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए शरीर के विभिन्न हिस्सों पर विभिन्न आकारों और शक्तियों के मैग्नेट का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक बेहद डिफरेंट चिकित्सा थेरेपी है। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं कॅरियर-

स्किल्स

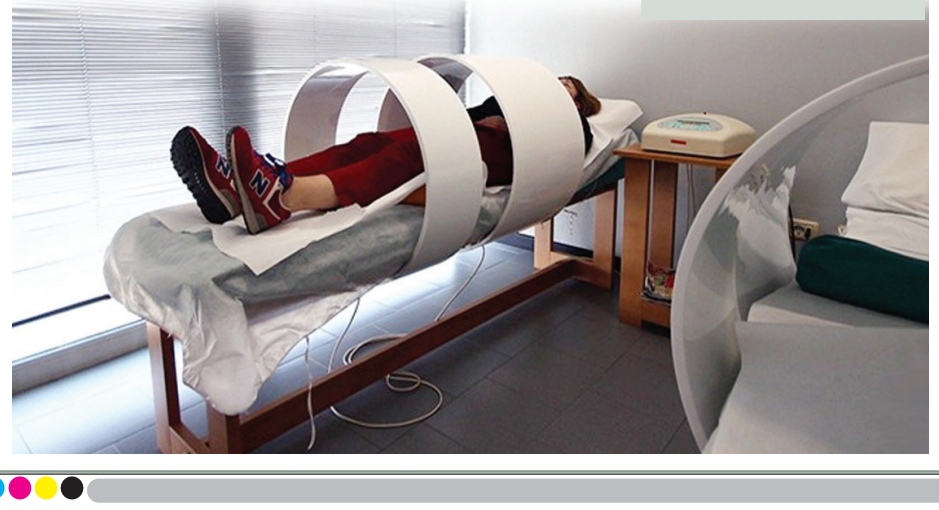
एक मैग्नेटो चिकित्सक को मैग्नेटोमीटर के सही उपयोग के बारे में पता होना चाहिए, जो एक चुंबक के ध्रुवों को निर्धारित करता है। इसके अलावा आपको चुंबकीय चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरणों की भी सही जानकारी होनी चाहिए। इसके अलावा उन्हें मानव शरीर व उसके महत्वपूर्ण अंगों की रचना व उसके विज्ञान के बारे में भी पता होना चाहिए।

शैक्षणिक योग्यता

भारत में केवल कुछ ही संस्थान मैग्नेट थैरेपी पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहे हैं। मैग्नेट थेरेपी में सर्टिफकिट, डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए न्यूनतम योग्यता 10, 2 है और पीजी पाठ्यक्रमों के लिए स्नातक होना आवश्यक है। डिप्लोमा कोर्स की अवधि 1 वर्ष की है और स्नातक और स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स 2 वर्ष का है। कुछ संस्थान शार्ट टर्म डिप्लोमा और मास्टर डिप्लोमा कोर्स भी करवाते हैं, जिनकी अवधि एक से तीन महीने की होती है। एक मैग्नेटिक थेरेपिस्ट प्राइवेट व पब्लिक हॉस्पिटल, नेचुरोपैथी हॉस्पिटल या वैकल्पिक उपचार चिकित्सा केन्द्रों में काम कर सकते हैं। इसके अलावा मैग्नेटिक थेरेपिस्ट इंडिपेंडेंट प्रैक्टिस भी कर सकते हैं। इतना ही नहीं, वह उपचार के लिए मैग्नेटिक ज्वैलरी, ब्रेसलेट व अन्य उत्पादों को भी बेच सकते हैं। एक मैग्नेटिक थेरेपिस्ट की आय असीमित है। उनकी आय उनके चिकित्सीय कौशल पर निर्भर करती है। सेल्फ इंपलायड मैग्नेटिक थेरेपिस्ट घंटे के हिसाब से चार्ज करते हैं। उनका एक सेशन करीबन 20 से 30 मिनट का होता है।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, कोलकाता
- एक्यूप्रेशर रिसर्च, टेनिंग व टीटमेंट इंस्टीट्यूट, जोधपुर
- ऑल इंडिया पैरा मेडिकल टेक्नोलॉजी एंड अल्टरनेटिव मेडिकल काउंसिल, लुधियाना
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरोपैथी, पुणे
- कॉलेज ऑफ क्लिनकिल मैग्नेटोलॉजी और प्राण हीलिंग कॉलेज, त्रिशूर
- इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च, कोलकाता
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च, बैंगलोर
- महेन्द्र इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, जयपुर





एक्वापॉनिक्स फार्मिंग में है बेहतर भविष्य

क्वापोनिक्स दो शब्दों से मिलकर बना है। पहला एक्वाकल्चर जिसमें मछली पालन होता है और दूसरा हाइड्रोपोनिक जिसमें पानी पर खेती होती है। एक्वापोनिक्स में एक ही पारिस्थितिकी तंत्र में मछलियाँ और पौधे एक साथ उगाए जा सकते हैं। इसमें परंपरागत खेती की तुलना में लगभग 90 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है।

आज के समय में एग्रीटेक स्टार्टअप बहुत तेजी से विकसित हो रहा है। एक्वापोनिक्स दो शब्दों से मिलकर बना है। पहला एक्वाकल्चर जिसमें मछली पालन होता है और दूसरा हाइड्रोपोनिक जिसमें पानी पर खेती होती है। एक्वापोनिक्स में एक ही पारिस्थितिकी तंत्र में मछलियाँ और पौधे एक साथ उगाए जा सकते हैं। इसमें परंपरागत खेती की तुलना में लगभग 90 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है जबकि इसमें पौधे दोगुनी रफ्तार से बढ़ते हैं। एक्वापॉनिक्स में एक फिश टैंक में मछली पालन किया जाता है और दूसरी तरफ पानी पर हाइड्रोपोनिक खेती का सिस्टम बनाया जाता है। फिश टैंक में मछलियां फीड खाने के बाद करीब 70 फीसदी तक मल निकालती हैं जिसमें अमोनिया होता है। इसके बाद फिश टैंक से अमोनिया वाले पानी को हाइड्रोपोनिक खेती के लिए इस्तेमाल किया जाता है। जब ये पानी पौधों की जड़ों तक पहुंचता है तो वहां मौजूद बैक्टीरिया इसे नाइट्रोजन में तोड़ देते हैं। यह पौधों के विकास के लिए बहुत ही अहम होता है। इसके बाद पानी को फिर से प्यूरिफाई किया जाता है और दोबारा मछलियों के टैंक में डाला जाता है। इस तरह एक ही पानी बार-बार इस्तेमाल होता रहता है और पानी की बचत होती है।

एक्वापोनिक फार्मिंग सेटअप तैयार करने में कितनी लागत आएगी यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप बड़ा सेटअप तैयार करना चाहते हैं या छोटा। उदाहरण के लिए अगर आप एक एकड़ जमीन पर एक्वापोनिक फार्मिंग करते हैं तो आपका करीब 3 करोड़ रूपए तक का खर्चा आ सकता है। इसके साथ ही अगर आप मुनाफा चाहते हैं तो आपको अच्छी क्वालिटी वाली चीजें इस्तेमाल करनी होंगी। एक्वापोनिक खेती से हुई पैदावार पूरी तरह ऑर्गेनिक होती है इसलिए आप इसके लिए सामान्य की तुलना में दो से तीन गुना कीमत कमा सकते हैं। हालाँकि, आपको पैदावार से पहले ही उसे बेचने की तैयारी कर लेनी होगी वरना आपको भारी नुकसान हो सकता है। इसके लिए आप बड़े-बड़े रिटेल स्टोर, रेस्टोरेंट और फाइव स्टार होटलों से कॉन्ट्रैक्ट कर सकते हैं।

रोहित-विराट 6 साल बाद न्यूजीलैंड में साथ खेलेंगे

कोहली ने यहां 50 की औसत से 596 रन बनाए, रोहित को अब भी शतक का इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और विराट कोहली फरवरी 2020 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड की धरती पर साथ खेलेंगे। दोनों आखिरी बार 29 फरवरी 2020 को हैमिल्टन में तीसरे टी-20 इंटरनेशनल में उतरे थे। इसके बाद वे 4 नवंबर को पांच वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में एक साथ उतरेंगे। टेस्ट और टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने के बाद अब दोनों सिर्फ वनडे खेल रहे हैं। ऐसे में यह सीरीज 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने का मौका है। यह दोनों का न्यूजीलैंड का आखिरी दौरा भी हो सकता है।

न्यूजीलैंड में कोहली का रिकॉर्ड रोहित से बेहतर - न्यूजीलैंड की पिचों पर तेज गेंदबाजों को हवा और उछाल से मदद मिलती है। गेंद स्विंग होने पर बल्लेबाजों के लिए उसे सही समय पर खेलना चुनौती बन जाता है। इन परिस्थितियों में विराट कोहली का रिकॉर्ड रोहित शर्मा से बेहतर रहा है। कोहली न्यूजीलैंड में 600 वनडे रन पूरे करने से सिर्फ 4 रन दूर हैं। उन्होंने वहां 13 वनडे में 596 रन बनाए हैं। उनका औसत 49.66 और स्ट्राइक रेट 91.41 है। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 4 अर्धशतक लगाए हैं। रोहित ने न्यूजीलैंड में 14 वनडे में 437 रन बनाए हैं।

भारत-न्यूजीलैंड पहला वनडे आज

15 हजार रन से 400 छक्कों तक, रोहित शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में बना सकते हैं 5 रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की रोमांचक वनडे सीरीज के लिए भारत तैयार है। इसका पहला मुकाबला आज (4 नवंबर) को ऑकलैंड में खेला जाएगा। इस सीरीज में रोहित शर्मा के पास कई रिकॉर्ड तोड़ने और नए मुकाम हासिल करने का मौका होगा। वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में घरेलू सीरीज में शानदार फॉर्म दिखाने वाले रोहित चाहेंगे कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ इन पांच वनडे मैचों में भी बेहतरीन प्रदर्शन करें। न्यूजीलैंड में खेले गए वनडे मैचों की बात करें तो रोहित शर्मा ने 14 मैचों की 13 पारियों में 36.41 के औसत से 437 रन बनाए हैं। इसमें चार अर्धशतक शामिल हैं। रोहित शर्मा के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच वनडे में 21 हजार अंतरराष्ट्रीय रन और वनडे में 400 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बनने का मौका होगा। यहां कुछ ऐसे रिकॉर्ड और मुकाम दिए गए हैं, जिन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ इन पांच वनडे मैचों के दौरान रोहित शर्मा हासिल कर सकते हैं:

21 हजार इंटरनेशनल रन - रोहित 21 हजार इंटरनेशनल रन पूरे करने से बस 348 रन दूर हैं।



उन्होंने 517 इंटरनेशनल मैचों की 550 पारियों में 42.66 के औसत से 20,652 रन बनाए हैं। इसमें 52 शतक और 113 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 264 रन है। न्यूजीलैंड में एक शतक लगाते ही रोहित शर्मा, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और शिखर धवन की उस सूची में शामिल हो जाएंगे, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया इन सभी देशों में वनडे शतक लगाए हैं।

SENA देशों में 5,000 रन बनाने वाले पहले ओपनर - रोहित विदेश में एक बार फिर इतिहास रचने के करीब हैं। वह दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया देशों में 5,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने वाले पहले भारतीय ओपनर बनने से सिर्फ 36 रन दूर हैं। रोहित ने 114 मैचों की 123 पारियों में 44.32 के औसत से 4,964 रन बनाए हैं, जिसमें 17 शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 171 है।

जीत में 15 हजार अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बनने के करीब - रोहित शर्मा ने 327 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 340 पारियों में जीत के दौरान 51.62 के औसत से 14,817 रन बनाए हैं। इसमें 42 शतक और 79 अर्धशतक शामिल हैं। 183 रन और बनाते ही वह जीत में 15 हजार अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने वाले चौथे खिलाड़ी बन जाएंगे। रिकी पोंटिंग (377 मैचों में 55 शतकों के साथ 20,140 रन), विराट कोहली (338 मैचों में 60 शतकों के साथ 18,589 रन) और सचिन तेंदुलकर (307 मैचों में 53 शतकों के साथ 17,113 रन) पहले ही इस क्लब का हिस्सा हैं।

वनडे में 400 छक्कों तक पहुंचने वाले पहले बल्लेबाज - रोहित शर्मा को वनडे में 400 छक्कों तक पहुंचने वाले पहले बल्लेबाज बनने के लिए 19 और छक्कों की जरूरत है। अभी उनके नाम वनडे में 381 छक्के दर्ज हैं। अगर वे 7 छक्के और लगा लेते हैं तो वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 700 छक्कों के आंकड़े तक भी पहुंच जाएंगे।

कोहली के पास वनडे में 7 रिकॉर्ड बनाने का मौका - भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज में विराट कोहली लिस्ट ए में सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं। उन्हें वनडे रन-चेज में सबसे ज्यादा रन बनाने के लिए 54 रन और चाहिए।

यशस्वी जायसवाल ने ठोकी धमाकेदार सेंचुरी

साई सुदर्शन फ्लॉप, देवदत्त पडिक्कल का नहीं खुला खाता



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड पहुंचकर अपनी तैयारी शुरू कर दी है। भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच तीन मैचों की सीरीज जारी है, जो कि अनाधिकारिक है। इसी के दूसरे मैच में यशस्वी जायसवाल ने धमाकेदार सेंचुरी ठोक दी है। हालांकि साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल का बल्ला नहीं चला। इस बीच भारत ने ?न्यूजीलैंड पर अच्छी बढ़त बना ली है।

यशस्वी जायसवाल ने 119 बॉल पर पूरी की अपनी सेंचुरी - यशस्वी जायसवाल ने भारत ए की ओर से खेलते हुए न्यूजीलैंड ए के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी की और अपना शतक पूरा किया। उन्होंने केवल 119 बॉल पर अपनी सेंचुरी पूरी कर ली। खास बात ये रही कि अपने आक्रामक अंदाज में जायसवाल ने छक्का लगाकर इस मुकाम को हासिल किया। शतक लगाने के बाद जायसवाल और भी ज्यादा आक्रामक हो गए और अपनी बल्लेबाजी जारी रखी। इससे पहले इसी सीरीज के पहले मैच में वे पहली पारी में 17 और दूसरी में केवल 5 रन बनाकर आउट हो गए थे, इसके बाद उन पर सवाल उठने शुरू हो गए थे, जो अब कुछ कम जरूर होंगे।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम का ऐलान, इसी महीने होगा भारत से मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की ओर से एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए टीम का ऐलान कर दिया गया है। टूर्नामेंट का आगाज 19 नवंबर से होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच भी मुकाबला होना है। भारतीय टीम का ऐलान पहले ही किया जा चुका है। पाकिस्तानी टीम की कमान अब्दुल समद को दी गई है। इस टूर्नामेंट में जहां एक ओर भारत की ए टीम हिस्सा लेगी, वहीं पाकिस्तानी शाहीन्स भी खेलती हुई नजर आएगी। सभी की नजर भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले पर होगी।

इस बार 50 ओवर का होगा एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट - अब्दुल समद को एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए पाकिस्तानी टीम की कमान सौंपी गई है। ये टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट पर होगा, यानी 50 ओवर का मैच खेला जाएगा। पाकिस्तान ने 15 खिलाड़ियों की टीम चुनी है। इसमें ज्यादातर ऐसे खिलाड़ी हैं, जो इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। टीम में हसन नवाज, हैदर अली, माज सदाकत, शमील हुसैन और फरहान यूसुफ को भी शामिल किया गया है। टीम में गेंदबाजी की जिम्मेदारी मोहम्मद हसनैन, अहमद दानियाल, आकिफ जावेद और सुफियान मुकीम के पास रहेगी।



पाकिस्तान क्रिकेट टीम है डिफेंडिंग चैंपियन - इससे पहले पाकिस्तान शाहीन्स की टीम टी20 और वनडे फॉर्मेट वाला एशिया कप राइजिंग स्टार का? खिताब जीत चुकी है। साल 2023 में जब पिछली बार वनडे फॉर्मेट पर ये टूर्नामेंट हुआ था, तब पाकिस्तानी टीम ही चैंपियन बनी थी। इस बार पाकिस्तान को भारत, नेपाल और यूएई के ग्रुप में रखा गया है।

22 नवंबर को खेला जाएगा भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला

वैसे तो टूर्नामेंट का आगाज 19 नवंबर से हो जाएगा, लेकिन पाकिस्तानी टीम अपना पहला मैच 20 नवंबर को यूएई के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद आएगा सबसे बड़े मुकाबले का दिन। 22 नवंबर को भारत ए और पाकिस्तान शाहीन्स के बीच मैच होना है। इसके बाद टीम 25 नवंबर को नेपाल के खिलाफ अपना आखिरी लीग मैच खेलेगी। दूसरे ग्रुप में बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, हांगकांग और चीन की टीम में शामिल हैं। दोनों ग्रुप से दो टॉप की टीमें सेमीफाइनल में जाएंगी।

एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए पाकिस्तान शाहीन्स की टीम: अब्दुल समद (कप्तान), अहमद दानियाल, आकिफ़ जावेद, दानिश अजीज, फरहान यूसुफ, हैदर अली, हसन नवाज, माज सदाकत, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद इमरान, रोहेल नजीर (विकेट कीपर), साद मसूद, शाहजैब खान, शमील हुसैन, सुफियान मुकीम।

एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए भारत ए की टीम: अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, प्रभसिमरन सिंह (विकेट कीपर), तिलक वर्मा (कप्तान), रजत पाटीदार (उपकप्तान), रिंकू सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेट कीपर), सूर्यांश शेडगे, शाहबाज अहमद, विप्रज निगम, हर्ष दुबे, तनुश कोटियन, हर्षित राणा, प्रिंस यादव, अरशद खान।

ग्लेन मैक्सवेल ने 38 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट से लिया संन्यास

ऑस्ट्रेलिया के लिए खेले कुल 286 मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट जगत से एक बड़ी खबर सामने आई है। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने 38 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। इसके साथ ही उनके शानदार इंटरनेशनल करियर का अंत हो गया। मैक्सवेल ने अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी, गेंदबाजी और बेहतरीन फील्डिंग से खेल जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाई थी और उन्हें व्हाइट-बॉल क्रिकेट में दुनिया के सबसे खतरनाक खिलाड़ियों में गिना जाता था। वह हाल ही में ETPL में खेलते हुए नजर आए थे।

2012 में मैक्सवेल ने किया था इंटरनेशनल डेब्यू - ग्लेन मैक्सवेल ने साल 2012 में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था। वह अपनी ताबड़तोड़ और आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर बहुत कम समय में ही क्रिकेट की दुनिया में अपना नाम बनाने में कामयाब रहे। उन्होंने 149 वनडे मैचों में कुल 3990 रन बनाए, जिसमें 4 शानदार शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। वनडे में उनका खेलने का तरीका बेहद आक्रामक था और उनका स्ट्राइक रेट 126.71 का रहा। ह्वशठ्ठ में उनका सबसे बड़ा स्कोर नाबाद 201 रन रहा, जो उन्होंने साल 2023 के वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान के खिलाफ एक मुश्किल समय में ऐतिहासिक पारी खेलते हुए बनाया था।



वनडे में मैक्सवेल का प्रदर्शन रहा शानदार - मैक्सवेल सिर्फ एक शानदार बल्लेबाज ही नहीं, बल्कि एक बेहतरीन ऑफ स्पिनर भी थे। उन्होंने वनडे में 77 और टी20 इंटरनेशनल में 51 विकेट हासिल किए थे। इसके अलावा फील्डिंग में भी उन्होंने कमाल किया था। उन्हें अपने दौर के सबसे बेहतरीन फील्डरों में गिना जाता था। टी20 क्रिकेट की बात करें तो उन्होंने 130 मैचों में 2897 रन बनाए, जिसमें 5 शतक और 12 अर्धशतक शामिल हैं। इस फॉर्मेट में उनका स्ट्राइक रेट 154 से भी ज्यादा का था। वहीं टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 7 मैच खेलकर 1 शतक की मदद से कुल 339 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया के लिए वह कुल 286 इंटरनेशनल मैच खेलने में कामयाब रहे।

आईपीएल में भी कई फ्रेंचाइजी के लिए खेल चुके हैं मैक्सवेल - इंटरनेशनल क्रिकेट के साथ-साथ फ्रेंचाइजी क्रिकेट में भी ग्लेन मैक्सवेल का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। आईपीएल में भी मैक्सवेल का जलवा खूब देखने को मिला। उन्होंने आईपीएल में 141 मैच खेलकर 2819 रन बनाए। मैक्सवेल दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस, पंजाब किंग्स और आरसीबी जैसी बड़ी टीमों के लिए खेल चुके हैं। वह ऑस्ट्रेलिया की 2015 और 2023 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का भी अहम हिस्सा रहे थे।

प्रेमा रावत ने तोड़ा पाकिस्तानी खिलाड़ी का वर्ल्ड रिकॉर्ड

14 गेंदों में फिफ्टी जड़कर रचा इतिहास



नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर प्रेमा रावत ने महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया है। भारतीय सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी में उत्तराखंड टीम की तरफ से खेलते हुए प्रेमा ने आतिशी बल्लेबाजी करते हुए मात्र 14 गेंदों में ही 50 रन ठोक डाले। इस तरह प्रेमा ने पाकिस्तानी खिलाड़ी फातिमा सना का पुराना रिकॉर्ड तोड़कर यह नया कीर्तिमान अपने नाम कर लिया है।

फातिमा सना ने 15 गेंदों में लगाया था अर्धशतक - इससे पहले महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज फिफ्टी बनाने का रिकॉर्ड फातिमा सना के नाम था, जिन्होंने 15 गेंदों पर फिफ्टी बनाई थी। अब प्रेमा रावत ने सिर्फ 14 गेंदों में यह कमाल करके पूरी दुनिया में अपना और देश का नाम रोशन कर दिया है। आपको बता दें कि प्रेमा ने अपनी इस आतिशी पारी में 50 में से 48 रन सिर्फ चौकों और छक्कों से ही बना डाले। प्रेमा ने इस पारी में 357.14 के तूफानी स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और एक नया इतिहास रच दिया।

उत्तराखंड ने 89 रनों से जीता मुकाबला - मैच की बात करें तो, प्रेमा रावत की शानदार पारी की बदौलत उत्तराखंड की टीम ने 20 ओवरों में सिर्फ 2 विकेट के नुकसान पर 187 रन बनाए। इसके जवाब में हैदराबाद की टीम पूरे ओवर खेलने के बाद भी सिर्फ 98 रन ही बना पाई। इस तरह उत्तराखंड ने यह मैच 89 रनों के बड़े अंतर से जीत लिया। प्रेमा रावत के अलावा उत्तराखंड की तरफ से राघवी बिस्ट ने नाबाद 72 रन और करीना ने 44 रनों की बेहतरीन पारियां खेलीं। वहीं नीलम भारद्वाज ने 19 रनों का योगदान दिया। हैदराबाद के खिलाफ इस मैच में प्रेमा रावत ने गेंदबाजी में भी अपने योगदान दिया। प्रेमा रावत ने इस मैच में 2 विकेट चटकाए। प्रेमा ने अपने 4 ओवर के कोटे में सिर्फ 12 रन देकर ये 2 विकेट हासिल किए। उनके अलावा, निशा और सफीना को भी 2-2 विकेट मिले, जबकि पूजा राज और करीना ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

भारत के लिए 7 टी-20 मैच खेल चुकी हैं प्रेमा रावत - आपको बता दें कि प्रेमा रावत एक गेंदबाज हैं, वह एक स्पिन बॉलर हैं। लेकिन इस मैच में उन्होंने बल्लेबाजी में एक वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया है। 24 साल की यह खिलाड़ी भारत के लिए अब तक 7 टी20 मैच खेल चुकी हैं, जिसमें उन्होंने 7 विकेट भी लिए हैं। इसी साल जून में उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था, और हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में भी वह भारतीय टीम का हिस्सा थीं।

ICC ODI रैंकिंग में अफगानिस्तान ने पहली बार टॉप-6 में बनाई जगह

श्रीलंका-इंग्लैंड को छोड़ा पीछे, भारत नंबर 1 पर



नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान की टीम ने वनडे रैंकिंग में एक बहुत बड़ा और ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लिया है। साल 2009 में अपना पहला वनडे मैच खेलने वाली इस टीम ने पहली बार आईसीसी की वनडे रैंकिंग में टॉप-6 में जगह बना ली है। खास बात यह है कि बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर अफगानिस्तान ने श्रीलंका, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज जैसी पूर्व वर्ल्ड चैंपियन टीमों को पीछे छोड़ते हुए टॉप-6 में पहली बार जगह बनाने में कामयाब रही है। अफगानिस्तान ने पिछले महीने यूएई में वनडे ट्राई सीरीज जीती थी। हाल ही में इस टीम ने हांगकांग सुपर सिक्सेस का खिताब अपने नाम किया था।

अब तक 96 वनडे मैच जीत चुकी है टीम इंडिया - साल 2009 में वनडे क्रिकेट में कदम रखने के बाद से अफगानिस्तान ने इस फॉर्मेट में कुल 191 मैच खेले हैं, जिसमें से उसने 96 मैचों में जीत हासिल की है। इन 17 सालों के शानदार सफर और बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर ही आज अफगानिस्तान की टीम रैंकिंग में मजबूत स्थिति में पहुंच पाई है। दूसरी तरफ श्रीलंकाई टीम के भी रैंकिंग में 94 अंक हैं, लेकिन वह खिसककर सातवें स्थान पर आ गई है। श्रीलंका को लाहौर में हुई वनडे ट्राई सीरीज के फाइनल में तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। फाइनल से पहले भी उसे इंग्लैंड के हाथों 55 रनों से शिकस्त मिली थी। इसके अलावा, रैंकिंग में इंग्लैंड 93 अंकों के साथ आठवें, बांग्लादेश 81 अंकों के साथ नौवें और वेस्टइंडीज 79 अंकों के साथ दसवें स्थान पर है।

वनडे रैंकिंग में टॉप पर है टीम इंडिया - मेंस वनडे रैंकिंग में भारत पहले नंबर पर बना हुआ है और 115 अंकों के साथ टॉप पर है। भारत ने अपनी पिछली वनडे सीरीज घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली थी। अब उसे 4 नवंबर से न्यूजीलैंड में पांच मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। इस रैंकिंग में न्यूजीलैंड 109 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर है, जबकि साउथ अफ्रीका (104 अंक) तीसरे, पाकिस्तान (104 अंक) चौथे और ऑस्ट्रेलिया (102 अंक) पांचवें नंबर पर हैं।

भारत-पाकिस्तान मैच के टिकटों की मांग फाइनल से भी ज्यादा

वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीटें 34 हजार, आवेदन आए 84 लाख; जोहान्सबर्ग में मुकाबला

नई दिल्ली। वनडे वर्ल्ड कप 2027 में भारत और पाकिस्तान के मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है। 10 अक्टूबर के इस मैच के टिकटों के लिए 84 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए हैं। जोहान्सबर्ग के स्टेडियम की दर्शक क्षमता सिर्फ 34 हजार है। यानी उपलब्ध सीटों के मुकाबले करीब 247 गुना ज्यादा आवेदन आए हैं।

फाइनल के लिए भी 79 लाख आवेदन - टिकटों की मांग के मामले में भारत-पाकिस्तान मुकाबला पहले नंबर पर है। आईसीसी के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान मैच के लिए कुल 83,97,294 टिकट आवेदन मिले हैं। 21 नवंबर को इसी स्टेडियम में होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल के लिए 79,00,944 रजिट्रेशन हुए हैं।

21 नवंबर तक टिकट के लिए रजिस्ट्रेशन होंगे - वर्ल्ड कप के टिकटों के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 21 नवंबर 2026 तक जारी रहेगी। इसमें पहले रजिस्ट्रेशन होगा और मांग ज्यादा होने पर कंप्यूटराइज्ड रैंडम लॉटरी से टिकट खरीदने के लिए आवेदकों का चयन किया जाएगा। यह पहले आओ-पहले पाओ वाला सिस्टम नहीं है।

193 देशों से मिले 12 करोड़ आवेदन - आईसीसी को अब तक टूर्नामेंट के लिए 193 देशों से 12 करोड़ से ज्यादा टिकट आवेदन मिले हैं। साउथ अफ्रीका में होने वाले 41 मैचों के लिए ही 10.5 करोड़ से ज्यादा आवेदन मिले हैं। इनमें मेजबान टीम के मैचों के लिए करीब 2.6 करोड़ आवेदन आए हैं।

24 साल बाद अफ्रीका में होगा वर्ल्ड कप - वनडे वर्ल्ड कप 24 साल बाद अफ्रीकी धरती पर लौटेगा। साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया संयुक्त रूप से इसकी मेजबानी करेंगे। टूर्नामेंट में 14 टीमें हिस्सा लेंगी और 12 वेन्यू पर कुल 57 मैच खेले जाएंगे। वर्ल्ड कप के लिए 12 वेन्यू में से 8 साउथ अफ्रीका, 3 जिम्बाब्वे और 1 नामीबिया में है। नामीबिया पहली बार मेंस के सीनियर वर्ल्ड कप के मैचों की मेजबानी करेगा।

'सुबह उठकर सोचता हूं आखिर इतनी मेहनत क्यों करूं'

टीम इंडिया से नजरअंदाज किए जाने पर छलका सरफराज खान का दर्द

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया से बाहर चल रहे घरेलू क्रिकेट के धुरंधर बल्लेबाज सरफराज खान ने एक बार फिर अपनी निराशा खुलकर जाहिर की है। रेलवे के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले के पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अब सुबह उठकर उनके मन में यही सवाल आता है कि जब टीम में मौका ही नहीं मिलना है, तो वह इतनी कड़ी मेहनत क्यों कर रहे हैं। सरफराज ने बताया कि वह रोज सुबह 5 बजे उठकर अपनी पुरानी रूटीन को फॉलो करते हैं। वह भारत के लिए खेल चुके हैं और मुंबई के लिए लगातार रन बना रहे हैं, लेकिन फिर भी टीम में वापसी का इंतजार लंबा होता जा रहा है।



पिता से मिलती है आगे बढ़ने की प्रेरणा - न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से सरफराज ने बताया कि मुश्किल समय और निराशा के दौर में उनके पिता नौशाद खान ही उनकी सबसे बड़ी ताकत और प्रेरणा हैं। सरफराज का कहना है कि जब कभी उनके मन में यह सवाल उठता है कि वह इतनी मेहनत क्यों करें, तब वह अपने पिता को कड़ी मेहनत करते हुए देखते हैं। पिता को देखकर उन्हें फिर से मैदान पर उतरने और उनके लिए रन बनाने की प्रेरणा मिल जाती है। अपनी प्रैक्टिस के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि अगर किसी को उनसे मिलना हो तो उसे घर जाने की जरूरत नहीं है, वह सुबह 6 बजे सीधे आजाद मैदान या क्रॉस मैदान पहुंच जाए, सरफराज वहीं मिलेंगे।

चयनकर्ताओं को सिर्फ घरेलू पिचों के लिए उपयोगी लगती है मेरी सेवाएं- सरफराज

फरवरी 2024 में भारत के लिए टेस्ट डेब्यू करने वाले सरफराज ने अब तक अपने सभी छह टेस्ट मैच देश में यानी घरेलू मैदानों पर ही खेले हैं। उन्होंने एक चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा कि उन्हें ऐसा लगता है कि टीम मैनेजमेंट उनकी सेवाएं सिर्फ भारत की घरेलू पिचों पर ही देख रहा है, हालांकि चयनकर्ताओं ने उन्हें इस बारे में सीधे तौर पर कुछ नहीं बताया है। विदेशी दौरों पर मौका न मिलने पर हैरानी जताते हुए सरफराज ने साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के दौरों का जिक्र किया, जहां उन्होंने 'इंडिया ए' की तरफ से खेलते हुए अभ्यास मैचों में शानदार शतक जड़े थे।

कीर्ति सुरेश ने नहीं की बॉलीवुड में आने की जल्दबाजी



राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कीर्ति सुरेश इन दिनों अपनी आने वाली सीरीज 'अक्का' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस सीरीज में वह अभिनेत्री राधिका आप्टे के साथ दिखाई देंगी। बता दें कि साउथ अभिनेत्री कीर्ति ने 2024 में वरुण धवन स्टारर फिल्म 'बेबी जॉन' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में आने और काम करने को लेकर बात की। कीर्ति ने बताया कि वह हिंदी सिनेमा में काम करना चाहती थीं, लेकिन इसके लिए उन्हें कोई जल्दबाजी नहीं थी। वह चाहती थीं कि सब कुछ सही समय पर अपने आप हो।

क्या बोलीं कीर्ति सुरेश

कीर्ति ने कहा, 'मैं निश्चित रूप से किसी समय हिंदी सिनेमा में काम करना चाहती थी और आखिरकार ऐसा हुआ। इसकी शुरुआत 'अक्का' से हुई। इस बीच 'बेबी जॉन' आई और उसके बाद मैंने राजकुमार राव के साथ 'रफ्तार' नाम की फिल्म की। यह फिल्म भी जल्द रिलीज होनी चाहिए।'

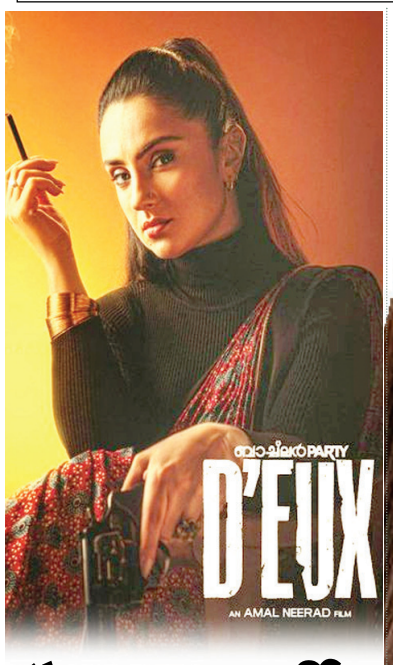
अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मैं किसी रेस में नहीं हूं। ऐसा नहीं है कि मुझे बहुत सारी फिल्में करनी हैं। मैं वही काम कर रही हूं जो मुझे पसंद है। हिंदी सिनेमा में काम करने का मौका भी मुझे इसी तरह मिला। मैं इसके पीछे भाग नहीं रही थी। सब कुछ अपने आप सही समय पर हुआ और अब देखूंगी कि इसे आगे कैसे बढ़ाना है।'

कैसे कीर्ति को मिली 'अक्का'

कीर्ति ने बताया कि धर्मा (निर्देशक) ने मेरी फिल्म 'सानी कायिधम' देखी थी। उसमें मेरा किरदार बेहद मजबूत और बेखौफ था, लेकिन उसके अंदर एक संवेदनशील पहलू भी था। मुझे हमारी पहली मुलाकात याद है। उन्होंने बताया कि उन्होंने यह फिल्म देखी है। तब मैंने उनसे कहा कि अब मैं समझ गई कि आप मुझे यह किरदार क्यों देना चाहते हैं।

कीर्ति और राधिका स्टारर 'अक्का' की कहानी 1980 के दशक में पेरनुरु नाम के एक काल्पनिक राज्य में दिखाई गई है, जहां महिलाओं का दबदबा है। फिल्म की कहानी भवानी (कीर्ति) और रुद्रा (राधिका) नाम की दो ताकतवर महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। दोनों की अलग-अलग सोच और उनके बीच की दुश्मनी राज्य में सत्ता के समीकरण तय करती है। 'अक्का' का निर्देशन धर्मराज शेट्टी ने किया है। सीरीज में कीर्ति सुरेश और राधिका आप्टे के अलावा तन्वी आजमी, महेश मांजरेकर, अंशुमान पुष्कर और मोनिका पंवार समेत कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस सीरीज का निर्माण वाईआरएफ एंटरटेनमेंट ने किया है।





बैचलर पार्टी डी'यूक्स में पेरिस लक्ष्मी की एंट्री

निर्देशक अमल नीरद की चर्चित मलयालम फिल्म 'बैचलर पार्टी डीयूक्स' को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह है। अब मेकर्स ने फिल्म में एक्ट्रेस पेरिस लक्ष्मी के किरदार का नाम भी बता दिया है। वह फिल्म में नलिनी के रोल में नजर आएंगी। निर्देशक अमल नीरद ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा, 'पेरिस लक्ष्मी नलिनी हैं।' यह फिल्म साल 2012 में रिलीज हुई अमल नीरद की हिट फिल्म 'बैचलर पार्टी' का सीक्वल है। यही वजह है कि फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच काफी दिलचस्पी बनी हुई है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, नई फिल्म की कहानी पिछली फिल्म से जुड़ी होगी, लेकिन इसमें कई नए किरदार भी देखने को मिलेंगे। 'बैचलर पार्टी डी'यूक्स' में बड़े सितारों की फौज नजर आएगी। फिल्म में 'प्रेमालु' से पूरे देश में पहचान बनाने वाले अभिनेता नसलेन मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ कुंचाको बोबन, टोविनो थॉमस, सौबिन शाहिर, श्रीनाथ भासी, शराफुद्दीन, शाइन टॉम चाको, चंदू सलीमकुमार, राजिशा विजयन, हंसिका कृष्णा और पेरिस लक्ष्मी भी अहम किरदार निभा रहे हैं। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म में नसलेन के किरदार का नाम खुलासा किया था। वह फिल्म में सोनी की भूमिका निभा रहे हैं। उस समय उनके किरदार के नाम के साथ फिल्म से उनके दो पोस्टर भी जारी किए गए थे।

फिल्म में शाइन टॉम चाको गुरु, चंदू सलीमकुमार मम्मू, श्रीनाथ भासी जावी और शरफुद्दीन पप्पन के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, सौबिन शाहिर फिल्म में डैनी की भूमिका निभा रहे हैं।

दिलचस्प बात यह है कि मेकर्स ने फिल्म में ज्यादातर कलाकारों के लुक के साथ उनके किरदारों के नाम भी सामने ला दिए हैं, लेकिन टोविनो थॉमस के मामले में ऐसा नहीं किया गया है। फिल्म से उनका लुक जारी हो चुका है, लेकिन उनके किरदार का नाम अभी तक नहीं बताया गया है। उनके पोस्टर जारी करते हुए निर्देशक अमल नीरद ने विलियम शेक्सपियर की मशहूर पंक्ति लिखी थी, 'नर्क खाली है और सारे शैतान यहीं हैं।'

'बैचलर पार्टी डी'यूक्स' इस साल 19 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



50 साल की महिला बनने के लिए वामिका गब्बी ने पहना प्रोस्थेटिक्स

अभिनेत्री वामिका गब्बी ने फिल्म 'प्रहार- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ उज्ज्वल निकम' में प्रसिद्ध सरकारी वकील उज्ज्वल निकम की पत्नी ज्योति निकम के किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने बातचीत में किरदार निभाने के लिए प्रोस्थेटिक्स पहनने के अपने अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि मेकअप चेयर पर बैठे-बैठे अपने चेहरे को बदलते हुए देखना किरदार को और भी ज्यादा वास्तविक महसूस करा रहा था। उन्होंने कहा, 'प्रोस्थेटिक्स के बाद जब मैंने खुद को शीशे में देखा, तो कुछ देर तक तो मैं शीशे में खुद को निहारती रह गई। ये एक बहुत ही अजीब एहसास था, क्योंकि मुझे पता था कि वो मैं ही हूँ, लेकिन मैं सामने दिख रहे शख्स को पहचान नहीं पा रही थी। हालांकि, इस पूरे प्रोसेस को मैंने पूरी तरह से इंजॉय किया था।'

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मेकअप चेयर पर बैठने के बाद चेहरे को धीरे-धीरे बदलते हुए देखने पर कहीं न कहीं किरदार आपके लिए और ज्यादा असली लगने लगता है। कई बार तो मैं भूल ही जाती थी कि मैं कितनी अलग दिख रही हूं, जब तक कोई मुझे सेट से मेरी फोटो नहीं दिखा देता था।'

वामिका गब्बी ने बताया कि ज्योति निकम का किरदार निभाना उनके लिए एक अलग ही एक्सपीरियंस था। उन्होंने कहा, 'ज्योति निकम का किरदार निभाना मेरे लिए एक बहुत ही अलग अनुभव था और मुझे खुशी है कि मुझे एक्टिंग के उस पहलू को एक्सप्लोर करने का मौका मिला, जिसे मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था।' ज्योति निकम का किरदार उज्ज्वल निकम (राजकुमार राव द्वारा निभाया गया किरदार) के पेशेवर और निजी जीवन के बीच के तालमेल को दर्शाता है। जब उज्ज्वल निकम देश के सबसे चर्चित मामलों (जैसे 26/11 मुंबई हमले) की कानूनी लड़ाई लड़ रहे होते हैं, तब ज्योति निकम का किरदार उनके पीछे के पारिवारिक दबावों, संघर्ष और मानवीय पहलू को पर्दे पर उतारता है। बताया जाता है कि वामिका गब्बी ने इस किरदार को निभाने से पहले वास्तविक जीवन की ज्योति निकम से मुलाकात की थी, ताकि वह उनके सफर और उनके योगदान को गहराई से समझ सकें।

मैडॉक फिल्म्स के साथ 9वीं बार काम करेंगी कृति

कृति सेनन एक बार फिर अपने नए अंदाज में नजर आने की तैयारी कर रही हैं। अपनी फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाली कृति अब डरावनी कहानी पर बेस्ड फिल्म में लीड रोल प्ले करने वाली हैं। इस फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स करेगा। खास बात यह है कि इस फिल्म के साथ कृति और मैडॉक फिल्म्स की साझेदारी 9वीं बार होने जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक...'कृति ने इस फिल्म के लिए हामी भर दी है। फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। इसकी कहानी और रिलीज डेट से जुड़ी जानकारी भी फिलहाल सामने नहीं आई है। इसमें दर्शकों को हंसाने के बजाय डर का माहौल बनाने पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा।'



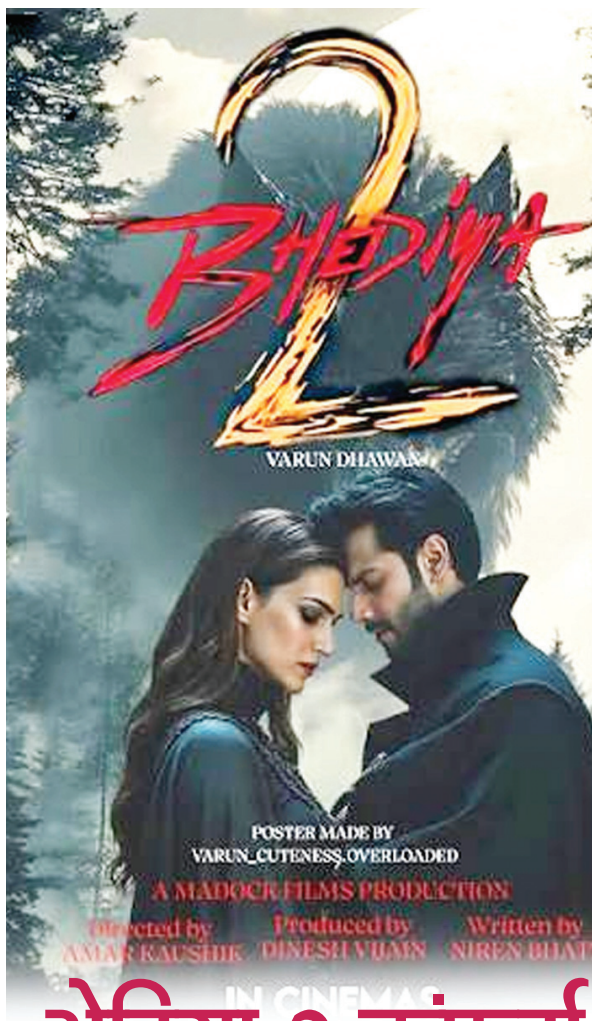
मेनस्ट्रीम सिनेमा में हमेशा पुरुषों का दबदबा रहा, लेकिन अब बदल रहा है दौर

अभिनेता मनोज बाजपेयी इन दिनों क्राइम थ्रिलर फिल्म 'गजब रात' में नजर आ रहे हैं। अभिनेता का मानना है कि जहां मेनस्ट्रीम बॉलीवुड में हमेशा से ही पुरुष किरदारों का दबदबा रहा है, वहां महिलाएं भी धीरे-धीरे और मजबूती से फिल्मों में लीड करती आ रही हैं। अभिनेता मनोज बाजपेयी ने कहा, 'हीरोइनें लंबे समय से हीरो के तौर पर आ रही हैं। विद्या बालन और काजोल की ऐसी कई फिल्में मुझे याद हैं, जो महिला प्रधान रही हैं। धीरे-धीरे ही सही, लेकिन बदलाव लंबे समय से हो रहा है। अभिनेता ने कहा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म के आने से महिलाओं पर केंद्रित कहानियां ज्यादा बनने लगी हैं, क्योंकि ऐसे प्रोजेक्ट्स में उतना पैसा नहीं लगता जितना सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्मों में लगता है। मनोज बाजपेयी ने कहा, 'ओटीटी के आने के बाद महिला प्रधान फिल्में या सीरीज देखने को मिल रही हैं, क्योंकि इन्हें रिलीज करने की कीमत उतनी बड़ी नहीं होती है।'

मनोज बाजपेयी ने चर्चा को सिर्फ महिलाओं वाली फिल्मों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्होंने बताया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म ने उन पुरुष कलाकारों के लिए भी मौके पैदा किए हैं, जिन्हें मेनस्ट्रीम सिनेमा में सही पहचान नहीं मिल पा रही थी। उन्होंने कहा, 'उन कलाकारों को देखिए जो पहले ठीक से पहचाने भी नहीं जाते थे। पुरुष कलाकार मेनस्ट्रीम सिनेमा में अपनी जगह भी नहीं बना पाते थे। उन्हें ओटीटी पर इतना सम्मान मिल रहा है।'

उन्होंने आगे कहा, 'और उनकी लाइफस्टाइल भी बनी हुई है। उन सभी किरदारों की वजह से, जो उन्हें मिल रहे हैं, उन्हें अपनी जिंदगी में एक तरह का सुकून मिल रहा है।' फिल्म 'गजब रात' में अभिनेता मनोज बाजपेयी दिल्ली पुलिस के सब-इंस्पेक्टर 'अजय निर्वित' (अजय दीक्षित) की भूमिका में हैं, जो एक भ्रष्ट और शातिर पुलिस अधिकारी होता है। इस फिल्म में उनके अलावा नुसरत भरुचा, दिव्या दत्ता, अक्षय ओबेरॉय, साकिब सलीम, श्रद्धा दास और किकू शारदा अहम भूमिकाओं में हैं। इसका निर्देशन रितेश शाह ने किया है और इसे नीरज पांडे ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म का पुराना नाम 'घूसखोर पंडित' था, जिसे विवाद और सुप्रीम कोर्ट तक मामला पहुंचने के बाद बदलकर 'गजब रात' किया गया था।





भेड़िया 2 कंफर्म

कृति की वरुण और अमर कौशिक की मुलाकात से बढ़ा उत्साह

कृति सेनन ने अपनी फिल्म 'भेड़िया' के सह-कलाकार वरुण धवन और फिल्म के निर्देशक अमर कौशिक के साथ फिर से मुलाकात करके फिल्म फैंस के बीच उत्साह बढ़ा दिया। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल के 'स्टोरीज' सेक्शन में एक छोटी क्लिप अपलोड की। इसमें कृति, वरुण और अमर कैमरे की तरफ देखकर मुस्कुराते हुए और भेड़िये की तरह आवाज निकालते हुए नजर आए, जो उनकी फिल्म 'भेड़िया' की ओर इशारा था। वीडियो पर लिखे टेक्स्ट से संकेत मिला कि वे शायद किसी नए प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। इसमें लिखा था, 'एक ऐसा सरप्राइज रीयूनियन, जो आपको 'दीवाना' बना देगा। वरुण ने भी कृति की इस पोस्ट को अपने ऑफिशियल हैंडल पर रीशेयर किया। हालांकि, अभी पक्का नहीं है, लेकिन हो सकता है कि ये तीनों 'भेड़िया 2' की घोषणा करने की योजना बना रहे हों।

वैसे, 'भेड़िया' के अलावा कृति और वरुण ने साथ में 'दिलवाले' भी की थी। अगर 'भेड़िया 2' आती है तो यह पर्दे पर उनकी तीसरी जोड़ी होगी। मई में ये दोनों दोस्तों और संगीत के साथ एक शाम बिताने के लिए एक साथ आए थे। इस दौरान वे काफी मस्ती करते दिखे। उनके साथ कृति की बहन नूपुर सैनन, उनके पति और सिंगर स्टेबिन बेन और 'फुकरे' फेम एक्टर वरुण शर्मा भी मौजूद थे। वे सभी वरुण की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के गाने 'तेरा हो जाऊं' पर झूमते नजर आए। बता दें कि इस रोमांटिक गाने को स्टेबिन और जोनिता गांधी ने गाया है और इसके बोल वायु ने लिखे हैं। पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, 'तेरा हो जाऊं... इस मस्ती के साथ... आखिर तक जरूर देखें।'

'भेड़िया' की बात करें तो, यह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इसकी कहानी भास्कर (वरुण) नाम के एक रोड-कंस्ट्रक्शन कॉन्ट्रैक्टर के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे अरुणाचल प्रदेश के जंगलों में काम करते समय एक भेड़िया काट लेता है। इस घटना के बाद वह धीरे-धीरे एक 'वेयरवोल्फ' (आधा इंसान, आधा भेड़िया) में बदलने लगता है। कृति ने इसमें अनिका नाम की एक पशु चिकित्सक का किरदार निभाया है, जिसे इन रहस्यमयी घटनाओं के बारे में उससे कहीं ज्यादा पता है, जितना वह शुरू में बताती है।

बलरामपुर में खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, 280 किलो छेना मिठाई नष्ट; 48 किलो बत्तीसा के नमूने लिए

बिना निर्माण और अंतिम उपयोग तिथि के मिले मिठाई के डिब्बे, बाजार में बिक्री से पहले छेना मिठाई कराई नष्ट

प्रयोगशाला रिपोर्ट के बाद होगी आगे की कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बलरामपुर। त्योहारों और शादी-विवाह के मौसम में बाजार में बिकने वाली मिठाइयों की गुणवत्ता पर सवाल उठने के बीच खाद्य सुरक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। मंगलवार, 3 नवंबर को ललिया थाना क्षेत्र से मिली सूचना के आधार पर विभाग की टीम ने एक वाहन की जांच की। इसमें 280 किलो छेना मिठाई और 48 किलो बत्तीसा मिठाई मिली। मिठाइयों की गुणवत्ता और सुरक्षित उपयोग अवधि को लेकर संदेह सामने आने पर अधिकारियों ने नमूने लेकर जांच की प्रक्रिया शुरू की। वहीं, संभावित स्वास्थ्य जोखिम को देखते हुए 280 किलो छेना मिठाई को बाजार में पहुंचने से पहले ही नष्ट करा दिया गया। जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन के निर्देश पर मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी राकेश कुमार शुक्ला के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची। जांच दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी चंद्र भान और श्रीराम मौर्य भी शामिल थे। अधिकारियों ने वाहन में रखी मिठाइयों की पैकिंग और उपलब्ध जानकारी की जांच की। इस दौरान छेना मिठाई के डिब्बों पर निर्माण तिथि और इस्तेमाल की अंतिम तारीख दर्ज नहीं मिली। ऐसे में मिठाई कब तैयार की गई थी और कितने समय तक सुरक्षित रह सकती थी, इसका पता लगाना संभव नहीं था। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने छेना और बत्तीसा मिठाई के एक-एक नमूने लेकर खाद्य विश्लेषण प्रयोगशाला भेजने की कार्रवाई की है। अधिकारियों के अनुसार, नमूनों की जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही खाद्य पदार्थों की वास्तविक गुणवत्ता और निर्धारित मानकों के अनुरूप होने की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। अधिकारियों ने बताया कि छेना मिठाई दूध से तैयार होने वाली जल्दी खराब होने वाली खाद्य सामग्री है। यदि इसे निर्धारित तापमान पर नहीं रखा जाए या सुरक्षित तरीके से भंडारित नहीं किया जाए तो इसके खराब होने और स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक बनने की आशंका रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए 280 किलो छेना मिठाई को नियमानुसार नष्ट कराया गया, ताकि संदिग्ध उत्पाद उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचें। खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रयोगशाला जांच में खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों को दूध, दूध से बने उत्पादों और मिठाइयों की नियमित जांच करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने मिठाई कारोबारियों को पैकिंग पर निर्माण तिथि, इस्तेमाल



की अंतिम तारीख और भंडारण से जुड़ी आवश्यक जानकारी दर्ज करने की हिदायत दी है। साथ ही आम लोगों से अपील की गई है कि मिठाई खरीदते समय उसकी ताजगी, पैकिंग और निर्माण तिथि जरूर देखें। किसी उत्पाद की गुणवत्ता पर संदेह होने पर खाद्य सुरक्षा विभाग को सूचना दें।

सार्वजनिक जगह पर अनिश्चितकाल तक धरना नहीं दे सकते, सभी को प्रदर्शन का अधिकारः सुप्रीम कोर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक स्थानों पर लंबे समय तक धरना-प्रदर्शन करने के मामले में अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि कोई भी संगठन किसी सार्वजनिक जगह पर अनिश्चितकाल तक कब्जा करके नहीं बैठ सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि हर संगठन और नागरिक को अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन करने का अधिकार है, लेकिन इस अधिकार के इस्तेमाल से दूसरों के अधिकार प्रभावित नहीं होने चाहिए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान सवाल उठाया कि यदि कोई संगठन लंबे समय तक किसी एक स्थान पर बैठा रहेगा तो किसान, पत्रकार, मजदूर और अन्य प्रदर्शनकारी अपनी बात रखने के लिए कहां जाएंगे? उन्होंने कहा कि किसी एक संगठन को हमेशा के लिए किसी सार्वजनिक स्थल पर कब्जा करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थानों पर भी समय-सीमा तय होनी चाहिए, ताकि दूसरे संगठनों को भी विरोध दर्ज कराने का अवसर मिल सके। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ दिल्ली में अक्टूबर में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हुए प्रदर्शनों से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई, हिरासत में लिए गए लोगों, निगरानी व्यवस्था और प्रदर्शन स्थलों के इस्तेमाल जैसे मुद्दे उठाए गए। इसके अलावा धरना-प्रदर्शनों के कारण कारोबारियों को होने वाले नुकसान पर भी चर्चा हुई। अदालत के सामने यह सवाल भी था कि सार्वजनिक स्थानों के इस्तेमाल और विरोध दर्ज कराने के अधिकार के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए।



यूपी विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी चिराग पासवान की पार्टी, वाराणसी में होगी बड़ी रैली

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने अपनी पार्टी की राजनीतिक रणनीति का खुलासा किया है। उन्होंने ऐलान किया कि पार्टी उत्तर प्रदेश में अपनी सक्रियता बढ़ाने के लिए वाराणसी में बड़ी रैली आयोजित करेगी। इसके बाद 28 नवंबर को लखनऊ में पार्टी का स्थापना दिवस समारोह मनाया जाएगा। चिराग पासवान ने कहा कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी संगठन को मजबूत करने और प्रदेश में अपनी राजनीतिक पकड़ बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। उनका लक्ष्य उत्तर प्रदेश में पार्टी को एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करना है। चिराग पासवान ने संकेत दिया कि वाराणसी में प्रस्तावित रैली के जरिए पार्टी प्रदेश में अपनी राजनीतिक मौजूदगी का संदेश देगी। इसके बाद लखनऊ में स्थापना दिवस समारोह के माध्यम से कार्यकर्ताओं और संगठन को एकजुट करने की तैयारी है। चुनाव नजदीक आने के साथ पार्टी उत्तर प्रदेश में अपनी गतिविधियां तेज करने की रणनीति पर काम कर रही है। चिराग पासवान ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से वोट चोरी और विदेशी फंडिंग को लेकर लगाए गए आरोपों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इन आरोपों को कांग्रेस की सत्ता में वापसी की बेचैनी से जोड़ते हुए कहा कि लगातार चुनावी हार के बाद पार्टी को आत्ममंथन करना चाहिए।



गांधीनगर को मिला 29 साल का युवा महापौर, रूपसिंह ठाकोर के सिर सजा ताज



महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात की राजधानी गांधीनगर महानगरपालिका को नया महापौर मिल गया है। भारतीय जनता पार्टी ने 29 वर्षीय युवा पार्षद रूपसिंह ठाकोर को महापौर पद की जिम्मेदारी सौंपी है। वार्ड नंबर 4 से निर्वाचित ठाकोर को गांधीनगर महानगरपालिका का सातवां महापौर चुना गया है। उनकी नियुक्ति को राजधानी के राजनीतिक इतिहास में युवा नेतृत्व को बढ़ावा देने के बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा है। महानगरपालिका की पहली सामान्य सभा में नए पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की गई। इसमें वार्ड नंबर 1 की पार्षद अंजनाबेन मेहता को उपमहापौर तथा महेंद्र पटेल को स्थायी समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। वरिष्ठ पार्षदों की ओर से प्रस्ताव रखे जाने के बाद इन नियुक्तियों पर मुहर लगाई गई। रूपसिंह ठाकोर के महापौर बनने पर भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह देखने को मिला। कमलम और महानगरपालिका कार्यालय में मिठाई बांटकर तथा आतिशबाजी कर खुशी मनाई गई। पदभार संभालने के बाद ठाकोर ने पार्टी नेतृत्व और गांधीनगर की जनता का आभार जताया। उन्होंने शहर के अधूरे विकास कार्यों को तेजी से पूरा करने, नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को गति देने को प्राथमिकता बताया। नए पदाधिकारियों के सामने राजधानी को स्वच्छ, सुंदर, हरित और सुविधायुक्त बनाने की जिम्मेदारी होगी।

राहुल गांधी की पीएम मोदी को फिर खुली बहस की चुनौती

कहा- प्रधानमंत्री अपनी पसंद का मंच और निर्णायक चुन लें, मीडिया व युवाओं की मौजूदगी में हो आमने-सामने चर्चा; 24 घंटे बाद भी जवाब नहीं मिलने का किया दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर खुली बहस की चुनौती दी है। राहुल गांधी ने कहा कि उनकी ओर से चुनौती दिए जाने के 24 घंटे बीत चुके हैं, लेकिन प्रधानमंत्री की तरफ से अब तक कोई जवाब नहीं आया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री अपनी पसंद का स्थान और मंच तय कर सकते हैं। बहस में मीडिया और देश के युवाओं को भी शामिल किया जाना चाहिए, ताकि महत्वपूर्ण मुद्दों पर देश के सामने खुलकर चर्चा हो सके। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर प्रस्तावित बहस के लिए कई मुद्दे गिनाए। इनमें अमेरिका के साथ हुआ समझौता, उद्योगपति अडानी से जुड़े मामले, एपस्टीन प्रकरण, देश की वित्तीय व्यवस्था और विदेशी ताकतों से कथित संबंध शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी विषयों पर प्रधानमंत्री के साथ आमने-सामने चर्चा होनी चाहिए।



मोहन भागवत को निर्णायक बनाने का भी दिया प्रस्ताव

राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री चाहें तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत को बहस का निर्णायक बना सकते हैं। उन्होंने आरोपों के संदर्भ में कहा कि प्रधानमंत्री विपक्ष को देशद्रोही बताते हैं, इसलिए दोनों नेताओं को आमने-सामने बैठकर यह स्पष्ट करना चाहिए कि देशद्रोही कौन है और विदेशी ताकतों से कथित संबंध किसके हैं। राहुल गांधी ने दोहराया कि वे प्रधानमंत्री की पसंद के किसी भी मंच पर बहस के लिए तैयार हैं।

अमेरिका के साथ समझौते पर उठाए सवाल

राहुल गांधी ने अमेरिका के साथ हुए समझौते को लेकर सवाल उठाते हुए पूछा कि यह करार इतनी जल्दी कैसे हुआ और इसके बारे में मंत्रिमंडल को जानकारी क्यों नहीं दी गई। उन्होंने देश की आर्थिक और वित्तीय व्यवस्था से जुड़े मुद्दों के साथ अडानी से संबंधित मामलों तथा एपस्टीन प्रकरण पर भी चर्चा की मांग की।

मानहानि के मुकदमों का भी किया उल्लेख

राहुल गांधी ने अपने खिलाफ दर्ज मानहानि के मामलों का जिक्र करते हुए दावा किया कि उन पर करीब 45 मुकदमे चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री विदेशी संबंधों को लेकर लगाए गए उनके आरोपों पर भी मानहानि का मुकदमा कर सकते हैं और इस मुद्दे पर भी बहस हो सकती है। अपनी पोस्ट के अंत में राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिवाली की शुभकामनाएं दीं और खुली बहस की चुनौती दोहराई। हालांकि, अमेरिका के साथ समझौते, अडानी और एपस्टीन प्रकरण को लेकर उठाए गए सवाल राहुल गांधी के आरोप और राजनीतिक दावे हैं, जिन पर प्रस्तावित बहस में चर्चा की मांग की गई है।

अनिल अंबानी ग्रुप पर ईडी का बड़ा एक्शन

दो चार्टर्ड विमान, महाराष्ट्र में जमीन और कार्यालय परिसर के साथ तमिलनाडु की दो पवन चक्कियां भी कार्रवाई के दायरे में

510.17 करोड़ की संपत्तियां अटैच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। अनिल अंबानी की कंपनियों से जुड़े बैंक धोखाधड़ी मामलों में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रिलायंस अनिल अंबानी समूह की 510.17 करोड़ रुपये की संपत्तियां अटैच की हैं। कार्रवाई के दायरे में दो चार्टर्ड विमान, महाराष्ट्र में जमीन के छह टुकड़े और एक कार्यालय परिसर के अलावा तमिलनाडु की दो पवन चक्कियां भी शामिल हैं। इसके साथ ही बैंक खातों में जमा रकम, सावधि जमा और विभिन्न निवेशों पर भी कार्रवाई की गई है। ईडी के अनुसार, यह कार्रवाई दो अलग-अलग मामलों में की गई है। इनमें रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड से जुड़े मामले के साथ रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड (आरकॉम) का बैंक धोखाधड़ी मामला शामिल है। दोनों मामलों में अटैच की गई संपत्तियों का कुल मूल्य 510.17 करोड़ रुपये बताया गया है।



आरकॉम मामले में 247.12 करोड़ की संपत्तियां अटैच

रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड से जुड़े बैंक धोखाधड़ी मामले में ईडी ने 247.12 करोड़ रुपये की संपत्तियों को अटैच किया है। इनमें दो चार्टर्ड विमान, महाराष्ट्र में छह जमीन के टुकड़े और एक कार्यालय परिसर शामिल हैं। जांच एजेंसी ने इन सभी संपत्तियों का मूल्य 247.12 करोड़ रुपये आंका है।

रिलायंस होम और कमर्शियल फाइनेंस मामले में 263.05 करोड़ की कार्रवाई

दूसरे मामले में रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड से जुड़ी 263.05 करोड़ रुपये की संपत्तियां अटैच की गई हैं। इनमें तमिलनाडु में स्थित दो पवन चक्कियां, बैंक खातों में जमा धनराशि, सावधि जमा और निवेश शामिल हैं। इसके अलावा कंपनियों से जुड़े कुछ लेनदेन और उनसे मिलने वाली रकम पर भी कार्रवाई की गई है।

दो मामलों में कुल 510.17 करोड़ की संपत्ति पर कार्रवाई

ईडी की दोनों कार्रवाइयों को मिलाकर अटैच की गई संपत्तियों का मूल्य 510.17 करोड़ रुपये है। इस कार्रवाई के बाद अनिल अंबानी समूह से जुड़ी कंपनियों के बैंक धोखाधड़ी मामलों की जांच फिर चर्चा में आ गई है। हालांकि, संपत्तियां अटैच किया जाना जांच एजेंसी की कार्रवाई है; संबंधित मामलों में आरोपों और वित्तीय लेनदेन की स्थिति जांच तथा कानूनी प्रक्रिया के तहत तय होगी।

छात्राओं के व्हाट्सएप ग्रुप में शिक्षक ने भेजे 6 अश्लील वीडियो, चार घंटे तक मचा रहा हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सीधी। मध्यप्रदेश के सीधी स्थित कन्या महाविद्यालय में छात्राओं के व्हाट्सएप समूह पर छह अश्लील वीडियो भेजे जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि महाविद्यालय के खेल शिक्षक उमेश पाठक ने छात्राओं के 'जीडीसी सीधी यूजी बैच-2025' नाम के समूह में ये वीडियो साझा किए। वीडियो के साथ उन्होंने संदेश लिखा- 'इस वीडियो को खोलकर देखें। भ्रष्ट नेता पकड़े गए।' अचानक अश्लील वीडियो सामने आने से छात्राओं में नाराजगी फैल गई और समूह में हंगामा शुरू हो गया। छात्राओं ने तत्काल वीडियो हटाने की मांग की, लेकिन करीब चार घंटे तक वीडियो समूह में बने रहे। जानकारी के अनुसार, घटना 31 अक्टूबर को दोपहर करीब एक बजे की है। वीडियो देखने के बाद छात्राओं ने महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. देवेंद्र सोनी को इसकी जानकारी दी और शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने समूह से वीडियो हटाने के लिए कहा, लेकिन काफी देर तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। छात्राएं लगातार वीडियो हटाने की मांग करती रहीं। जब समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे प्राचार्य ओपी नामदेव के पास पहुंचीं और शिक्षक उमेश पाठक के खिलाफ शिकायत की। प्राचार्य ओपी नामदेव के मुताबिक, घटना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने शिक्षक उमेश पाठक को कई बार फोन किया, लेकिन उनका मोबाइल बंद मिला। इस कारण उनसे तत्काल संपर्क नहीं हो सका। करीब चार घंटे बाद प्राचार्य ने व्हाट्सएप समूह के एडमिन से संपर्क कर वीडियो हटवाए। तब जाकर छात्राओं के बीच बना आक्रोश कुछ कम हुआ।

अनंत सिंह की बेटी की शादी में जुटेंगे फिल्मी सितारे, घुड़दौड़ के विजेता को मिलेगी थार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पटना। मोकामा विधायक अनंत सिंह की छोटी बेटी शिवांगी सिंह की शादी 25 नवंबर 2026 को होगी। बिहार के नदवां गांव में शादी की तैयारियां शुरू हो गई हैं। मंगलवार को अनंत सिंह ने गांव पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया और घुड़दौड़ के मैदान का निरीक्षण किया। समर्थकों के मुताबिक, समारोह में अभिनेता सोनू सूद, भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह, गायक गुंजन सिंह और उदित नारायण सहित कई कलाकार शामिल होंगे। मेहमानों के स्वागत के लिए विदेश से विशेष फूल मंगवाए जा रहे हैं। शादी में घुड़सवारी प्रतियोगिता भी होगी। इसमें प्रथम विजेता को थार गाड़ी, दूसरे को मोटरसाइकिल और तीसरे स्थान पर रहने वाले को स्कूटी दी जाएगी। अनंत सिंह ने गांव पहुंचते ही घुड़दौड़ की तैयारियों की जानकारी ली। इस दौरान उनसे मिलने के लिए समर्थकों और परिचितों की भीड़ जुटी रही।

अभिनेता तुषार कपूर से 5 करोड़ की रंगदारी मांगने का मामला, लॉरेंस गैंग के नाम से आया धमकी भरा फोन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता तुषार कपूर को कथित तौर पर लॉरेंस गैंग के सदस्य हैरी बॉक्सर के नाम से धमकी भरा फोन कर 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। फोन करने वाले ने खुद को गैंग से जुड़ा बताते हुए अभिनेता को धमकाया। इसके बाद तुषार कपूर ने मुंबई पुलिस को इसकी जानकारी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच एंटी-एक्सटॉर्शन सेल और क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई। पुलिस की तकनीकी टीम ने धमकी भरे फोन की ऑडियो रिकॉर्डिंग की जांच की। इसके बाद कॉल में सुनाई देने वाली आवाज का मिलान हैरी बॉक्सर के आधिकारिक ऑडियो नमूने से किया गया। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, दोनों आवाजों में समानता नहीं मिली। इससे जांचकर्ताओं को आशंका है कि किसी व्यक्ति ने लॉरेंस गैंग का नाम इस्तेमाल कर अभिनेता को डराने और रंगदारी वसूलने की कोशिश की है। पुलिस अब उस व्यक्ति की पहचान करने में जुटी है, जिसने कथित तौर पर धमकी भरी कॉल या ऑडियो रिकॉर्डिंग भेजी थी। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि कॉल कहां से किया गया और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं। फिलहाल मामले में फर्जी पहचान के जरिए रंगदारी मांगने की आशंका को भी ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। हैरी बॉक्सर का नाम इससे पहले भी फिल्म और मनोरंजन जगत से जुड़ी कई धमकी की घटनाओं में सामने आ चुका है। अभिनेता रणवीर सिंह को धमकी देने के मामले में भी उसका नाम चर्चा में रहा है। फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग की घटना के बाद भी लॉरेंस गैंग और हैरी बॉक्सर का नाम सामने आया था। कथित तौर पर एक वॉइस नोट के जरिए इस घटना की जिम्मेदारी लेने का दावा किया गया था।



भारत-पाकिस्तान वर्ल्ड कप मैच के लिए 84 लाख आवेदन, स्टेडियम में सिर्फ 34 हजार सीटें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

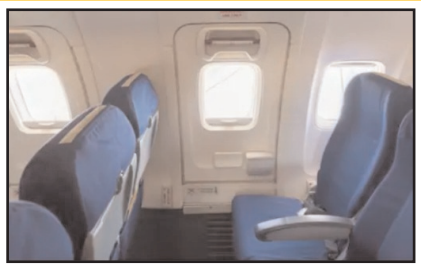
दिल्ली। वनडे विश्व कप 2027 के 10 अक्टूबर को जोहान्सबर्ग में होने वाले भारत-पाकिस्तान मुकाबले के टिकटों के लिए 83,97,294 आवेदन मिले हैं। स्टेडियम की क्षमता करीब 34 हजार दर्शकों की है, यानी सीटों से लगभग 247 गुना ज्यादा मांग है। 21 नवंबर को होने वाले फाइनल के लिए भी 79 लाख से अधिक पंजीकरण हुए हैं। आईसीसी के अनुसार, अब तक 193 देशों से पूरे टूर्नामेंट के लिए 12 करोड़ से ज्यादा आवेदन मिल चुके हैं। टिकटों का चयन मांग अधिक होने पर कंप्यूटर आधारित लॉटरी से होगा, न कि पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया संयुक्त रूप से इस विश्व कप की मेजबानी करेंगे। 24 साल बाद अफ्रीकी धरती पर वनडे विश्व कप खेला जाएगा। टूर्नामेंट में 14 टीमें 12 स्थानों पर कुल 57 मुकाबले खेलेंगी।

दिल्ली से पुणे जा रही फ्लाइट में 33 वर्षीय यात्री ने सुरक्षा लीवर का कवर हटाया, चालक दल ने तत्काल संभाली स्थिति; पुणे पहुंचने पर शिकायत के बाद पुलिस ने दर्ज किया मामला

उड़ान के दौरान इंडिगो विमान के इमरजेंसी दरवाजे से छेड़छाड़, अलार्म बजते ही मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। आसमान में उड़ रहे विमान के आपातकालीन दरवाजे से छेड़छाड़ की एक घटना ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। दिल्ली से पुणे जा रही इंडिगो की फ्लाइट में एक यात्री ने कथित तौर पर आपातकालीन दरवाजे के लीवर पर लगे सुरक्षा कवर से छेड़छाड़ कर दी। इसके तुरंत बाद विमान में लगा चेतावनी अलार्म सक्रिय हो गया। अचानक अलार्म बजने से विमान में मौजूद यात्रियों और चालक दल के सदस्यों के बीच हड़कंप मच गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए क्रू मेंबर्स ने तत्काल स्थिति को संभाला। विमान के पुणे पहुंचने के बाद संबंधित यात्री के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस के मुताबिक, यह घटना



इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई6884 में हुई। विमान सोमवार रात करीब 12:45 बजे दिल्ली से पुणे के लिए रवाना हुआ था और रात लगभग 2 बजे पुणे पहुंचा। आरोपी यात्री की पहचान 33 वर्षीय गौरव सत्येंद्र रौतेला के रूप में हुई है, जो पुणे का निवासी बताया गया है। वह विमान में आपातकालीन दरवाजे के पास वाली सीट पर बैठा हुआ था। इसी वजह से उसकी गतिविधि सीधे विमान के सुरक्षा तंत्र से जुड़ी हुई थी।

टेकऑफ के कुछ देर बाद की हरकत, सक्रिय हुआ चेतावनी अलार्म

पुलिस के अनुसार, विमान के उड़ान भरने के कुछ समय बाद यात्री ने आपातकालीन दरवाजे के लीवर पर लगे सुरक्षा कवर से छेड़छाड़ की। यह कवर दरवाजे के संचालन से जुड़े लीवर को अनावश्यक रूप से छूने या सक्रिय करने से रोकने के लिए लगाया जाता है। यात्री की इस हरकत के बाद विमान का अलार्म बजने लगा। अचानक चेतावनी संकेत मिलने पर चालक दल के सदस्य सतर्क हो गए और उन्होंने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए। विमान में आपातकालीन दरवाजा बेहद संवेदनशील सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा होता है। उड़ान के दौरान इस दरवाजे या उससे जुड़े उपकरणों के साथ किसी भी तरह की अनधिकृत छेड़छाड़ गंभीर खतरा पैदा कर सकती है। ऐसे उपकरणों को केवल आपातकालीन परिस्थितियों में निर्धारित प्रक्रिया के तहत ही संचालित किया जाता है। इसलिए सुरक्षा कवर से छेड़छाड़ की घटना को विमानन सुरक्षा के लिहाज से गंभीरता से लिया गया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, यात्री के खिलाफ ऐसे लापरवाहीपूर्ण या उतावलेपन वाले कृत्य से संबंधित कानूनी प्रावधान के तहत कार्रवाई की गई है, जिससे किसी व्यक्ति की जान या निजी सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.